खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 16 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-313

जम्मू-कश्मीर के नौगाम में हुआ बड़ा दुर्घटनाग्रस्त धमाका, 9 की मौत

गृह मंत्रालय कर रहा जाँच

नई दिल्ली/श्रीनगर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए एक बड़े दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाग्रस्त विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई है, जबकि 32 अन्य घायल हुए हैं।गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव, प्रशांत लोखंडे ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि इस घटना के कारणों की जाँच की जा रही है और धमाके के कारण को लेकर कोई भी अन्य अटकलें लगाना अनावश्यक है।

उन्होंने बताया कि श्रीनगर के बाहरी इलाके में स्थित नौगाम पुलिस स्टेशन के परिसर में एक आतंकवादी मॉड्यूल की जाँच के दौरान भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ और रसायन बरामद किए गए थे,

जिन्हें खुले क्षेत्र में सुरक्षित रखा गया था।

लोखंडे ने कहा कि मानक और निर्धारित प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, बरामद विस्फोटकों को फोरेंसिक और रासायनिक जाँच के लिए भेजा गया था। उन्होंने बताया कि बरामदगी की भारी मात्रा के कारण यह प्रक्रिया पिछले दो दिनों से लगातार जारी थी। संयुक्त सचिव ने कहा कि बरामद सामग्री की अस्थिर और संवेदनशील प्रकृति के कारण, इसे विशेषज्ञ पर्यवेक्षण में बहुत सावधानी से संभाला जा रहा था।

लोखंडे ने कहा, हालांकि, इसी प्रक्रिया के दौरान, 14 नवंबर की रात लगभग 11:20 बजे एक दुर्घटनाग्रस्त विस्फोट हुआ। इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में नौ लोगों की जान चली गई, जबकि 27 पुलिसकर्मी, ▶10पर

श्रीनगर के नौगाम थाने में विस्फोट दुर्घटनावश हुआ, इसे लेकर अनावश्यक अटकलें न लगाई जाएं : गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली/श्रीनगर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में शुक्रवार रात हुए विस्फोट को दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना बताते हुए कहा है कि यह जब्त किये गये विस्फोटक पदार्थों और रसायनों को परीक्षण के लिए भेजे जाने से पहले हुआ जिसके कारणों की जांच की जा रही है और इसे लेकर अनावश्यक अटकलें नहीं लगायी जानी

चाहिए।इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में नौ लोगों की मृत्यु हो गई और 27 पुलिस कर्मी, दो राजस्व अधिकारी और तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव (जम्मू कश्मीर) प्रशांत लोहखंडे ने शनिवार को नयी दिल्ली में संवाददाताओं को बताया कि शुक्रवार रात को 11 बजकर 20 मिनट पर दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जम्मू और कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन के अंदर एक बड़ा विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा कि नौगाम पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों ने वहां हाल ही में लगाये गये एक पोस्टर से मिली जानकारी ▶10पर

नौगाम विस्फोट : विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश

जम्म/श्रीनगर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने नौगाम में हुए आकस्मिक विस्फोट की जांच के आदेश दिए हैं।

श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए दुखद आकस्मिक विस्फोट में हुई कई लोगों की मौत पर दुःख व्यक्त करते हुए उप-राज्यपाल सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए अत्यंत दुखद आकस्मिक विस्फोट में बहुमूल्य जानें जाने से मुझे गहरा दुःख हुआ है।

उन्होंने पोस्ट किया, शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

उन्होंने आगे पोस्ट किया, सरकार दिवंगत लोगों के परिवारों, मित्रों और प्रियजनों के साथ एकजुटता से खड़ी है। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। मैंने आकस्मिक विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं।

स्वतंत्रता आंदोलन में ट्राइबल समाज के योगदान को भुला नहीं सकते : मोदी

नर्मदा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के नर्मदा में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित मजनजातीय गौरव दिवसफ कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव हजारों वर्षों से हमारे भारत की चेतना का अभिन्न हिस्सा रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन में ट्राइबल समाज के योगदान को हम भुला नहीं सकते हैं। नर्मदा में भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मां नर्मदा की ये पावन धरती आज एक और ऐतिहासिक आयोजन की साक्षी बन रही है। अभी 31 अक्टूबर को हमने यहां सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई। हमारी एकता और विविधता को सेलिब्रेट करने के लिए भारत पर्व शुरू हुआ है। आज भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के इस भव्य आयोजन के साथ हम भारत पर्व की पूर्णता के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2021 में हमने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की थी। जनजातीय गौरव हजारों वर्षों से हमारे भारत की चेतना का अभिन्न हिस्सा रहा है। पीएम मोदी ने कहा, जब-जब देश के सम्मान, स्वाभिमान और स्वराज की बात आई, तो हमारा आदिवासी समाज सबसे आगे खड़ा हुआ। हमारा स्वतंत्रता संग्राम इसका सबसे बड़ा उदाहरण

है। स्वतंत्रता आंदोलन में ट्राइबल समाज के योगदान को हम भुला नहीं सकते। विकास और जनजातीय कल्याण से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य, सड़क और यातायात से जुड़े कई और प्रोजेक्ट्स शुरू हुए हैं। मैं इन सभी विकास कार्यों के लिए, सेवा कार्यों के लिए, कल्याण योजन-ाओं के लिए ▶10पर

मोदी ने देवमोगरा धाम में किये पांडोरी माता के दर्शन

नर्मदा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के नर्मदा जिले की अपनी यात्रा के दौरान प्रसिद्ध याहामोगी देवमोगरा धाम में

पांडोरी माता के दर्शन किये। श्री मोदी ने देवमोगरा धाम मंदिर में पांडोरी माताजी के दर्शन, विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती की। इससे पहले सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों ने लोकनृत्य के माध्यम से हाथों में तिरंगा लिए उनका भव्य स्वागत किया। सतपुड़ा पर्वतमाला में प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित यह मनमोहक धाम आदिवासी समाज के लोगों की आस्था का केन्द्र है, जिसकी महिमा अनूठी है। सतपुड़ा की पर्वतमाला के बीच स्थित पौराणि मंदिर देवमोगरा धाम बाहर से नेपाल के पशुपतिनाथ जैसा दिखायी देता है। नर्मदा जिले की सागबारा तहसील के देवमोगरा में आदिवासियों की कुलदेवी पांडोरी माता (याहमोगी) का मंदिर है। सतपुड़ा की पर्वतमालाओं में प्रकृति की गोद में बसे इस धाम में स्वयंभू याहा पांडोरी देवमोगरा माता आदि-अनादि ▶10पर

बिहार विधानसभा में धनकुबेरों का दबदबा 90 प्रतिशत विजयी प्रत्याशी करोड़पति

पटना, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद उम्मीदवारों की आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक प्रोफ़ाइल पर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, इस बार चुनकर आये 243 में से 90 प्रतिशत विजयी प्रत्याशी करोड़पति हैं, जिनकी

औसत संपत्ति 9.02 करोड़ रुपये आंकी गई है।

इससे स्पष्ट है कि बिहार की राजनीति में धनबल की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट बताती है कि अधिकांश दलों के उम्मीदवारों की संपत्ति करोड़ों में है। करोड़पति विजयी प्रत्याशियों की इतनी बड़ी संख्या यह दर्शाती है कि आर्थिक रूप से सशक्त उम्मीदवारों की चुनावी राजनीति में पकड़ मजबूत होती जा रही है।

उधर विजयी प्रत्याशियों की शैक्षिक योग्यता भी दिलचस्प तस्वीर पेश करती है। कुल विजयी प्रत्याशियों में से 35 प्रतिशत 5वीं से 12वीं तक शिक्षित हैं। स्नातक और उससे ऊपर की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले 60 प्रतिशत उम्मीदवार हैं। वहीं डिप्लोमा धारक विजयी प्रत्याशियों की संख्या पांच है और केवल साक्षर विजयी उम्मीदवारों की संख्या सात है।

यह आंकड़ा दर्शाता है कि उच्च शिक्षित उम्मीदवारों का दबदबा तो है, लेकिन सीमित शिक्षा वाले प्रत्याशी भी पर्याप्त संख्या में जीत दर्ज कर रहे हैं।

वहीं उम्मीदवारों की आयु सीमा के आधार पर विधानसभा की तस्वीर कुछ इस प्रकार है। 25 से 40 वर्ष आयुवर्ग के विजयी प्रत्याशियों की संख्या 38 (16 प्रतिशत) है। 41 से 60 वर्ष के बीच आयुवर्ग के कुल 143 (59 प्रतिशत) विजयी उम्मीदवार हैं और 61 से 80 वर्ष के बीच आयु वर्ग वाले विजयी प्रत्याशियों की संख्या 62 (26 प्रतिशत) है।

आंकड़ों से जाहिर होता है कि बिहार विधानसभा में सबसे ज़्यादा प्रतिनिधित्व मध्यम आयु वर्ग के नेताओं का है, जबकि युवा नेतृत्व की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है।

वहीं, 243 विजेताओं में से 12 प्रतिशत यानी 29 महिलायें इस बार विधानसभा पहुंची हैं। पिछली बार यह आंकड़ा 11 प्रतिशत था। हालांकि, इस बार महिला प्रतिनिधित्व में वृद्धि मामूली है, लेकिन महिलाओं की उपस्थिति में निरंतर वृद्धि उम्मीद की किरण दिखाती है।

आतंकी धमकी देने वालों का पता लगायेगा ट्रिपल आईटी का एआई बेस्ड साफ्टवेयर

प्रयागराज, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज का ट्रिपल आईटी संस्थान एक ऐसा सिस्टम तैयार करने जा रहा है, जो आतंकी धमकी देने वालों की तह तक जाएगा। इसके लिए यहां के एक्सपर्ट एआई बेस्ड साफ्टवेयर बनाने जा रहे हैं। इसके लिए केंद्र सरकार की तरफ से करीब 4.73 करोड़ का बजट भी स्वीकृत कर

दिया गया है। इस तरह का यह देश का पहला सिस्टम होगा।

इससे पलक झपकते ही साइबर टेररिज्म को आसानी से नाकाम किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि दुनिया के किसी भी कोने से बैठ कर कोई भी यदि भारत पर बुरी नजर रखता है तो वह बच नहीं पाएगा। धमकी देने वाला व्यक्ति कहां पर छिपा बैठा हुआ है। उसकी जानकारी तत्काल यह सिस्टम आसानी से पता लगा सकेगा, कि यह धमकी कहां से आई है। ट्रिपल आईटी के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. बृजेंद्र सिंह की देखरेख में इस पर काम शुरू कर दिया गया है। प्रो. वृजेंद्र सिंह ने बताया कि मिनिस्ट्री आफ इलेक्ट्रानिक एंड टेक्नोलॉजी एंड इंफार्मेशन की तरफ से यह प्रोजेक्ट संस्थान को दिया गया है। देखा जा रहा है कि आजकल साइबर सिस्टम का दुरुपयोग बहुत किया जाता है। बहुत सारी असामाजिक गतिविधियां होती रहती हैं।कहीं बम से उड़ाने की धमकी दी जाती है तो कहीं अन्य तरह की धमकियां मिलती रहती है।

इसका पता लगाने के लिए सरकार को तमाम एजेंसियों को लगाना पड़ता है। समय के साथ काफी पैसे भी खर्च होते हैं। बाद में यह पता चलता है कि फेक काल्स थी या फर्जी सूचनाएं हैं। इससे लोगों में डर का माहौल भी पैदा हो जाता है।

प्रो. सिंह ने बताया कि जो एजेंटिक एआई बेस्ड सिस्टम तैयार किया जा रहा है। इसमें तत्काल आसानी से धमकी देने वालों को लोकेट किया जा सकता है। इतना ही नहीं लोकेट करने के बाद सुरक्षा एजेंसियों को रियल टाइम में अलर्ट भेजा जाएगा।

उन्होने बताया कि इसमें हम वीपीएन-एलएलएम (लार्ज लैंग्वेज मॉडल) टाइप का सिस्टम डेवलप कर रहे हैं। यह पूरी कुंडली बता देगा आपराधिक व आतंकी गतिविधियों की। इसमें हम नार्मल ट्रैफिक के साथ साथ डार्कवेब की भी मानिटरिंग करेंगे।दरअसल, इस हाइटेक साफ्टवेयर को तैयार करने में करीब तीन साल का समय दिया गया है। इसके लिए ट्रिपल आईटी प्रयागराज में अलग से हाइटेक लैब भी बनाया जा रहा है। ▶10पर

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने छोड़ी राजनीति

मैं अपने परिवार से भी नाता तोड़ रही हूं: रोहिणी आचार्य

पटना, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिनी आचार्या ने राजनीति छोड़ने का एलान कर दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने परिवार से दूरी बनाने की भी घोषणा कर दी है। रोहिणी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से भी नाता तोड़ रही

हूं। यह वही बात है जो संजय यादव और रमीज ने मुझसे कहने को कहा था। राजद की हार की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि मैं सारी जिम्मेदारी ले रही हूं। दरअसल, रोहिणी आचार्य, तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव की राजद में दखल से नाराज चल रही हैं। 18 सितंबर को भी उन्होंने किसी अन्य के सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर करते हुए तेजस्वी यादव के साये बने राज्यसभा सांसद संजय यादव को निशाने पर लिया था। उन्होंने अपने भाई तेजस्वी यादव के करीबी सांसद संजय यादव को निशाना साधते हुए लिखा था कि लालू-तेजस्वी की जगह लेने की कोशिश करने वालों को देखना पसंद नहीं करती हैं। रोहिणी आचार्य ने जो शेयर किया था, उसमें लिखा था किफ्रंट सीट सदैव शीर्ष के नेता, नेतृत्वकर्ता के लिए चिन्हित होती है और उनकी अनुपस्थिति में भी किसी को उस सीट पर नहीं बैठना चाहिए। वैसे अगर कोई अपने आप को शीर्ष नेतृत्व से भी ऊपर समझ रहा है, तो अलग बात है। इसके बाद फिर से रोहिणी ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव को जीवनदान देने वाला फोटो-वीडियो शेयर करते हुए लिखा है जो जान हथेली पर रखते हुए बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने का जज्बा रखते हैं, बेखौफी-बेबाकी-खुद्दारी तो उनके लहू में बहती है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी लिखा था कि मैंने एक बेटी व बहन के तौर पर अपना कर्त्तव्य एवं धर्म निभाया है और आगे भी निभाती रहूंगी। मुझे किसी पद की लालसा नहीं है, न मेरी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा है। मेरे लिए मेरा आत्म-सम्मान सर्वोपरि है। अब रोहिणी की यह दोनों पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। रोहिणी के समर्थकों ने लिखा कि बिहार एक बेटी की यह कुर्बानी कभी नहीं भूलेगा। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के लिए आपने जो किया उसे भूला नहीं जा सकता। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

साथ उड़े सुखोई और फ्रेंच लड़ाकू विमान

युद्धाभ्यास से भारतीय वायुसेना को मिलेगी नई मजबूती

पेरिस, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना ने फ्रांस में शुरू हो रहे द्विपक्षीय वायु युद्धाभ्यास गरुड़-25 में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा दी है। रविवार से 27 नवंबर 2025 तक चलने वाले इस संयुक्त अभ्यास में भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 एमकेआई फ्रांस की एयर एंड स्पेस फोर्स के उन्नत मल्टीरोल लड़ाकू विमानों के साथ कई जटिल युद्ध स्थितियों का अभ्यास करेंगे। यह अभ्यास दोनों देशों की वायु क्षमताओं और सैन्य साझेदारी को नई मजबूती देने वाला माना जा रहा है। इस 8वें संस्करण का मुख्य उद्देश्य वास्तविक युद्ध स्थितियों जैसे एयर-टू-एयर कॉम्बैट, एयर डिफेंस मिशन और संयुक्त स्ट्राइक ऑपरेशंस में समन्वय और तालमेल को मजबूत करना है। भारतीय वायुसेना ने बताया कि ऐसे अभ्यासों से न सिर्फ रणनीति

और संचालन तकनीक में सुधार होता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोनों सेनाओं की इंटरऑपरेबिलिटी भी बढ़ती है। गरुड़-25 में भारत और फ्रांस अपने पायलटों, तकनीकी स्टाफ और संचालन विशेषज्ञों के बीच पेशेवर समन्वय को और बेहतर बनाएंगे। भारतीय वायुसेना का दल 10 नवंबर को फ्रांस पहुंच चुका है। अभ्यास के लिए सुख-ोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान मुख्य भूमिका में रहेंगे। उनकी लॉजिस्टिक और परिचालन जरूरतों के लिए सी-17 ग्लोबमास्टर-III एयरलिफ्ट विमान का इस्तेमाल इंडक्शन और डी-इंडक्शन चरणों में किया जा रहा है। वहीं, आईएल-78 एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग टैंकर सुखोई विमानों की रेंज बढ़ाने और लंबे समय तक मिशन को जारी रखने में मदद करेंगे। अभ्यास के दौरान भारतीय सुखोई विमान फ्रांसीसी बहु-भूमिका लड़ाकू विमानों के साथ संयुक्त मिशन उड़ाएंगे। इसमें हाई-थ्रेट एयरस्पेस, मल्टी-एसेट स्ट्राइक पैकेज, इंटरसेप्शन मिशन और एयर डिफेंस की उन स्थितियों का अभ्यास शामिल है, जो वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में सामने आती हैं। दोनों देशों के पायलट साझा तौर पर इन मिशनों की प्लानिंग और डी-ब्रीफिंग करेंगे, जिससे तकनीकी दक्षता और अनुभव का आदान-प्रदान हो सके। गरुड़-25फ भारतीय और फ्रांसीसी वायुसेना के बीच पेशेवर संवाद का एक बड़ा मंच भी है। इसमें रणनीतिक संचालन, मिशन प्लानिंग, ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,27,260/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,59,505/- (प्रति किलोग्राम)

सुब्रह्मण्यम रोड–हासन खंड में व्यापक निरीक्षण

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने शुक्रवार को सुब्रह्मण्यम रोड स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया और अमृत भारत स्टेशन पुनर्विकास योजना के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण में यात्री सुविधाओं, स्टेशन के बुनियादी ढांचे और समग्र सेवा गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया। उनके साथ मैसूरु के मंडल रेल प्रबंधक मुदित मित्तल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरे के दौरान, महाप्रबंधक ने सकलेशपुर घाट खंड के विद्युतीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया और नए विद्युतीकृत खंड की तैयारी और सुरक्षा मानकों का आकलन किया। इसके अतिरिक्त, सुब्रह्मण्यम रोड और हासन के बीच एक विंडो-ट्राएंगल निरीक्षण किया गया, जिसमें खंड में सुचारू और सुरक्षित रेल यातायात सुनिश्चित करने के लिए ट्रैक की स्थिति, सिग्नलिंग प्रणाली और अन्य परिचालन पहलुओं का निरीक्षण किया गया। क्षेत्रीय दौरे के दौरान मुकुल सरन माथुर और मुदित मित्तल ने सुब्रह्मण्यम रोड स्टेशन पर यात्रियों से बातचीत की और सुविधाओं, सेवाओं और यात्रा अनुभव पर प्रतिक्रिया प्राप्त की। सुझावों पर गौर करने और सुधार के लिए समय पर कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षणों और जनसंवादों की यह श्रृंखला, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, विकास कार्यों में तेजी लाने और यात्री-केंद्रित सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए रेलवे प्रशासन की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

संबंध तोड़ना आसान है, संबंध बनाना कठिन है: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि बुद्ध जंगल में अंगुलिमाल से मिले। वह लोगों की उंगलियां काटकर उनकी माला बनाकर पहनता था। वह बुद्ध की उंगलियां काटना चाहता था। बुद्ध ने कहा, सामने से पेड़ का पत्ता तोड़कर दे सकते हो? अंगुलिमाल तुरंत ले आया। बुद्ध ने उसे हाथ में लिया और वापस देते हुए कहा कि अब उसे उसी जगह पहले की तरह वापस लगा दो। अंगुलिमाल ने कहा कि यह तो सम्भव नहीं है। बुद्ध ने अंगुलिमाल को समझाते हुए कहा, पत्ता तोड़ना आसान है, लेकिन जोडना कठिन है। आप जिसे जोड़ नहीं सकते, उसे तोड़ने का हक आपको नहीं है। उंगलियां काटना बड़ी बात नहीं है, उंगलियां संभालना बड़ी बात है। संबंध के क्षेत्र में यह बात शत-प्रतिशत लागू होती है। संबंध तोड़ना आसान है, संबंध बनाना कठिन है और संबंधों को निभाना सबसे मुश्किल। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि अधिकतर संबंध टूटने के मुख्य दो कारण है- अभिमान और आग्रह। अभिमान डर पैदा करता है, आग्रह जड़ता पैदा करता है। आप आपकी बात में स्पष्ट न होंगे या तो आपकी बातों के नतीजे से बेखबर होगे तो आप जड़ जाओगे। अज्ञान के कारण जड़ता पैदा होती है और संदेह के कारण भी जड़ता पैदा होती है। अधिकतर अर्थहीन रूढि, रीत, रिवाजों का मूल अज्ञान और संदेह है। जड़ता विरोध की भावना पैदा करती है। दूसरों की बातों का अस्वीकार, भिन्न मत का बहिष्कार विरोध कहा जाता है। विरोध संघर्ष को जन्म देता है। जिसके मन में डर है, संदेह है, अविश्वास है वही विरोध करता है, संघर्ष करता है। जीवन में अनेकों बार हमें विरोध का सामना करना पड़ता है। मन में डर और संदेह के कारण हम विरोध करने लगते हैं। ऐसी परिस्थिति में हमें दो स्तर पर काम करना चाहिए। पहला, आपको जिस बात का डर है, उस बात की पूरी जानकारी लो, आपके विरोध करने वालों को जिस बात का संदेह है उसे दूर करो। ज्ञान से स्पष्टता आती है। स्पष्टता से आत्मविश्वास बढ़ता है।

प्रेरणा संस्था की साहित्यिक गोष्ठी में बाल दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रेरणा संस्था की साहित्यिक गोष्ठी में बाल दिवस के उपलक्ष में शुक्रवार को गूगल मीट पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जहां बच्चों की खुशियों में शामिल हो स्वयं बच्चा बन जाना हो या उनके पीठ के बोझ को कम करने की बात हो। इस गोष्ठी में महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चे शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार विद्या कृष्णा कर रही थीं तो बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं प्रसिद्ध डॉक्टर प्रेम तन्मय और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ गजलकार कमल किशोर राजपूत थे। इस पावन मौके पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ. सुचित्रा कौल मिश्र एवं वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ. इंदु झुनझुनवाला विशेष रूप से उप-स्थित रहीं। सर्वप्रथम संस्था की संस्थापक व अध्यक्ष मनोवैज्ञानिक वीणा मेदनी ने समस्त ब्रह्मांड की कृपा प्राप्त करने के लिए मंत्र उच्चारण किया, स्वागत के पश्चात कुमारी देशना के साथ राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत किया। दीप प्रज्वलन के साथ पुष्पा पांडेय की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में देवानंद साहा, पुष्पा पांडेय, रमा बहेड, सुनीता मिश्रा, मधु मनमौजी, प्रो. वत्सला, भगवती सक्सेना, डॉ. सुचित्रा कौल मिश्र, वीणा मेदनी, निर्मला कर्ण, गीता चौबे गूंज, डॉ शशि मंगल, सुनीता लाहोटी, अंजनीकुमार तिवारी सुधाकर, नलिनी पोपट, त्रिशला मिश्रा, डॉ गीता सिन्हा गीतांजलि, ज्योति तिवारी, सुदेश वत्स, रतिंदर कौर, आकर्ष अमि, सार्थक सत्येंद्र, सत्या सवि, कुमारी रियांशी, देशना खुशराज, शोभा देशपांडे, डॉ. इंदु झुनझुनवाला, डॉ. प्रेम तन्मय एवं विद्या कृष्णा इत्यादि ने भाग लिया। सारी प्रस्तुतियों का सार यह रहा कि आज की परिस्थितियों में बच्चों का बचपन कहीं गुम होता नजर आ रहा है जिसका प्रमुख कारण आधुनिकता, तकनीकी तरक्की, शिक्षा प्रणाली एवं बिखरता घर है। जिससे बच्चों में क्षोभ, अकेलापन एवं असुरक्षा इत्यादि की भावना आ जाती है। बचपन वह मधुर आवश्यक अवस्था है जिस पर व्यक्ति का व्यक्तित्व टिका है। बचपन संतुष्ट तो व्यक्ति अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर ही लेता है अन्यथा मनोविकार से ग्रस्त हो जाता है। आज आवश्यक है बाल विमर्श की। तत्पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. प्रेम तन्मय ने कहा कि बाल विमर्श एक विस्तृत विषय है जिसमें नारी विमर्श, वृद्ध विमर्श, प्रौढ़ विमर्श शामिल है। बाल विमर्श पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। क्योंकि बच्चे ही कल के भविष्य है उनमें सही समय पर संस्कार का बीजारोपण होना चाहिए। उनका बचपन खुलकर निखरना चाहिए। अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्या कृष्णा ने एक समीक्षात्मक नजर दौड़ाई और प्रस्तुति से बाल श्रम को रेखांकित करते हुए बच्चों के बचपन को खुल कर जीने की राह दिखाई।

बन्नूर रोटरी स्कूल में बाल दिवस मनाया

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।
बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल में बाल दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम जवाहरलाल नेहरू के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी गई। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित मौजूद रहे। उन्होंने अपने संबोधन ने बताया कि भारत में हर साल देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवंबर को बाल दिवस के तौर पर मनाया जाता है। पंडित नेहरू को बच्चों के प्रति बेहद प्रेम और स्नेह था। बच्चे भी उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहकर बुलाते थे। आज 14 नवंबर का दिन पंडित नेहरू के साथ-साथ बच्चों को भी समर्पित है। यह दिन देश में बच्चों के अधिकारों, स्वतंत्रता की रक्षा, उनके स्वास्थ्य व शिक्षा एवं कल्याण पर बात करने का है। बाल दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमें बच्चों का सम्मान करना चाहिए। आज के दिन हमें यह भी याद रखना चाहिए कि बच्चे केवल पढ़ाई ही नहीं बल्कि अन्य चीजों में आगे बढ़ें। बच्चों का मनोबल बढ़ाएं और उनकी हर छोटी-छोटी खुशियों में उनका साथ दें। अंत में यही कहूंगा कि बच्चों के बिना दुनिया अधूरी है। इस अवसर पर सुरेश बी. एन., सुचित्रा, चैत्रा, डॉ. राजीव, नंजुंडस्वामी, श्रीधर, वेंकटेश प्रसाद सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रकृति इवेंट्स द्वारा श्रीनगर स्थित सरकारी विद्यालय में बाल दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं अन्य। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा बच्चे राष्ट्र के भविष्य है उन्हें अच्छे संस्कारों से पोषित करें।

पर्यावरण और लोगों के जीवन से खिलवाड़ न करे सरकार: शोभा करंदलाजे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने चेतावनी दी है कि बेंगलूरु को विकास की जरूरत है, लेकिन हमारे पर्यावरण और लोगों के जीवन से खिलवाड़ न करें। कांग्रेस सरकार प्रकृति का विनाश कर रही है, झीलों को नुकसान पहुंचा रही है, अवैज्ञानिक फ्लाईओवर बना रही है और सैंकी झील के विनाश की ओर बढ़ रही है। इस झील के संरक्षण के लिए, मल्लेश्वरम में सैंकी झील के मुख्य द्वार के पास सरकारी अधिकारियों के साथ हस्ताक्षर संग्रह, अवलोकन और समीक्षा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने सुरंग सड़क की डीपीआर को अवैज्ञानिक बताया। एक ऐसी डीपीआर बनाई जानी चाहिए जो बेंगलूरु के अनुकूल हो। यहां पर्यावरण हमारे लिए महत्वपूर्ण है। बेंगलूरु को बगीचों का शहर, झीलों का शहर कहा जाता था। आज, राज्य सरकार ने कमीशन लेने और पैसा कमाने के लिए एक अवैज्ञानिक डीपीआर तैयार की है। हम इसका विरोध करेंगे। आप सैंकी टैंक, लालबाग, कब्बन पार्क को बर्बाद करने जा रहे हैं और

झीलों को डुबोने जा रहे हैं। झीलें पहले ही रियल एस्टेट घोटालों में पूरी तरह डूब चुकी हैं। आनन-फानन में डीपीआर बनाने की क्या जरूरत थी? उन्होंने पूछा कि किन विशेषज्ञों और किन टीमों ने इसका अध्ययन किया है। क्या पर्यावरण को होने वाले नुकसान पर कोई अध्ययन किया गया है? क्या संस्कृति और प्रदूषण पर पड़ने वाले प्रभाव पर कोई अध्ययन किया गया है? उन्होंने आपत्ति जताई कि बिना कुछ किए ही आनन-फानन में टेंडर बुलाए जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने कहा जब कांग्रेस जीती थी तब वोटों में हेराफेरी का कोई सवाल ही नहीं उठता। जब तेलंगाना जीता था तब भी वोटों में हेराफेरी नहीं हुई थी। जब हम जीते हैं तब ही वोटों में हेराफेरी का आरोप लग रहा है। यह कैसी राजनीति है। उन्होंने सिद्धरामैया से पूछा आप 135 सीटें कैसे जीत गए? राजनीति का राजनीति की तरह सामना करें, भागें नहीं। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए इसे हिट एंड रन का मामला बताया। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि बिहार की जनता ने कांग्रेस को साफ तौर पर नकार दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश से आए लोगों, मृत लोगों और दो नामों वाले लोगों के नाम रद्द कर दिए गए हैं। इसमें क्या गलत है? अगर कोई समस्या थी, तो क्या आपके एजेंट को उस समय सवाल नहीं उठाना चाहिए था? अब वोटों में हेराफेरी का आरोप लगा रहे हैं। आप कैसे कह सकते हैं कि ईवीएम सही नहीं हैं? अगर आप हारने के बाद यह बयान देंगे, तो कोई आप पर विश्वास नहीं करेगा। बेंगलूरु में टनल रोड प्रोजेक्ट के खिलाफ 'सेव सैंकी टैंक' हस्ताक्षर अभियान के दौरान भाजपा नेता सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि सरकार को सैंकी टैंक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरंग सड़क परियोजना का मार्ग बदलना चाहिए। उन्होंने कहा सुरंग परियोजना के लिए सार्वजनिक स्थान का इस्तेमाल किया गया है। हम स्पष्ट रूप से इसके खिलाफ हैं। हम सरकार से मार्ग बदलने की मांग करते हैं ताकि सैंकी टैंक सुरक्षित रहे। बेंगलूरु के लोग नहीं चाहते कि सुरंग के लिए सार्वजनिक स्थान का इस्तेमाल किया जाए। यह कोई तानाशाही शासन नहीं है। हम यहां केवल हस्ताक्षर एकत्र करने और पूरी परियोजना का निरीक्षण करने आए हैं। यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। कर्नाटक राज्य सरकार सुरंग सड़क को पैसा कमाने का व्यवसाय बना रही है। सरकार ने कोई सर्वेक्षण नहीं किया है। उन्हें 120 विभागों से अनुमति लेनी है। उन्होंने कोई अनुमति नहीं ली है। वे सुरंग सड़क के लिए तत्काल निविदा चाहते हैं, कमीशन लेते हैं, और इसे दिल्ली में कांग्रेस पार्टी को भेजते हैं। वह (डीके शिवकुमार) पैसा बनाने की जल्दी में हैं।

साध्वी पुण्ययशा जी का पिरामिड वैली में पदार्पण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
युगप्रधान शांतिदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशाजी राजराजेश्वरी नगर का चातुर्मासिक प्रवास संपन्न कर गुरुदेव की आज्ञानुसार हासन-चिक्कमगलूरु की ओर विहार कर रही हैं। विहार के क्रम में शुक्रवार को कनकपुरा स्थित पिरामिड वैली ध्यान केन्द्र में पधारीं। साध्वी श्री पुण्ययशाजी ने कहा बेंगलूरु आए तब से पिरामिड वेली आने की ओर ध्यान करने की इच्छा थी। आज यहां आने का अवसर बना। अन्दर प्रवेश करते ही अद्भुत शांति की अनुभूति हुई। जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म में प्राचीनकाल से ही ध्यान की परम्परा रही है।

यहां के वाइब्रेशन (ऊर्जा तरंगें), पिरामिड का प्रभाव एवं शांत वातावरण में ध्यान करने से गहराई में आसानी से जाया जा सकता। एकाग्रता भी लम्बे समय तक रह सकती है। ध्यान करने के पश्चात शरीर में एक विशेष प्रकार की ऊर्जा का अनुभव हुआ। आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति हुई। रास्ते की सेवा एवं पिरामिड वेली आने की योजना में जितेन्द्र घोषल और विक्रम दुगड़ परिवार का विशेष सहयोग रहा। विहार सेवा में राजराजेश्वरी नगर से सभा उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़, सुशील भंसाली छापर, हेमराज सेठिया, तेयुप से अध्यक्ष विक्रम महेर, महेश मांडोत, विपिन पितलिया, सौरभ दुगड़, विमल मरोठी, महिला मंडल से सरोज बाई सेठिया, विजयनगर से अनिल मांडोत, कैलाश नंगावत, दीपक नंगावत एवं अन्य श्रावक-श्राविका समाज ने सहभागिता दर्ज कराई।

सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर पनम्बुर सिग्नल के पास शनिवार सुबह चेन की टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। रिपोर्टों से पता चलता है कि पनम्बुर सिग्नल पर कई गाड़ियां रुकी हुई थीं। आगे एक टैंकर रुका हुआ था और उसके पीछे एक ऑटो-रिक्शा रुका हुआ था। पीछे से आ रहे एक और टैंकर ने ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ऑटो-रिक्शा आगे चल रही एक कार से और फिर आगे चल रहे एक अन्य टैंकर से टकरा गया। ऑटो-रिक्शा दोनों टैंकरों के बीच पूरी तरह से कुचल गया, जिससे रिक्शा चालक और दो यात्रियों की तुरंत मौत हो गई। शवों को शहर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। मेंगलूरु उत्तर यातायात पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच की।

बिहार में अभूतपूर्व जीत के बाद लंबित राज्यों के भाजपा अध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की अभूतपूर्व जीत के बाद, लंबित राज्यों के भाजपा अध्यक्षों की नियुक्ति शुरू हो गई है। बिहार में सरकार बनते ही और मंत्रिमंडल का बंटवारा होते ही, भाजपा के केंद्रीय नेता लंबित प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर देंगे। हालांकि, इससे पहले, यह पता चला है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होते ही कर्नाटक और उत्तर प्रदेश के भाजपा अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी जाएगी। वर्तमान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा का कार्यकाल समाप्त हुए कई महीने बीत चुके हैं। अब जबकि बिहार विधानसभा चुनाव समाप्त हो गए हैं, नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ-साथ कई राज्यों के अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए अपनी प्राथमिकताएं व्यक्त की हैं।

विशेष रूप से, कर्नाटक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने अध्यक्ष के रूप में दो वर्ष पूरे कर लिए हैं। पहले ऐसी अटकलें थीं कि वह अगले तीन वर्षों तक इस पद पर बने रहेंगे। चूंकि पार्टी में मिली-जुली राय थी, इसलिए शीर्ष नेतृत्व ने सभी को विश्वास में लिया। इसीलिए देरी हुई। कई राज्यों में अध्यक्षों की चयन प्रक्रिया, जो कई कारणों से स्थगित कर दी गई थी, चुनावों के मद्देनजर जल्द ही शुरू होने वाली है। राज्य भाजपा में विजयेंद्र गुट, विजयेंद्र विरोधी गुट और तटस्थ गुट के बीच संवादहीनता का गहरा अभाव था। इस वजह से, सार्वजनिक रूप से यह आरोप भी सुनने को मिले कि कमल पार्टी एक प्रभावी विपक्ष के रूप में काम नहीं कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जो कर्नाटक से कई रिपोर्ट लेकर आए हैं, ने कुछ दिन पहले वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र को फोन पर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं। उस समय, विजयेंद्र ने अमित शाह से कहा था कि वे गन्ना किसानों के दिन-रात के संघर्ष में किसानों के साथ हैं। विजयेंद्र ने दहाड़ते हुए कहा था कि वे किसानों को न्याय मिलने के बाद ही पद छोड़ेंगे। अंततः, सरकार ने गन्ना खरीद मूल्य में संशोधन किया। गन्ना किसानों के संघर्ष में विजयेंद्र की भूमिका की व्यापक रूप से प्रशंसा हुई। दिल्ली तक इस खबर के पहुंचने से विजयेंद्र विरोधी गुट को भी झटका लगा। मौजूदा जानकारी के अनुसार, विजयेंद्र खुद प्रदेश अध्यक्ष बने रहेंगे। कहा जा रहा है कि बिहार में सरकार गठन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दिल्ली से इसकी आधिकारिक घोषणा की जाएगी। बताया जा रहा है कि पार्टी आलाकमान का रुख पार्टी के उस तटस्थ धड़े को विश्वास में लेने का है, जो विजयेंद्र को प्रदेश भाजपा का पूर्ण अध्यक्ष चुनने का विरोध कर रहा है और नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर रहा है। केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना की नजर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद पर है। सोमन्ना ने भी आलाकमान को संदेश दिया है कि अगर उन्हें अध्यक्ष पद दिया जाता है तो वह केंद्रीय मंत्री का पद छोड़ने को तैयार हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता सी.टी. रवि, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. अश्वथनारायण, अरविंद लिंबावली, पूर्व मंत्री सुनील कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे पार्टी की अनुमति मिलने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का पद संभालने के इच्छुक बताए जा रहे हैं। भाजपा आलाकमान ने इन सभी नामों पर विचार किया है और मौजूदा हालात में, दिल्ली आलाकमान का मानना है कि शक्तिशाली लिंगायत समुदाय से ताल्लुक रखने वाले और पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा का आशीर्वाद प्राप्त विजयेंद्र ही सही विकल्प हैं। अगर विजयेंद्र को अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है, तो वे असंतुष्ट धड़े और तटस्थ धड़े को पार्टी में अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने की संभावना पर भी विचार कर रहे हैं।

बिहार में सरकारी पैसे से वोट खरीदकर एनडीए ने जीत हासिल की: गुंडू राव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने गंभीर आरोप लगाया है कि एनडीए ने बिहार विधानसभा चुनाव सरकारी पैसे से वोट खरीदकर जीता है। पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने भाजपा और उसके सहयोगियों को हर संभव सहयोग देने के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग की कड़ी आलोचना की। चुनावों की घोषणा से चार दिन पहले, प्रत्येक महिला के खाते में 10,000 रुपये जमा किए गए हैं। उन्होंने आलोचना की कि सरकार ने पैसे से वोट खरीदने की अनुमति दी है। विभिन्न राज्य चुनावों के दौरान ऐसा करना शुरू कर सकते हैं। चुनाव नजदीक आने पर, वे किसी योजना की घोषणा कर सकते हैं और 10,20,30 हजार रुपये जैसी धनराशि जमा कर सकते हैं। अगर वे ऐसा करते हैं, तो चुनाव निष्पक्ष कैसे होंगे? बिहार के सकल घरेलू उत्पाद का 2.7 प्रतिशत चुनाव से पहले मतदाताओं के खातों में जमा किया गया था। आयोग ने ऐसा क्यों किया? उसने इस पर कोई सवाल नहीं उठाया। बिना किसी आधार और बिना किसी निर्देश के एक योजना के तहत पैसा दिया गया। इसके लिए चुनाव की तारीख को समायोजित किया गया। उन्होंने कहा कि अगर कोई राजनीतिक दल जनता के पैसे से वोट खरीदता है, तो इसे किस तरह की नैतिकता कहा जा सकता है। 75 लाख परिवारों को 10-10 हजार रुपये दिए गए हैं। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की एक अलग ही छवि है। हालांकि, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हर तरह के हथकंडे अपनाए हैं। हमारी नाकामी भी हार का कारण है। हमें अपनी गलतियों पर भी बात करनी होगी। महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर आखिरी चरण तक असमंजस की स्थिति रही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चुनाव के मुद्दे पर सही समय पर फैसला नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि काम के सिलसिले में दूसरे राज्यों में वोट मांगने गए लोगों को वापस लाने के लिए विशेष ट्रेनों समेत कई सुविधाएं प्रदान की गईं। उत्तर भारत में हिंदुत्व के आधार पर वोट बंटते हैं। लेकिन दक्षिण भारत में ऐसा नहीं होता। लेकिन भाजपा को ज्यादा वोट मिले हैं। इसलिए, उन्होंने कहा कि बिहार में जीतना संभव था। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का दिल्ली दौरा पहले से तय था। उन्होंने कहा कि नवंबर क्रांति का बिहार चुनाव से कोई संबंध नहीं है। राजनीतिक क्रांति एक सिद्धांतहीन अफवाह है।

सहकारी समितियां ग्रामीण भारत की रीढ़ हैं: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि सहकारी क्षेत्र के लिए जवाहरलाल नेहरू के दृष्टिकोण और प्रोत्साहन ने ग्रामीण भारत की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

72वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का शुभारंभ करते हुए और इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सहकार रत्न पुरस्कार प्रदान करते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सहकारी आंदोलन देश भर के लाखों परिवारों की आर्थिक रीढ़ बन गया है। सहकारिता क्षेत्र में कर्नाटक के दीर्घकालिक नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि एशिया का पहला सहकारी बैंक राज्य में स्थापित किया गया था। उन्होंने कहा यही कारण है कि कर्नाटक को अक्सर भारत की सहकारी राजधानी कहा जाता है। सिद्धरामैया ने नेहरू के इस विश्वास को याद किया कि एक गांव तभी विकसित हो सकता है जब वहां एक स्कूल, एक सहकारी समिति और एक अस्पताल हो। नेहरू और महात्मा गांधी दोनों ने इसी दृष्टिकोण से सहकारी आंदोलन को मजबूत किया। मुख्यमंत्री ने कर्नाटक की दुग्ध सहकारी समितियों की सफलता की सराहना की और कहा कि राज्य का वार्षिक कारोबार 25,000 करोड़ है और प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध का उत्पादन होता है। उन्होंने कहा कि सहकारी मॉडल ने किसानों को सीधे उत्पादक संघों को दूध की आपूर्ति करने, बिचौलियों को खत्म करने और बेहतर आय सुनिश्चित करने में सक्षम बनाया है। उन्होंने कहा सहकारिताओं ने न केवल कृषि बल्कि कई अन्य क्षेत्रों में भी नई जान फूंक दी है। उन्होंने आगे कहा कि इस आंदोलन ने अनगिनत ग्रामीण परिवारों का उत्थान किया है। सिद्धरामैया ने डेयरी किसानों को समर्थन देने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री के रूप में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान, मैंने दूध प्रोत्साहन राशि को बढ़ाकर 3 प्रति लीटर कर दिया था। अब हमने इसे बढ़ाकर 5 प्रति लीटर कर दिया है। सरकार हर दिन किसानों के बैंक खातों में सीधे 5 करोड़ की सब्सिडी देती है। उन्होंने कहा कि इससे कर्नाटक भर के लगभग 40 लाख किसानों को लाभ होता है। उन्होंने इस उपलब्धि में भूमिका निभाने के लिए कर्नाटक दुग्ध संघ को श्रेय दिया।

पर्यावरणविद् सालू मरदा तिमक्का का राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पदश्री पुरस्कार से सम्मानित पर्यावरणविद् सालू मरदा तिमक्का का अंतिम संस्कार शनिवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ बेंगलूरु में ज्ञानभारती विश्वविद्यालय के निकट कलाग्राम में किया गया। सालू मरदा तिमक्का का शुक्रवार को लंबी बीमारी के बाद एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके पार्थिव शरीर को उनके गृहनगर बेलूर ले जाया गया और उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था की गई। बाद में, शनिवार सुबह बेंगलूरु के रवींद्र कलाक्षेत्र में उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था की गई। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, वन मंत्री ईश्वर खंड्रे, केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना, मंत्री शोभा करंदलाजे, विपक्ष के नेता आर. अशोक, पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष पी.एम. नरेंद्र स्वामी और कई अन्य लोगों ने पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार के स्थान को लेकर शुक्रवार को कुछ भ्रम की स्थिति थी। सालू मरदा तिमक्का के रिश्तेदारों ने जोर देकर कहा कि उनका अंतिम संस्कार मगदी तालुक के हुलिकल गांव में उनके पति की कब्र के बगल में किया जाए, जहां वे रहती थीं। मगदी विधानसभा क्षेत्र के विधायक एच.सी. बालकृष्ण ने कहा कि वे परिजनों से चर्चा करेंगे और सरकार को आपकी राय से अवगत कराएंगे। लेकिन सरकार तिमक्का के अंतिम संस्कार पर निर्णय लेगी। उन्होंने अनावश्यक हंगामा और भ्रम पैदा न करने की सलाह दी। तिमक्का के पालक पुत्र उमेश ने अपनी दादी के निधन से पहले ही अपनी वसीयत में सभी विवरण लिख दिए थे, जिसमें यह भी शामिल था कि उनका अंतिम संस्कार कहां और कैसे किया जाए। गृह मंत्री परमेश्वर शुक्रवार रात मलेशिया से लौटे और उन्होंने कहा कि वे सरकार के साथ स्थान पर चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे। परमेश्वर ने कहा कि पदश्री पुरस्कार विजेता सालू मरदा तिमक्का ने एक नई मिसाल कायम की है। वे परिवार के बेहद करीब थे। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जाने से एक अपूरणीय क्षति हुई है। परमेश्वर ने उनके शोकाकुल पालक पुत्र को गले लगाकर सांत्वना दी। आर. अशोक ने कहा कि सालू मरदा तिमक्का इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई है। तिमक्का का जीवन विश्वविद्यालयों में पहले से ही पाठ्यक्रम का हिस्सा है। उन्होंने आग्रह किया कि स्कूली बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए तिमक्का के जीवन को स्कूलों के पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जाना चाहिए। मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि एक गरीब परिवार में जन्मी तिमक्का ने राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में उन्हें पदश्री से सम्मानित करके उन्हें विश्व प्रसिद्ध बनाया। मंत्री सोमन्ना ने कामना की कि तिमक्का अपने सद्कर्मों के कारण शतायु हों। उनका पुनर्जन्म हो। राज्य और देश में ऐसे लोगों की संख्या बढ़े। बेंगलूरु शहर के जिलाधिकारी ने तिमक्का के पार्थिव शरीर पर राष्ट्रीय ध्वज लपेटा। बाद में, पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। आदिचुंचनगिरी मठ के प्रमुख डॉ. श्री निर्मलानंदनाथ महा स्वामीजी ने कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि पर्यावरण प्रेमी सालूमरदा तिमक्का, जिन्हें वृक्षा माता के नाम से जाना जाता था, अब हमारे बीच नहीं रहीं। सालूमरदा तिमक्का के नाम से जनमानस में अमिट जगह बनाने वाले तिमक्का ने गरीबी की तपती धूप में भी आदर्श जीवन जिया और ढलानों पर एक सार्थक जीवन जिया। अपने शोक संदेश में उन्होंने कहा कि उन्होंने सड़क किनारे तीन सौ से ज्यादा छायादार पेड़ लगाना और बच्चों की तरह उनकी देखभाल करना अपना परम कर्तव्य समझा और इस तरह अपने लोगों को सार्थक बनाया। साक्षरता से वंचित तिमक्का ने किसी प्रचार या पुरस्कार के लिए सड़क किनारे पेड़ों की कतारें नहीं लगाईं। हालांकि, उनके इस काम ने उन्हें राज्य और देश के सर्वोच्च पुरस्कार दिलाए। तिमक्का अब स्कूली किताबों में बच्चों के लिए एक पाठ हैं। स्वामीजी ने बताया कि देश-विदेश में पर्यावरण अध्ययन का उनके नाम पर होना उनके पर्यावरण प्रेम का प्रमाण है। पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान को देखते हुए, महा संस्थान मठ ने उन्हें वर्ष 2016 का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया है। ऐसे प्रख्यात तिमक्का के निधन से समाज ने एक पर्यावरण प्रेमी और पर्यावरण रक्षक खो दिया है, और राष्ट्र को भी भारी क्षति हुई है।

अधिकारियों को बहु-ग्राम पेयजल आपूर्ति परियोजना पर काम में तेजी लाने का निर्देश

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भुवनेश पाटिल ने अधिकारियों को जिले में बहु-ग्राम पेयजल आपूर्ति परियोजना के कार्य में तेजी लाने और समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। धारवाड़ जिले के 388 गांवों को पेयजल आपूर्ति करने वाली यह परियोजना डीबीओटी (डिजाइन, निर्माण, संचालन, हस्तांतरण) मोड में क्रियान्वित की जा रही है। भुवनेश पाटिल ने कार्य की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सौंदत्ती स्थित विद्युत उप-केंद्र और परियोजना के अंतर्गत हिरेउलीगेरी गांव में निर्माणाधीन जल उपचार संयंत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने चल रहे कार्यों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने और समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को कच्चे पानी की लाइन का शेष कार्य सात दिनों के भीतर और जल उपचार संयंत्र का कार्य एक महीने के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। रेणुकासागर जलाशय से सीधे पानी पंप करने और जल उपचार इकाई के कुछ हिस्सों का निर्माण कार्य चल रहा है। पाटिल ने सौंदत्ती स्थित विद्युत वितरण उपकेंद्र का दौरा किया और जलापूर्ति परियोजना से संबंधित पारेषण लाइन के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और अगले एक महीने में कम से कम 50 गांवों में जलापूर्ति का परीक्षण करने के निर्देश दिए। पाटिल के साथ वरिष्ठ अधिकारी और ठेकेदारों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

बेंगलूरु सुरक्षित शहर परियोजना अंतर-राज्यीय अपराधों का पता लगाने में करती है मदद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत स्थापित अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम, कई राज्यों में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए मूक, फिर भी शक्तिशाली उपकरण बन गए हैं। उन्नत सीसीटीवी कैमरा नेटवर्क, एआई-सक्षम वीडियो एनालिटिक्स और स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) क्षमताओं के साथ, इस परियोजना ने अंतर-राज्यीय अपराध का पता लगाने में मदद की है। इसके मुख्य घटकों में उच्च-रिजॉल्यूशन निगरानी कैमरे, रीयल-टाइम निगरानी विकल्प, एएनपीआर-आधारित वाहन ट्रैकिंग, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और डेटा एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इसकी प्रभावशीलता के सबसे उल्लेखनीय उदाहरणों में से एक में, महाराष्ट्र पुलिस ने हाल ही में बेंगलूरु के विशाल एआई-संचालित सीसीटीवी कैमरा नेटवर्क की सहायता से एक हत्या के मामले को सुलझाया। जब बेंगलूरु के ऐतिहासिक एएनपीआर डेटा से यह सफलता मिली, तो जांचकर्ताओं के पास सुराग के रूप में केवल तीन वाहन नंबर थे, जिसमें दिखाया गया था कि वाहन आठ निगरानी वाले स्थानों से गुजर रहे थे। फिर प्रमुख चौराहों पर रीयल-टाइम अलर्ट सक्रिय किए गए, जिससे समन्वित ट्रैकिंग संभव हुई। निरंतर लाइव निगरानी के माध्यम से, महाराष्ट्र और बेंगलूरु की पुलिस टीमों ने वाहनों के साथ चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया। चेन स्नैचिंग की बढ़ती घटनाओं से जूझ रही मैसूरु पुलिस को भी सेफ सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर का फायदा मिला। बेंगलूरु के एएनपीआर विश्लेषण से पता चला कि एक संदिग्ध व्यक्ति फूड डिलीवरी कर्मचारी के वेश में एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर वाली दो मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल कर रहा था। सिस्टम ने संदिग्ध के हेलमेट, पोशाक और डिलीवरी बैग के स्पष्ट अलर्ट रिकॉर्ड किए, जिससे मैसूरु पुलिस बेंगलूरु में आरोपी की पहचान और पता लगाने में सक्षम हुई। आरोपी अपराध करने के बाद बेंगलूरु चला गया था। एक अन्य अंतर-राज्यीय सहयोग में, तेलंगाना पुलिस डुप्लिकेट नंबर प्लेट का उपयोग करके धोखाधड़ी की गतिविधियों में शामिल एक आरोपी की तलाश कर रही थी। बेंगलूरु के एएनपीआर प्लेटफॉर्म ने बताया कि शहर के अलग-अलग इलाकों में दो अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर दिखाई दे रहा था। इस अलर्ट पर कार्रवाई करते हुए, तेलंगाना पुलिस ने बेंगलूरु में संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया। कार चोरी के एक मामले की जांच कर रही केरल पुलिस ने भी इस परियोजना की क्षमताओं पर भरोसा किया। एएनपीआर प्रणाली ने बेंगलूरु में कई जगहों पर चोरी हुए वाहन का पता लगाया और मैसूरु की ओर उसकी गतिविधि पर नजर रखी। इस जानकारी का इस्तेमाल करते हुए, केरल पुलिस ने चोरी हुए वाहन के साथ संदिग्ध का सफलतापूर्वक पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

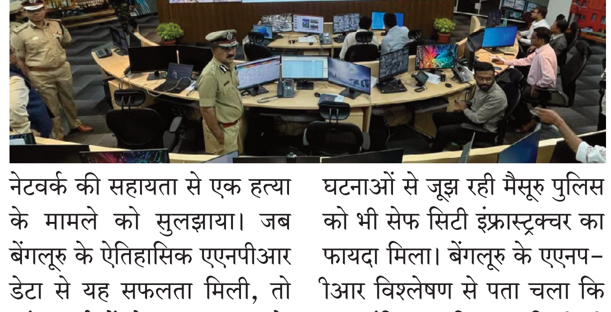

मतदान में धांधली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य युवा कांग्रेस ने शनिवार को मतदान में धांधली के खिलाफ फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब, केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य जीसी चंद्रशेखर, मंत्री संतोष लाड, विधान परिषद के मुख्य सचेतक सलीम अहमद, राज्य युवा कांग्रेस के अध्यक्ष एचएस मंजूनाथ गौड़ा, अखिल भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के महासचिव निगम भंडारी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष, केपीसीसी पदाधिकारी और युवा कांग्रेस के पदाधिकारी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

ये बिहार के विकास के प्रति ललक

बिहार ने जातिवादी राजनीति को नकार दिया : मोदी

सूरत,15 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के सूरत का दौरा किया। इस दौरान एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बिहार का ऐतिहासिक विजय हुआ हो, और अगर हम सूरत से आगे जा रहे हों और बिहार के लोगों से मिले बिना जाएं, तो लगता है यात्रा अधूरी रह गई है। इस दौरान उन्होंने गुजरात में रहने वाले बिहार के लोगों का अभिवादन किया। पीएम मोदी ने कहा गुजरात में रहने वाले और खासकर सूरत में रहने वाले मेरे बिहारी भाइयों का हक बनता है, और इसलिए मेरी स्वाभाविक जिम्मेदारी भी बनती है कि आप लोगों के बीच आकर के इस विजयोत्सव के कुछ पल का मैं भी हिस्सा बनूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार के लोगों का राजनीति नहीं समझानी पड़ती है। बिहार के लोग दुनिया को राजनीति समझाते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार ने जातिवादी राजनीति को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार आज दुनिया भर में छाया हुआ है। आप दुनिया में कहीं भी जाइए, बिहार का टैलेंट आपको नजर आएगा। आप भी जानते हैं और बिहार के लोग भी जानते हैं कि हम वो पार्टी हैं जब आपने हमें गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में भी काम दिया था तब भी हमारा एक मंत्र था कि भारत के विकास के लिए गुजरात का विकास। हमारी मूलभूत सोच रही है- नेशन फर्स्ट। पीएम मोदी ने कहा पिछले दो साल से ये जमानती नेता बिहार में जाकर जातिवाद-जातिवाद का भाषण दे रहे थे। जितनी ताकत थी उन्होंने जातिवाद का जहर फैलाने की कोशिश की। लेकिन बिहार के इस चुनाव ने जातिवाद के इस जहर को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा यही मंत्र हमारे लिए हिंदुस्तान का हर कोना, हिंदुस्तान का हर राज्य, हर भाषा-भाषी नागरिक ये हमारे लिए पूजनीय है, वंदनीय है। इसलिए बिहार का भी गौरव करना, बिहार के सामर्थ्य को स्वीकार करना, ये हमारे लिए बहुत सहज बात है। उन्होंने कहा इस चुनाव में एनडीए गठबंधन जो विजयी

हुआ है और महागठबंधन जो पराजित हुआ है। दोनों के बीच 10 प्रतिशत वोट का फर्क है, ये बहुत बड़ी बात है। यानी, सामान्य मतदाता ने एकतरफा मतदान किया, ये बिहार के विकास के प्रति ललक है। उन्होंने कहा कि महिला-युवा एक ऐसा माई कॉम्बिनेशन बना है, जिसने आने वाले दशकों की राजनीति का नींव मजबूत कर दी है। प्रधानमंत्री ने कहा ये देश मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस को अस्वीकार कर चुका है। कांग्रेस पार्टी में जो राष्ट्रीय विचारों से पले-बढ़े लोग हैं, ऐसे कांग्रेस का बहुत बड़ा वर्ग, नामदार के हरकतों से दुखी है। कांग्रेस को अब कोई बचा नहीं सकता है, ऐसी हालत हो गई है। इसी बीच पीएम मोदी प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत बने एक लाख घरों के गृह प्रवेश कार्यक्रम में भी शामिल। इसके बाद धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, डेडियापाड़ा और सागबारा का एक क्षेत्र कबीर की शिक्षाओं से प्रेरित है। मैं संत कबीर की भूमि वाराणसी से सांसद हूं। इसलिए, यह स्वाभाविक है कि संत कबीर का मेरे जीवन में एक विशेष स्थान है। मैं उन्हें इस मंच से नमन करता हूं। हमने यहां एक लाख परिवारों को पक्के घर दिए गए। एकलव्य मॉडल स्कूलों का शिलान्यास किया गया। ऐसा कई सारी कल्याण योजनाओं के लिए जनजातीय परिवारों को बहुत बधाई। पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासियों ने हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान दिया, लेकिन कांग्रेस ने 60 साल के शासन में आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा पहले बिरसा मुंडा को याद नहीं किया जाता था। हमने तय कि हमारी अगली पीढ़ी को पता चले कि बिरसा मुंडा ने हमारे लिए क्या किया है। इसलिए हमने देश में कई जनजातीय संग्रहालय बनाए जा रहे हैं। मैं छत्तीसगढ़ गया था वहां मैंने शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय का शिलान्यास किया। नरेंद्र मोदी ने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन महाकाल, अयोध्या का राम मंदिर और केदारनाथ धाम की चर्चा अक्सर होती रहती है। पिछले 10 वर्षों में ऐसे कई धार्मिक और ऐतिहासिक धामों का विकास हुआ है। लेकिन बहुत कम लोग जानते होंगे कि 2003 में जब मैं मुख्यमंत्री के तौर पर डेडियापाड़ा आया था, तो मां के चरणों में प्रार्थना करने गया था। उस समय मैंने देखा कि उसकी हालत एक छोटी सी झोपड़ी जैसी थी। मेरे जीवन में जितने भी पुनर्निर्माण कार्य हुए हैं, मैं गर्व से कह सकता हूं कि उन सबकी शुरुआत देवमोगरा माता के मंदिर के विकास से हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि आदिवासी कल्याण भाजपा की प्राथमिकता है। हमने ये परेशानी खत्म करने का फैसला लिया है। 1947 में देश आजाद हुआ, लेकिन उनकी स्थिति में सुधार नहीं किया गया। आदिवासी समाज का नाम भगवान राम से भी जुड़ा है। लेकिन कांग्रेस ने इनके विकास के लिए कुछ नहीं किया। पहली बार जब अटल जी प्रधानमंत्री बने, तब आदिवासियों के लिए अलग मंत्रालय बनाया गया। कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में इस मंत्रालय को भी भुला दिया था।

राजस्थान के गांव में नशे की गुप्त लैब सैकड़ों किलोग्राम केमिकल जब्त

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)।
केंद्र सरकार के नशीले पदार्थों के प्रति जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और राजस्थान पुलिस ने राजस्थान के सिरोही जिले के एक सुदूर गांव में एक गुप्त लैब का भंडाफोड़ किया है। सैकड़ों किलोग्राम केमिकल जब्त किए गए हैं, जो लगभग 100 किलोग्राम मेफेड्रोन बनाने के लिए पर्याप्त थे। इनकी अनुमानित बाजार कीमत 40 करोड़ रुपये है। लैब के मास्टरमाइंड और 4 अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों में मेफेड्रोन का इस्तेमाल साइकोट्रोपिक ड्रग्स के तौर पर तेजी से बढ़ रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने राजस्थान में, विशेष रूप से जिला पुलिस को संवेदनशील बनाने के लिए मासिक जिला स्तरीय एनसीओआरडी तंत्र का इस्तेमाल करते हुए कई बैठकें की। राज्य पुलिस को इस विषय के प्रति जागरूक किया गया और उन्होंने रसायनों और प्रयोगशाला उपकरणों से भरे ड्रम की उपस्थिति की सूचना एनसीबी के स्थानीय कार्यालय को दी। ये संभावना जतायी गई कि ऐसी जगह मेफेड्रोन जैसी सिंथेटिक दवाओं के निर्माण का एक गुप्त केंद्र हो सकती है। एनसीबी ने देशभर की जिला पुलिस के साथ गुप्त लैब्स की उपस्थिति के बारे में जानकारी साझा की। इनमें, ढकी हुई या काली खिड़कियां, अत्यधिक वेंटिलेशन, डक्टिंग, दीवारों, फर्श, इमारतों या शेड्स पर धातु के क्षरण या रासायनिक दाग के निशान, जो पहले आवासीय थे, लेकिन प्रयोगशालाओं के रूप में उपयोग किए जाते थे, असामान्य स्थानों पर रसायनों या उपकरणों का भंडारण आदि, शामिल हैं। ऐसे ही एक मामले में, राजस्थान की सिरोही पुलिस को 6 नवंबर को सिरोही के धनत्राई गांव में एक फार्म हाउस में लैब उपकरणों के साथ-साथ रसायनों से भरे ड्रम और पैकेट मिले। पुलिस ने तुरंत यह जानकारी एनसीबी, जोधपुर को दी, जिसके बाद अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें एक गुप्त प्रयोगशाला के संकेत मिले। वहां सैकड़ों किलोग्राम रसायन मिले जो लगभग 100 किलोग्राम मेफेड्रोन बनाने के लिए पर्याप्त थे। इसकी अनुमानित बाजार कीमत 40 करोड़ रुपये है। राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर की टीम को निरीक्षण के लिए बुलाया गया। उन्होंने घटनास्थल से बरामद प्रयोगशाला उपकरणों में इस्तेमाल किए जा रहे अग्रिम पदार्थों की मौजूदगी की पुष्टि की है। मामले की जांच के दौरान, लैब चलाने वाले लोगों की पहचान की गई और उनमें से पांच को राजस्थान पुलिस की सहायता से एनसीबी, जोधपुर द्वारा राजस्थान और गुजरात के विभिन्न हिस्सों से गिरफ्तार किया गया। जांच के बाद मास्टरमाइंड, वाला राम, निवासी जिला - जालौर, राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में पता चला कि वह स्नातक है और सिविल सेवा परीक्षा सहित विभिन्न परीक्षाओं में असफल होने के बाद, उसने जल्दी पैसा कमाने के लिए मेफेड्रोन निर्माण का व्यवसाय शुरू कर दिया।

श्रीमाली ब्राह्मण चेरिटेबल ट्रस्ट के महालक्ष्मी मंदिर निर्माण हेतु पंडित मनोजजी त्रिवेदी बने आजीवन ट्रस्टी

ट्रस्ट पदाधिकारियों ने हैदराबाद पहुंचकर किया सम्मान, प्राप्त की सहयोग राशि

हैदराबाद, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीमाली ब्राह्मण चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बैंगलोर में बनने वाले श्री महालक्ष्मीजी के भव्य मंदिर हेतु गठित ट्रस्ट में आजीवन ट्रस्टी बनकर महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए श्रीमान पंडित मनोजजी त्रिवेदी-सुपुत्र स्वर्गीय पंडित मधुसूदन जी शास्त्री, हैदराबाद (मूल रूप से मरुधर-सोजत सिटी)-का हार्दिक सम्मान किया गया।ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री कैलाशजी शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री मुकेशजी दवे तथा मितेशजी जोशी हैदराबाद पहुंचे और पंडित मनोजजी त्रिवेदी का सम्मान कर मंदिर निर्माण हेतु सहयोग राशि प्राप्त की।

श्रीमाली ब्राह्मण चेरिटेबल ट्रस्ट ने उनके अमूल्य सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज सेवा में उनकी सक्रियता सराहनीय है। ट्रस्ट ने माता महालक्ष्मीजी से प्रार्थना की कि वे पंडित मनोजजी त्रिवेदी के परिवार की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करें और उन्हें समाज सेवा में सदैव अग्रणी बनाए रखें।

दिमागी बुखार के खतरे के बीच

सबरीमाला जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए केरल सरकार ने जारी की एडवाइजरी

केरल,15 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को सबरीमाला जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा गया है कि नदी में नहाते समय नाक पानी में न जाए। राज्य में हाल ही में अमीबिक मेनिंगोएंसेफेलाइटिस (दिमागी बुखार) के मामले सामने आए हैं। इसी बीच सबरीमाला की सालाना यात्रा 17 नवंबर से शुरू हो रही है। विभाग ने कहा कि जिन श्रद्धालुओं का उपचार चल रहा है, वे यात्रा के दौरान अपने चिकित्सा दस्तावेज और दवाइयां साथ रखें। इसमें यह भी कहा गया कि जो लोग रोजाना दवाइयां लेते हैं, उन्हें यात्रा के दौरान दवाइयां बंद नहीं करनी चाहिए। एडवाइजरी में कहा गया है कि नदी में नहने वाले श्रद्धालु ध्यान रखें कि पानी उनकी नाक में बिल्कुल न जाए। हालांकि, एडवाइजरी में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि नदी में नहाते समय सावधानी क्यों जरूरी है। लेकिन हाल ही में केरल में दिमागी बुखार के कई मामले सामने आने पर ऐसी ही हिदायत दी गई थी। यात्रा शुरू होने से पहले श्रद्धालुओं को टहलने जैसा हल्का

व्यायाम करने की सलाह दी गई है, ताकि चढ़ाई करते समय उन्हें ज्यादा थकान न हो। श्रद्धालुओं से कहा गया है कि वे धीरे-धीरे चढ़ें, बीच-बीच में आराम करें और अगर थकान, सीने में दर्द, सांस फूलना या कमजोरी महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर की मदद लें। आपातकाल की स्थिति में 04735 203232 पर संपर्क किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि श्रद्धालु केवल उबला हुआ पानी ही पिएं, खाने से पहले हाथ धोएं, धुले हुए फल खाएं और बासी या खुले में रखे भोजन से बचें। खुले में शौच पूरी तरह मना है। श्रद्धालुओं को शौचालय का ही इस्तेमाल करना चाहिए औबद में हाथ अच्छी तरह धोने चाहिए। कचरा केवल तय जगहों पर ही फेंका जाए। अगर किसी को सांप काट ले, तो सलाह है कि वह तुरंत चिकित्सा सहायता ले। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टर और प्रशिक्षित स्वयंसेवी स्वास्थ्यकर्मियों को यात्रा मार्गों पर तैनात किया गया है। पंपा में 24 घंटे काम करने वाला नियंत्रण केंद्र बनाया गया है। उन्होंने कहा जो भी यात्री चढ़ाई के दौरान किसी तरह की परेशानी महसूस करें, उन्हें तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में उपचार लेना चाहिए। जानकारी देने वाले सामग्री मलयालम, अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ सहित कई भाषाओं में तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के सहयोग से पूरी तरह चिकित्सा सुविधाएं तैयार की गई हैं। पंपा से सन्निधानम तक मार्ग में आपातकालीन चिकित्सा केंद्र स्थापित किए गए हैं और कोन्नी मेडिकल कॉलेज को बेस अस्पताल बनाया गया है। पथानामथिट्टाअस्पताल में आपातकालीन कार्डियोलॉजी सुविधा शुरू कर दी गई है।

लाल किले के पास धमाका मामले में बंगाल के उत्तर दिनाजपुर से एमबीबीएस छात्र गिरफ्तार

कोलकाता,15 नवंबर (एजेंसियां)। हाल ही में दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके के मामले में एनआईए ने जांच तेज कर दी है। इसके तहत जांच एजेंसी ने पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर से एक एमबीबीएस छात्र जानिसुर उर्फ निसार आलम को आतंक संगठनों से कथित संबंधों के शक के आधार पर गिरफ्तार किया है। निसार हरियाणा की अल-फला यूनिवर्सिटी का छात्र है और लुधियाना में रहता है। उसका पैतृक घर दलखोला के पास कोनाल गांव में है। जानकारी के अनुसार, निसार को शुक्रवार सुबह सूरजपुर बाजार से तब पकड़ा गया जब वह परिवार में शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहा था। अधिकारियों ने उसके मोबाइल लोकेशन डेटा के आधार पर उसकी गतिविधियों पर नजर रखी थी। सूत्रों ने बताया कि उसे हाल ही में दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके के सिलसिले में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। हालांकि एनआईए ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि निसार का धमाके से सीधे तौर पर क्या संबंध है। जांच एजेंसी ने उसके पास से डिजिटल डिवाइस और दस्तावेज भी बरामद किए हैं। पूछताछ के दौरान निसार ने भागने की कोशिश भी की, जिसके बाद उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। उसे आगे की जांच के लिए सिलीगुड़ी ले जाया जा रहा है। उधर, निसार की गिरफ्तारी पर उसके परिवार के लोगों ने प्रतिक्रिया दी है। निसार के रिश्तेदारों का कहना है कि वह शांत स्वभाव का, पढ़ाई में डूबा रहने वाला लड़का है और किसी गलत गतिविधि से उसका कोई संबंध नहीं हो सकता। गौरतलब है कि बीते 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के पास एक जोरदार बम धमाका हुआ। इस धमाके में 13 लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद एनआईए लगातार अलग-अलग जगहों पर जांच कर रही है। इसी सिलसिले में एजेंसी ने हाल ही में मुर्शिदाबाद के निवासी मोइनुल हसन के घर पर भी छापा मारा था, जिसके दिल्ली और मुंबई में कुछ संदिग्ध संपर्कों की जांच चल रही है। एनआईए ने अभी तक निसार पर लगे आरोपों या सबूतों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

आधार कार्ड पहचान साबित करने के लिए है, नागरिकता साबित करने के लिए नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को साफ कर दिया है कि आधार कार्ड को केवल पहचान साबित करने

के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, नागरिकता साबित करने के लिए नहीं। बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष संशोधन को लेकर उठी कानूनी बहस के बीच आयोग ने यह स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि इस संबंध में जरूरी निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आधार की कानूनी सीमाओं पर न्यायालय पहले ही स्पष्ट राय दे चुका है। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 8 सितंबर को ही स्पष्ट कर दिया था कि मतदाता सूची के अद्यतन के दौरान आधार कार्ड का उपयोग केवल पहचान स्थापित करने के लिए किया जा सकता है। इसके आधार पर आयोग ने 9 सितंबर 2025 को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को निर्देश जारी किए थे कि आधार को नागरिकता प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया निर्वाचन सूची में नाम जोड़ने या हटाने के दौरान पालन की जानी अनिवार्य है। यह जवाब उस इंटरलोक्यूटरी आवेदन पर दिया गया, जिसमें अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने मांग की थी कि आधार का उपयोग केवल पहचान प्रमाण और प्रमाणिकरण के लिए ही सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा था कि यह प्रक्रिया कानूनी धाराओं की भावना के अनुरूप ही होनी चाहिए। आयोग ने अदालत को आश्वस्त किया कि उसके सभी मौजूदा निर्देश इसी प्रावधान का पालन करते हैं। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा कि यूआईडीएआई ने अगस्त 2023 में जारी कार्यालय ज्ञापन में स्पष्ट कर दिया था कि आधार कार्ड ना तो नागरिकता का प्रमाण है, ना निवास का और ना ही जन्मतिथि का। आयोग ने कहा कि इसी जच् का हवाला बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी दिया था, जिसमें कहा गया था कि जन्मतिथि साबित करने की जिम्मेदारी आधार धारक पर ही रहती है। आयोग ने बताया कि अदालत के आदेश और यूआईडीएआई दोनों ही स्पष्ट रूप से यह तय करते हैं कि आधार को सीमित भूमिका में ही इस्तेमाल किया जा सकता है। चुनाव आयोग ने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी कहा था कि आधार नागरिकता या डोमिसाइल का प्रमाण नहीं है। अदालत ने 7 अक्टूबर को उपाध्याय की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए यह देखते हुए कहा था कि इस मुद्दे पर अदालत की स्थिति पहले से स्पष्ट है। आयोग का कहना है कि वही कानूनी स्थिति उसके प्रशासनिक आदेशों में भी लागू की गई है। उपाध्याय की मुख्य याचिका पूरे देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की नियमित प्रक्रिया लागू करने की मांग से संबंधित है। आयोग का कहना है कि बिहार में जारी संशोधन के दौरान आधार कार्ड की भूमिका को लेकर किसी भी भ्रम को दूर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल कभी भी भाजपा को नहीं करेगा स्वीकार : सांसद सागरिका घोष

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद सागरिका घोष ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल कभी भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को स्वीकार नहीं करेगा। उनकी यह टिप्पणी तब सामने आई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के अगले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगी। सागरिका घोष ने यह भी कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी जैसी नेता हैं, जो हमेशा लोगों के बीच रहती हैं और वह हवाई जहाज वाली नेता नहीं हैं। टीएमसी सांसद ने कहा मैं नरेंद्र मोदी को कुछ हकीकत बताना चाहती हूं। उन्होंने बंगाल को जीतने की बात कही, जैसे बंगाल कोई जमीन का टुकड़ा हो, जिसे मोदी अपने बायोडाटा में जोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले बंगाल कभी भी मोदी और भाजपा की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगा। आप पैसे देंगे, लोगों को बांटेंगे, डर दिखाएंगे, हिंसा करेंगा- यह राजनीति बंगाल स्वीकार नहीं करेगा। घोष ने आगे कहा, दूसरी बात, हमारे पास बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसी नेता हैं, जो हमेशा लोगों के साथ रहती हैं। वह कोई 'हवाई जहाज' वाली नेता नहीं हैं, जो सिर्फ उड़कर आएं और वोट मांगकर चली जाएं। वह 24 घंटे लोगों के बीच रहती हैं। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार की कन्याश्री जैसी योजनाएं यह दिखाती हैं कि सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए वास्तव में काम कर रही है। टीएमसी सांसद ने कहा, कन्याश्री जैसी योजना बंगाल सरकार की एक आजीवन प्रतिबद्धता है। यह चुनाव से पहले मतदाताओं को लुभाने के लिए दिया गया रिश्वत जैसा वादा नहीं है। घोष ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने मनरेगा जैसी योजनाओं के तहत बंगाल का 'हक' रोक रखा है। उन्होंने कहा, चाहे मनरेगा का पैसा हो या आवास योजना का बंगाल सरकार को उसका पैसा नहीं दिया गया है। केंद्र सरकार बंगाल को उसका हक नहीं दे रही। बंगाल कभी भी भाजपा की ऐसी सरकार के आगे नहीं झुकेगा जो संघीय ढांचे और संविधान के नियमों को तोड़ रही है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में बंगाल के लोगों को केवल बांग्ला भाषा बोलने के कारण निशाना बनाया गया है और केंद्र सरकार बंगाल के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया, भारत के गरीब लोग, असहाय मजदूर जो काम की तलाश में दूसरे राज्यों में जाते हैं, उन्हें घुसपैठिया कहा जा रहा है, सिर्फ इसलिए क्योंकि वे बांग्ला बोलते हैं। वे भारत के नागरिक हैं जो अपनी रोजी-रोटी कमाने निकलते हैं और आप उन्हें इस तरह की गंदी राजनीति में इस्तेमाल कर रहे हैं। बंगाल इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा भाजपा के कुछ लोगों ने बांग्ला भाषा को बांग्लादेशी भाषा तक कहा है। हमारी भाषा हमारे लिए बहुत अहम है। हमारी संस्कृति और भावनाओं को कई बार निशाना बनाया गया है। बंगाल इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। हम विवेकानंदर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और रवींद्रनाथ टैगोर के अनुयायी हैं और हम भाजपा से लड़ेंगे और जीतेंगे। ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा था कि बिहार में एनडीए की जीत जनता के हितैषी शासन के लिए समर्थन है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल से 'जंगल राज' को खत्म करेगी और भाजपा की जीत बिहार से बंगाल तक गंगा के रास्ते बढ़ेगी। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में आयोजित धन्यवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार में जीत ने बंगाल में भाजपा की जीत का रास्ता खोल दिया है।

योगी विजन:अयोध्या बना डेवलपमेंट का रोल मॉडल

अयोध्या में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, मिलेगा लोगों को रोजगार

लखनऊ 15 नवंबर (एजेंसियां)। राम की नगरी अयोध्या विश्व के मानचित्र पर धार्मिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, विकसित शहर के रूप में समृद्धि और विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है।इसका श्रेय सीएम योगी आदित्यनाथ को जाता है।श्रीराम मंदिर के निर्माण के पहले से ही सीएम योगी अयोध्या को उसके गौरवशाली इतिहास को पुन: वापस दिलाने के लिए योजना पर काम कर रहे हैं। अयोध्या में आज देशी विदेशी पर्यटक बड़ी तादाद में आ रहे हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देश में रामनगरी के विकास के लिए अनेकों प्लान बनाए गए हैं और उसको विभिन्न विभागों के साथ मिलकर धरातल पर उतारा जा रहा है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए एक व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया और उसके क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों को कड़े निर्देश दिए। शहर के नगर नियोजन के लिए 1000 करोड़ से ज्यादा धनराशि उपलब्ध कराकर एक व्यापक शहरी खाका खींचा। ये मास्टर प्लान 133.67 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विकास की योजनाओं को मूर्त रूप दे रहा है। अयोध्या को एक आधुनिक, सतत, और

आध्यात्मिक नगर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि रामनगरी में बढ़ती पर्यटकों की संख्या के अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर को तैयार किया जाए। अयोध्या में जनवरी-जून के बीच करीब 24 करोड़ पर्यटक आए। अनुमान लगाया जा रहा है कि साल के अंत तक पर्यटकों की संख्या का आंकड़ा 50 करोड़ पार कर जाएगा। अयोध्या ग्रीनफील्ड टाउनशिप के तहत 1407 एकड़ में 2180 करोड़ रुपये की ज्यादा लागत से स्मार्ट और पर्यावरण-अनुकूल टाउनशिप विकसित हो रही है। रामनगरी में बढ़ती पर्यटकों की संख्या के अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर को तैयार हो रहा है। अयोध्या ग्रीनफील्ड टाउनशिप के तहत 1407 एकड़ में 2180 करोड़ रुपये की ज्यादा लागत से स्मार्ट और पर्यावरण-अनुकूल टाउनशिप विकसित हो रही है। इस टाउनशिप योजना का विकास वैदिक प्रस्तार योजना के तहत हो रहा है। इसका उद्देश्य भविष्य में बढ़ने वाले पर्यटकों की संख्या और जनसंख्या दबाव को संतुलित ढ़ंग से प्रबंधित करना है।अयोध्या में हर साल पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। रामलला के दर्शन के लिए न केवल देश बल्कि विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। ऐसे में अयोध्या में एक अत्याधुनिक हवाई अड्डे की भी आवश्यकता थी। इसी को ध्यान में रखते हुए डबल इंजन सरकार ने 1450 करोड़ की लागत से आधुनिक एयरपोर्ट का विकास किया। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 2023 से सफलतापूर्वक संचालित है। इस एयरपोर्ट में 6000 वर्ग मीटर का टर्मिनल और बड़े विमानों के लिए रनवे है। यह एयरपोर्ट अयोध्या को भारत के प्रमुख शहरों और अंतरराष्ट्रीय शहरों से जोड़ता है।अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन लाखों की संख्या में आने वाले पर्यटकों को सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

अयोध्या शहर में ट्रैफिक के दबाव को कम करने के लिए 67.17 किलोमीटर लंबी, 4/6 लेन की अयोध्या आउटर रिंग रोड परियोजना पर काम हो रहा है। यह परियोजना लगभग 3,935 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य शहर में बढ़ते ट्रैफिक के दबाव को कम करना और पड़ोसी जिलों लखनऊ, रायबरेली, सुल्तानपुर, बाराबंकी, बस्ती और गोंडा से आने वालों को सुविधाजनक यातायात व्यवस्था देना है। इसके जरिए राष्ट्रीय राजमार्गों सुविधाजनक संपर्क स्थापित करना है।पर्यटकों को अयोध्या आकर दिव्यता और भव्यता का अनुभव हो इसके लिए करीब 24 करोड़ की लागत से राम की पैड़ी का कायाकल्प किया गया है। इसमें 350 मीटर लंबी सीढ़ी, 20000 दर्शकों के लिए विशाल दर्शक दीर्घा और मिनी एम्पीथिएटर को बनाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन का ही परिणाम है कि जो गुप्तार घाट पहले उपेक्षित था आज वही घाट सुंदरता का प्रतिमान बन गया है। 77 करोड़ की लागत से गुप्तार घाट को पुनर्विकसित किया गया है। इसमें लगभग 1 किमी लंबा तटबंध, खुला रंगमंच, पार्क और आधुनिक जलक्रीड़ा और नौकायन सुविधाएं उपलब्ध हैं।करोड़ों की संख्या में आने वाले पर्यटकों को सुख सुविधा प्रदान करने के लिए प्रमुख होटल कंपनियां 350 करोड़ से अधिक का निवेश कर रही हैं। इससे अयोध्या में न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के विकास को लेकर दृढ़संकल्पित हैं। आने वाले समय में अयोध्या का विकास पूरी दुनिया में रोल मॉडल बनकर उभरने वाला है।

यूपी में भी दोहराया जाएगा बिहार का परिणाम : राजनाथ

लखनऊ 15 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिन के दौरे पर लखनऊ पहुंचे। लखनऊ एयरपोर्ट पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और भाजपा के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।लखनऊ में शनिवार को पहले कार्यक्रम में राजनाथ सिंह सदर बाजार के संस्कृत पाठशाला महाविद्यालय पहुंचे और वरिष्ठ कार्यकर्ता संवाद में उन्होंने बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत के साथ भाजपा के शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिहार विधान सभा चुनाव के परिणाम से भारतीय राजनीति में बहुत बड़ा बदलाव सामने आया है। राजनाथ सिंह ने कहा, मैने वायरल फीवर में भी बिहार में जनसभा की थी और मालदीव गया था। कार्यकर्ताओं के पसीने से बिहार की जीत हासिल हुई है। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार रोकने के लिए जनधन खाता खुलवाया, जिससे की लाभार्थी के खाते में सीधा धन जमा हो सके। जमधन खाता खोलने के लिए हुई बैठक में मैं भी बैंक अधिकारियों के साथ था, हमने पूछा इससे क्या लाभ होगा। पहले जो सहायता सरकार देती थी, उसमें से 100 में से 40 या 50 पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था। आज सौ पैसा चलता है तो वो पूरा पहुंचता है, लेकिन बैंक कर्मियों ने कहा कि खाता खुलने से धन पहुंचने के साथ ही बचेगा भी। भ्रष्टाचार भाषण से समाप्त नहीं होता व्यवस्था में बदलाव करके होता है। भारत में यूपीआई का लेनदेन विश्व में सबसे ज्यादा है। इसके उपयोग से विश्व में भ्रष्टाचार कम हुआ है।

लखनऊ में दस वर्ष में काफी परिवर्तन दिख रहा है। ईमानदारी से काम किया जाए तो परिवर्तन किया जा सकता है। भारत को विकसित बनाने का सपना पूरा होगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी कम होने से लाभ हुआ है। राजनाथ सिंह ने लोगों से पूछा कि वस्तु कम हुई है या नहीं। लोगों ने कहा कि वस्तु की कीमत कम हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा लोगों के पास पैसा आयेगा तो वह बाजार में तेजी से चलेगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में बने मिसाइल और हथियार खरीदने की पूरी दुनिया में होड़ लगी है। हमारा मामला भी ठीक हुआ है। जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने ऑपरेशन सिंदूर में करिश्मा किया वो हमारे लखनऊ में बनी है।

हम राजनीति सरकार बनाने के लिए नहीं, देश बनाने के लिए करते है। बहुत सी पार्टियां जाति, क्षेत्र और मजहब की बात करती हैं, लेकिन भाजपा ने सदैव देशभक्ति की बात की। भाजपा की नीति स्पष्ट है, हम राजनीति सरकार बनाने के लिए नहीं, देश बनाने के लिए करते हैं। हमारे कामकाज का तरीका दूसरी पार्टी से भिन्न है। इसी कारण हम लोग कहते भी हैं, पार्टी विद डिफरेंस।सिस्टम में बदलाव लाकर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया। देश की सारी पार्टियां भ्रष्टाचार रोकने की बात करती हैं, लेकिन भाजपा सही मायने में भ्रष्टाचार को रोकती है। हमारी सरकार ने पहली बार सिस्टम में बदलाव लाकर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है। जनता ने देखा कि बिहार की सरकार में भ्रष्टाचार नहीं है और हमको फिर बिहार की सत्ता सौंप दी।

इस बार जनता ने बिहार में एनडीए को प्रचंड बहुमत दिया है। राजनाथ सिंह ने बेहद उत्साह में कहा कि बिहार के परिणाम को 2027 में उत्तर प्रदेश में भी दोहराया जाएगा।मैं झूठ बोलकर राजनीति नहीं कर सकता। इतना काम आज तक नहीं हुआ है। कमियां रहेंगी। कार्यकर्ता का काम है जनता से सीधे संवाद स्थापित करना और उनको लेकर आना। नेता बहुत हैं, लखनऊ का विकास तेजी के साथ हो रहा पार्टी को जो सफलता मिली आपके दम पर ही मिली है।उन्होंने इसके साथ ही कई लोगों को चेताया कि नेतागिरी न करें, इसका इलाज हमारे पास भी है। छावनी परिषद का चुनाव होगा। कुछ कारण था स्थगित हुआ था, लेकिन चुनाव होगा। विदित हो वर्ष 2015 के बाद छावनी परिषद का चुनाव नहीं हुआ है। इसका कार्यकाल वर्ष 2020 में समाप्त हुआ है।

मिशन निदेशक ने इंडिया स्किल्स कम्पटीशन की तैयारियों को लेकर की वर्चुअल बैठक

जनपद स्तरीय प्रतियोगिता 15 से 25 तारीख के मध्य और मंडल स्तरीय 1 से 10 दिसंबर के बीच होगी

लखनऊ 15 नवंबर (एजेंसियां)।

कौशल विकास मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक की अध्यक्षता में IndiaSkill-sCompetition2025 की तैयारियों के संबंध में सभी जनपदों के कौशल विकास मिशन संयुक्त निदेशकों एवं जिला समन्वयकों के साथ एक महत्व-पूर्ण वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।मिशन निदेशक पुलकित खरे ने अवगत कराया कि प्रतियोगिता का प्रथम चरण जनपद स्तरीय होगा, जिसके लिए प्रदेशभर से युवाओं द्वारा अभूतपूर्व पंजीकरण प्राप्त हुआ है। यह प्रतियोगिता चयनित 20 कौशलों में आयोजित की जाएगी, जिसके लिए 18 मंडलों से 5-6 प्रमुख विधाएँ चिन्हित की गई हैं। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता 15 से 25 तारीख के मध्य नोडल आईटीआई में आयोजित होगी। इसके संचालन हेतु प्रत्येक जनपद में संयुक्त निदेशक एवं नोडल प्रिंसिपल की द्विसदस्यीय समिति गठित की गई । निर्देश दिया गया कि प्रतियोगिता में न्यूनतम 90 फीसदी प्रतिभागियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। पंजीकृत अभ्यर्थियों को समय पर सूचित करने के निर्देश प्रदान किए गए, ताकि अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित हो सके।जनपद स्तरीय प्रतियोगिता के उपरांत प्रत्येक जनपद से 10 चयनित प्रतिभागियों के नाम उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन मुख्यालय को प्रेषित किए जाएंगे। ये चयनित प्रतिभागी 1 दिसंबर से 10 दिसंबर के मध्य आयोजित होने वाली मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। मंडल स्तर पर मूल्यांकन हेतु संयुक्त निदेशक एवं इंडस्ट्री विशेषज्ञों की 2-3 सदस्यीय समिति बनाई जाएगी, जिनकी सूची अनुमोदन हेतु मिशन मुख्यालय को भेजी जाएगी। अनुमोदन उपरांत संबंधित विधाओं के लिए सील्ड पैक प्रश्नपत्र मिशन द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके बाद राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु प्रत्येक विधा से न्यूनतम पाँच चयनित अभ्यर्थियों की अवरोही क्रम में सूची मिशन मुख्यालय भेजना अनिवार्य होगा।बैठक के अंत में मिशन निदेशक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण प्रतियोगिता प्रक्रिया पूर्णत: निष्पक्ष, पारदर्शी एवं अवसर-समानता के सिद्धांतों पर आधारित हो तथा प्रत्येक पंजीकृत उम्मीदवार को प्रतिभाग का पर्याप्त अवसर प्रदान किया जाए।बैठक में मिशन के संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार एवं मिशन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ईको टूरिज्म विकास बोर्ड ने युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों को विस्टाडोम से कराया भ्रमण

नेचर लर्निंग से जिम्मेदार पर्यटक तैयार कर रहा विस्टाडोम सफारी : जयवीर

लखनऊ 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म विकास बोर्ड ने शनिवार को लखनऊ के गवर्नमेंट इंटर जुबिली कॉलेज के करीब 40 विद्यार्थियों को दुधवा की 'विस्टाडोम ट्रेन सफारी' का अनूठा अनुभव कराया। स्कूल की कक्षाओं से बाहर निकलकर विद्यार्थियों ने जंगलों की हरियाली, दुर्लभ वन्यजीवों को नजदीक से देखने और जिम्मेदार पर्यटन को करीब से समझा। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि युवाओं को पर्यावरण अनुकूल यात्रा, नेचर लर्निंग और सस्टेनेबल टूरिज्म जैसी सोच से जोड़ने की यह पहल न सिर्फ प्रेरक है, बल्कि उन्हें जिम्मेदार पर्यटक बनने का सशक्त संदेश भी देती है। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म विकास बोर्ड की ओर से आगे भी ऐसे नवाचार जारी रहेंगे। बाल दिवस पर स्कूली छात्रों को विस्टाडोम सफारी का विशेष अनुभव कराना इसी दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।लखनऊ से बिछिया की प्रकृति यात्रा पर निकले बच्चों का समूह जैसे ही इंटरप्रिटेशन सेंटर पहुंचे, उनका रोमांच नए आयामों में बदल गया। जंगल की धरोहरों को करीब से जानने-समझने के बाद स्टेशन मास्टर की विशेष ब्रीफिंग ने यात्रा को और रोचक बना दिया, जिसमें बच्चों को रेल मार्ग के इतिहास, फॉरेस्ट कॉरिडोर में जिम्मेदार आचरण के नियमों और क्षेत्र की अद्भुत जैव-विविधता से परिचित कराया गया। प्रकृति और ज्ञान से भरे ये संवाद बच्चों के लिए इस पूरे सफर के सबसे अविस्मरणीय अनुभवों में दर्ज हो गए।तराई की प्राकृतिक सुंदरता को बेहद करीब से महसूस करते हुए विद्यार्थियों ने 11:45 बजे बिछिया से पलिया कलां तक एक रोमांचक सफर की शुरुआत की। पारदर्शी शीशों और पैनोरमिक व्यू से लैस विशेष ट्रेन कोच में सवार बच्चों ने घने जंगलों, हरे-भरे घास के मैदानों, जलाशयों और विभिन्न प्रकार के वन्य जीवों के अद्भुत संसार को करीब से देखा। यात्रा बिछिया कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य के समीप से शुरू होकर मैलानी दुधवा नेशनल पार्क के प्रवेश द्वार तक पहुंची। अभय कुमार तिवारी नामक छात्र ने बताया कि यह यात्रा उनके लिए यादगार रही। यह यात्रा कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से होते हुए दुधवा नेशनल पार्क के प्रवेश क्षेत्र तक पहुंची। वन्य क्षेत्र बाघ, गैंडा, हाथी, बारहसिंघा, घड़ियाल सहित 450 से अधिक पक्षीप्रजातियों के लिए प्रसिद्ध है। धीमी गति से चलती ट्रेन ने प्राकृतिक नजारों को सहेजने का भरपूर अवसर दिया। विस्टाडोम कोच के विशेष व्यूइंग ज़ोन से बच्चों ने वन गलियारों, घास वाले क्षेत्र और आर्द्रभूमि को करीब से देखा। यात्रा में साथ चल रहे शिक्षकों ने वन्यजीव व्यवहार, पक्षियों की आवाज और पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन पर महत्वपूर्ण जानकारियां छात्रों से साझा कीं।वापसी के दौरान छात्र मोहित पाल और अंकित विश्वकर्मा ने अपने अनुभव साझा की। उन्होंने बताया कि पहली बार जंगल को इतने नजदीक से देखा। ऐसा लगा जैसे ट्रेन किसी तस्वीर के भीतर से गुजर रही हो। इस अवसर के लिए मैं उत्तर प्रदेश इको टूरिज्म विकास बोर्ड का बहुत आभारी हूं। उल्लेखनीय है, कि विस्टाडोम ट्रेन सेवा शनिवार और रविवार को संचालित होती है। इसीलिए छात्रों को बाल दिवस के मौके पर 15 नवंबर को भ्रमण कराया गया।बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और अनुभव आधारित सीख को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित दुधवा विस्टाडोम सफारी को लेकर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ऐसी पहल युवा पीढ़ी को किताबों से परे वास्तविक दुनिया से जुड़ने का अवसर देते हैं। विस्टाडोम ट्रेन सफारी इसी दृष्टिकोण को परिलक्षित करती है। इस यात्रा से मिली सीख, समझ और संवेदना बच्चों में प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाएगी और उन्हें भविष्य के जिम्मेदार पर्यटक के रूप में तैयार करेगी।

जनजातीय शौर्य की शान: धरती आबा बिरसा मुंडा भगवान

बिरसा मुण्डा के जीवन से मिलती है राष्ट्रीय एकता व सामाजिक सौहार्द की प्रेरणा : केशव

लखनऊ 15 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन से राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द की प्रेरणा मिलती है।धरती आबा बिरसा मुंडा भगवान, जनजातीय शौर्य की शान थे।भगवान बिरसा मुण्डा धरती माता को गुलामी की बेड़ियों से आजाद करने हेतु किये जाने वाले संघर्ष के प्रतीक हैं।बिरसा मुंडा ने लोगो के अधिकारों के लिए संघर्ष का बिगुल बजाया, उनका उद्देश्य स्पष्ट था,लोगों को उनकी भूमि और अधिकार वापस दिलाना।बिरसा मुंडा के क्रांतिकारी विचारों से विचलित हो कर ब्रिटिश शासकों ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। जेल में ही धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा शहीद हो गए।डबल इंजन सरकार जनजातीय गौरव की पुनर्स्थापना करते हुए जनजातीय समाज के कल्याण के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। केशव प्रसाद मौर्य शनिवार कोसेठ गंगा प्रसाद माहेश्वरी जनमंच सभागार, सहारनपुर में 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'जनजाति गौरव दिवस' कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।इससे पहले उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मां सरस्वती, भारत माता, व क्रांतिवीर भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होने भगवान बिरसा मुंडा

के जीवन दर्शन, व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालाउप मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम जनमन योजना के माध्यम से जनजातीय समुदाय के लिए देश में अनेक कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं।सरकार अनुसूचित जनजाति वर्ग की शिक्षा के स्तर को उठाने व शासकीय योजनाओं में भागीदारी बढ़ा रही है।जनजातीय समुदाय को बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक जनजातीय गौरव पखवाड़ा आयोजित किया गया।धरती आबा' भगवान बिरसा मुण्डा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए जनजाति गौरव दिवस आयोजित किया जा रहा है।सरकार जनजातियों को योजनाओं से आच्छादित करने के लिए मिशन मोड पर कार्य कर रही है। जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को बेहतर किया जा रहा है।इस वर्ग के छात्र-छात्राओं हेतु छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना संचालित की जा रही है।देश की स्वतन्त्रता के प्रति समर्पित भगवान बिरसा मुण्डा ने मात्र 25 वर्ष की उम्र में रांची जेल में अन्तिम सांस ली। उन्होंने जनजातीय समुदाय को 'अपना देश अपना राज' का नारा दिया था। 31 अक्टूबर 1875 को लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल तथा 15 नवम्बर 1875 को भगवान बिरसा मुण्डा का जन्म हुआ। भारत की जनचेतना को जाग्रत कर स्वाधीनता आन्दोलन को नया मन्त्र देने वाले राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने पर देश गर्व की अनुभूति कर रहा है।उत्तर प्रदेश मे अनुसूचित जन जाति -थारू, मुसहर, चेरो, बुक्सा, सहरिया, कोल तथा गोंड आदि को मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण मे आवास देने के प्राथमिकता श्रेणी मे रखा गया है।जनजातियों को विकास की योजनाओं से जोड़ने के साथ-साथ बेहतर कनेक्टिविटी, बिजली, पेयजल, पेंशन, राशन कार्ड, स्वास्थ्य के लिए आयुष्मान भारत की स्कीम आदि सुविधाओं से आच्छादित किया जा रहा है। इस अवसर पर राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी , राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह , महापौर डॉ. अजय कुमार सिंह , विधायक राजीव गुंबर मुकेश चौधरी देवेंद्र कुमार निम कीरत सिंह , शीतल बिश्नोई डॉ. महेंद्र सिंह सैनी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

गांव की समस्याओं का गांवो में हो समाधान

सहारनपुर बने प्रदेश के लिए विकास योजनाओं का रोल मॉडल : केशव

लखनऊ 15 नवंबर (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सहारनपुर के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सर्किट हाउस सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी ने उप मुख्यमंत्री को काष्ठ से निर्मित गणेश की मूर्ति भेंट की। केशव प्रसाद मौर्य ने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के तहत प्रमुखता से ग्राम्य विकास, मनरेगा, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना, खाद्यप्रसंस्करण आदि की बिन्दुवार समीक्षा की।उन्होंने कहा कि सहारनपुर में विकास की अपार संभावनाएं है। सभी अधिकारी संवेदनशील होकर कार्य करें और सहारनपुर को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाएं। सहारनपुर विकास योजनाओं में रोल माडल बनकर अन्य जनपदों के लिए प्रेरण-ास्त्रोत बनें। अधिकारी आमजन के साथ बेहतर व्यवहार करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाएं। अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजन-ाओं का लाभ पात्रों को हर हाल मे मिले। ग्राम चौपाल कार्यक्रम अन्तर्गत गांव की समस्याओं का गांव में ही समाधान हो। फूड प्रोसेसिंग यूनिटों की स्थापना के लिए प्रयास किया जाए। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना में प्रत्येक ग्राम में एक यूनिट की स्थापना की जाए, जिससे गांव में ही लोगों को रोजगार मिल सके। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत निर्मित अमृत सरोवरों एवं अमृत वाटिकाओं की निरंतर समीक्षा की जाए। पीएम एवं सीएम आवास योजना के तहत सभी को पक्का मकान मिल सके। जनप्रतिनिधियों से समन्वय किया जाए। जनप्रतिनिधियों के अनुभवों का भी लाभ उठाया जाए। उन्ह-ोने निर्देश दिए कि जिले की शिकायतों को जिले स्तर पर ही निस्तारित किया जाए। देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व कर रहीं मातृशक्ति को आर्थिक रूप से समृद्ध किया जाए।

बच्चों में छुपी इंटेलिजेंस को समझकर सही दिशा दें

हर बच्चे के अंदर कोई-न-कोई प्रतिभा और इंटेलिजेंस छुपी होती है। लेकिन कई बार अभिभावक उसे खेल-कूद समझकर अनदेखा कर देते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपने बच्चे के अंदर छुपी इंटेलिजेंस को समझें और उसे सही दिशा देने की कोशिश करें ।

लॉजिकल- मैथमैटिकल इंटेलिजेंस

बच्चों के अंदर छुपी लॉजिकल- मैथमैटिकल इंटेलिजेंस यह दर्शाती है कि उसकी सोचने की क्षमता लॉजिकल मैनर में अधिक है। अगर आपके बच्चे में इस तरह की योग्यता है तो आप उसकी इंटेलिजेंस को बढ़ाने के लिए उसे घर पर रीजिंनिंग, मैथ्स आदि के छोटे-छोटे सवाल दें। इसके बाद उसे छोटे-छोटे बजट प्लानिंग के सवाल दें और इसी तरह क रियर में सहयोग करें।

लक्षण- इस तरह के बच्चे पज़ल्स, टीजर्स, और लॉजिक वाले गेम खेलना ज्यादा पसंद करते हैं। जब तक कि किसी पज़ल या प्रश्न का जवाब न ढूंढ लें तब तक हार नहीं मानते हैं। ऐसे बच्चे यह भी कोशिश करते हैं कि उस टास्क को विभिन्न तरीके से कैसे किया जा सकता है। इसके अलावा गाड़ी नम्बर और मोबाइल नंबर भी ऐसे बच्चों को सबसे जल्दी याद हो जाता है।

वर्बल- लिंग्विस्टिक्स इंटेलिजेंस

वर्बल लिंग्विस्टिक्स इंटेलिजेंस वाले बच्चे में विभिन्न तरह की भाषाएं सीखने की क्षमता ज्यादा होती है। इस तरह के बच्चे हमेशा दूसरों की भाषा या डिफिकल्ट वर्ड बहुत जल्दी सीख जाते हैं और बोलने का प्रयास करते हैं। ऐसे बच्चे लैंग्वेज कमांड में भी अपना करियर बना सकते हैं। इसमें बच्चों की प्रतिभा बढ़ाने के लिए उन्हें छोटे-छोटे टॉपिक्स दें और उस पर एक कहानी लिखने को कहें। साथ ही उनकी पसंदीदा किताब उन्हें पढने् के लिए दें। अक्सर अभिभावकों को लगता है कि बच्चों को अपने सिलेबस की ही किताबें पढनी् चाहिए। अन्य किताबों पर समय बरबाद होता है, पर यह धारणा गलत है। बस बच्चे को उसकी उम्र के अनुरूप किताबें देनी चहिए।

लक्षण- वर्बल लिंग्विस्टिक्स इंटेलिजेंस वाले बच्चे अपनी शुरूआती उम्र में कविता सबसे जल्दी सीखते हैं और उसका उच्चारण भी बिल्कुल सही करते हैं। इसके अलावा ऐसे बच्चों को लिखने और किताबें पढने् में इंटरेस्ट ज्यादा होता है। इस तरह के बच्चे अपने आप कई छोटी-छोटी स्टोरी क्रियेट कर लेते हैं, साथ ही ये बोलचाल की भाषा और उच्चारण में हुई गलतियों को भी जल्दी पकड़ते हैं।

म्यूजिकल इंटेलिजेंस

कई बच्चों की म्यूजिकल यानी संगीत की रुचि बहुत अधिक होती है। म्यूजिकल इंटेलिजेंस वाले बच्चों की आवाज और बोल- चाल में रिदम देखने और सुनने को मिलेगी। म्यूजिक के शौकीन बच्चों को एक्टिविटीज के तौर पर म्यूजिकल क्लास में एडमिशन करा देना चाहिए। हो सकता है इसमें ही बच्चे का सुनहरा भविष्य छिपा हो। बच्चा कई रियेलिटी शो में भी हिस्सा ले सकता है और साथ ही एक अच्छा सिंगर और म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट एक्सपर्ट भी बन सकता है।

लक्षण- इस तरह की योग्यता वाले बच्चे अपनी शुरूआती उम्र में गाना सुनते ही उसे बड़ी जल्दी कैप्चर कर लेते हैं, साथ ही गाने और कविता को सही टोन के साथ गाने की कोशिश करते हैं। कई बार बातें भी गाने की टोन में बोलते हैं। जिसे हम मजाक या शरारत समझकर इग्नोर कर देते हैं। म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट की तरफ भी बच्चों का ध्यान भागता तरह के खिलौने पसंद करते हैं।

विजुअल स्पेशियल इंटेलिजेंस

बच्चों में विजुअल इंटेलिजेंस उनकी क्रिएटिविटी को दर्शाती है। कई बच्चे आर्ट में मास्टर होते हैं इसलिए वे अन्य विषयों की अपेक्षा ड्राइंग में ज्यादा रुचि दिखाते हैं। लेकिन अभिभावकों को लगता है कि इसमें उनका कोई भविष्य नहीं है इसलिए वे अन्य विषयों इंग्लिश और मैथ्स पर ज्यादा जोर देते हैं। यदि आपके बच्चे की आर्ट और विजुअल स्पेशियल में रुचि है तो वो एक एनालिटिक्स स्पेशलिस्ट, आर्टिस्ट, डिजाइनर, इंटीरियर डेकोरेटर के तौर पर भी अपना भविष्य बना सकता है।

लक्षण- इस तरह की इंटेलिजेंस वाले बच्चे ज्योमैट्री और फिजिक्स जैसे डिफिकल्ट विषय के डायग्राम, चार्ट, ग्राफ्स व मैप आदि को बेहतरीन ढंग से डिजाइन कर लेते हैं। इसके अलावा कोई भी डायरेक्शन इन्हें जल्दी याद हो जाती है। यह किसी का चेहरा और अपनी इमेजिनेशन यानी कल्पना को भी कागज पर उतार सकते हैं।

योग से तन और मन का सौंदर्य निखारें

योग जीवन जीने की कला है। योगासन जहां हमारे शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं, वहीं प्राणायाम मानसिक शक्ति का विकास करते है। योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ व सुडौल बनाने के साथ हमारे विचारों को भी निर्मल बनाने में सहायक होता है।

आज महिलाएं घर और परिवार की ज़िम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं। बेटी, बहू, मां और पत्नी की भूमिका निभाते हुए वह अक्सर अपने ऊपर ध्यान नहीं दे पाती। रोजाना सुबह से रात तक के इस भाग दौड़ भरे जीवन में उनके लिए एक नियमित दिनचर्या का पालन संभव नहीं हो पाता है। परंतु यदि वह प्रतिदिन सिर्फ एक घंटे का योगाभ्यास करती है जिसमें प्राणायाम एवं ध्यान भी शामिल है, शरीर को स्वस्थ व सुडौल बनाने के साथ हमारे विचारों को भी निर्मल बनाने में सहायक होता है। योग जीवन जीने की कला है। योगासन जहां हमारे शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं, वहीं प्राणायाम मानसिक शक्ति का विकास करते है।

महिलाओं के जीवन में योग क्यों है आवश्यक

महिलाएं योग को अपनी जीवन शैली का अभिन्न अंग बनाकर न केवल शारीरिक रूप से स्वास्थ रह सकती हैं, बल्कि जीवन में विभिन्न प्रकार के मानसिक विकारों को दूर कर एक संतुलित जीवन जी सकती हैं।

- नियमित योगाभ्यास शरीर में न केवल चुस्ती-फुर्ती लाता है, बल्कि अतिरिक्त चर्बी को घटाकर शरीर को सुडौल, लचीला एवं रोगमुक्त बनाता है ।
- महिलाओं का जीवन चक्र हार्मोन्स के साथ जुड़ा है। इस्ट्रोजन व प्रोजेस्ट्रोन हार्मोन्स का संतुलन बेहद जरूरी है। आयु की हर अवस्था में यह अपना प्रभाव बनाए रखते हैं। आसनों के माध्यम से की गई आकुंचन-संकुचन की क्रिया हार्मोन्स का संतुलन बनाए रखने के लिए सबसे अधिक सहयोगी होती है।
- शरीर में रक्त का सुचारु रूप से संचार, प्रतिरोधक शक्ति में सुधार एवं ग्रंथियों से होने वाले स्राव का नियंत्रण भी योग द्वारा ही संभव है।
- योग द्वारा महिलाओं का सामान्य स्वास्थ्य तो अच्छा बनता ही है, उसके प्रजनन अंग भी स्वस्थ एवं सुद्रढ़ बनते हैं।
- नियमित योगाभ्यास से चेहरे पर दमक, आंखों में चमक, त्वचा में कोमलता एवं कांति आती है। मन प्रसन्न रहता है।
- योग से चित एकाग्र होता है, मन की चंचलता समाप्त करने के लिए प्राणायाम सटीक योग है।
- अक्सर परिवार में छोटी-छोटी बातों को लेकर तनाव और मानसिक परेशानी हो जाती है, अगर हम नियमित योगाभ्यास करते हैं तो इन छोटी-छोटी परेशानियों से घबराएंगे नहीं बल्कि संतुलित दिमाग से इन सबका सामना करेंगे।
- नियमित योग महिलाओं में आजकल प्रदूषण के कारण बढ़ रही एजिंग की प्रक्रिया को रोकता है।

नियमित योग हमारे विचारों को सकारात्मक बनाता है साथ ही व्याक्तिव को भी निखारता है।

- यदि महिलाएं नियमित योग करती हैं तो वह अपने बच्चों को भी योगाभ्यास के लिए प्रेरित कर पाएंगी और अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे पाएंगी।

हर मौसम में हिट है यह फैशन

सर्दियों में सबसे ज्यादा टेंशन फैशन ट्रेंड को लेकर होती है. मोटे-मोटे ऊनी कपड़ों के बीच ट्रेंडी नजर आना किसी चुनौती से कम नहीं है लेकिन कुछ चीजें सदाबहार होती हैं. इन टिप्स को अपनाकर आप भी ट्रेंडी और क्लासिक नजर आएंगी... तो खुद को तैयार कर लीजिए.

नाजुक पेस्टल रंगों का चयन

टोट या चेन स्ट्रैप, बैग चाहे जो भी हो, पर सुनिश्चित करें कि इस मौसम में सब नाजुक पेस्टल रंगों का ही हो.

समय की बचत

रोज और रोज गोल्ड घड़ियां देंगी रॉयल लुक.

आंखों की हिफाजत

कैट आइ सनग्लासेज को अलविदा कहें और बग आइ सनग्लासेज चुनें.

ज्वेलरी का कमाल

क्रिस्टल और राइनस्टोन (स्टफिक) ज्वेलरी की लेयर्स चमकीली होंगी और बहुत ज्यादा ध्यान अट्रैक्ट करेंगी.

जूतों का जादू

आरामदेह फैशन का स्थान सबकी सूची में अव्वल होता है. अपनी टीम वाली सैंडल्स की जगह डेपर लेदर मोकैसिन्स यानी सॉफ्ट चमड़े से बनें सपाट जूतें पहनें.

लिप्स का कमाल

होंठों पर लाल रंग की लिपस्टिक से ज्यादा आकर्षक भला और क्या लगेगा. इसलिए इस कलर को बेहिचकर लगाएं.

डेस्क जॉब से होने वाले नुकसानों से ऐसे बचें

लंबे वक्त तक डेस्क पर बैठे रहने से आपकी बॉडी में खिंचाव आ सकता है। यही वजह है कि फिट रहने के लिए चलना-फिरना और फ्लैक्सिबिलिटी जरूरी है। 9 से 5 की जॉब धीरे-धीरे आपकी हेल्थ खराब करने लगती है। यहां दिए तरीकों से आप कुछ कॉमन समस्याओं को दूर रख सकते हैं।

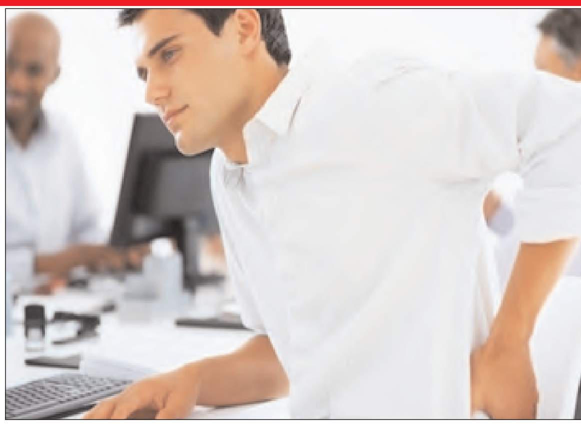

पीठ दर्द : भले ही आप एक्सर्साइज न करें लेकिन ध्यान रखें कि डेस्क पर सही पॉश्चर में बैठें। यह बेहद जरूरी है कि आपकी कुर्सी ठीक से रखी हो और आपके पैर न लटकते रहें। ध्यान रखें कि आपकी पीठ और गर्दन पर तनाव न हो। हफ्ते में दो-तीन बार एक्सर्साइज और ऐब्डॉमिनल क्रंचेस आपको मजबूती देंगे। इससे आपका पॉश्चर सही रहेगा और पीठ पर प्रेशर भी नहीं रहेगा।

कलाई में तनाव : लगातार टाइप करने, रिपोर्ट लिखने और ई-मे के जवाब देने से आपकी कलाई को काफी नुकसान हो सकता है। आप कितनी देर तक ऐसा करते हैं और कीबोर्ड यूज करते वक्त कलाई की पोजिशन क्या है, इसका भी फर्क पड़ता है। अगर हाथ में झंझनाहट या सुन्न पड़ने जैसी शिकायत हो तो सतर्क हो जाएं। बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। तनाव से राहत के लिए नमस्ते की पोजिशन में हाथों को चेस्ट के सामने लाएं और कोहनी बाहर की ओर मूव करें, हाथों को तब तक झुकाएं जब तक कलाई में अच्छा-खासा स्ट्रेच न मसहूस होने लगे।

आंखों में परेशानी : क्योंकि कंप्यूटर स्क्रीन पर आपका काफी सारा वक्त जाता है, इससे आपकी आंखों में तनाव हो सकता है। इससे आंखों में ड्राइनेस और थकान हो सकती है। कंप्यूटर स्क्रीन आंखों से दूर रखें। स्क्रीन न ज्यादा दूर होनी चाहिए, न पास। लाइट की व्यवस्था सही रखें और स्क्रीन से हर 20 से 30 मिनट पर नजर हटाएं।

बागबानी के ये भी हैं फायदे

एक समय था जब बहुमंजिला इमारतों में आशियाना नहीं तलाशा जाता था, खुले आंगन और छोटे से बगीचे वाले आशियाने को प्राथमिकता दी जाती थी. बगीचे पर तो खासतौर पर ध्यान दिया जाता था, क्योंकि यही उन के घर की साजसज्जा का जरीया होता था और अपनी पसंद की सब्जियां वगैरह उगाने का भी. वक्त ने करवट बदली, तो आधुनिकता ने आंगन भी निगल लिया और बगीचा भी. लेकिन एक बार फिर लोगों में अपने घर पर एक छोटा सा बगीचा तैयार करने की उत्सुकता को देखा जा रहा है. भले ही लोग गार्डन को जरूरत या शौक के नजरिए से न देख लाइफस्टाइल स्टेटस में इजाफा समझ कर अपने आशियाने में जगह दे रहे हों, लेकिन होम गार्डन के ट्रैंड पर उन्होंने अपनी सहमति की मुहर जरूर लगा दी है.

इस बाबत बागबानी विशेषज्ञा डाक्टर दीप्ति कहती हैं, ''बगीचा होना अब घर की शान समझा जाता है. लोग इस में फैंसी पौधे और फूल उगाते हैं, जो घर की खूबसूरती को बढ़ाते हैं. असल में गार्डन होना और गार्डनिंग करने में बहुत अंतर है. भले गार्डन आशियाने की रौनक को बढ़ा दे, मगर उस में रहने वालों को इस का असली सुख तभी मिलेगा जब वे इस की उपयोगिता को भी समझेंगे.''

उपयोगिता बागबानी की

बागबानी समय का सब से अच्छा सदुपयोग है. बागबानी विशेषज्ञ डाक्टर आनंद सिंह कहते हैं, ''आज की भागतीदौड़ती दिनचर्या में किसी के पास वक्त नहीं है. लोग औफिस के काम से फुरसत पाते हैं तो घरेलू कार्यों में मसरूफ हो जाते हैं. फिर अगर समय मिलता है तो वीकैंड में शौपिंग करने निकल जाते हैं. कई बार तो फुजूलखर्ची करते हैं. ऐसे में मानसिक संतुष्टि मिलने के बजाय उलटा अवसाद घेर लेता है. अत~ इस से अच्छा तो यह हो कि घर पर रह कर कुछ रचनात्मक काम किया जाए. इस में बागबानी से बेहतर और कोई विकल्प नहीं हो सकता है, क्योंकि यह आप को मानसिक सुख देने के साथसाथ अच्छी सेहत और भरपूर ज्ञान भी देगा.'' यहां डच (जरमनी) लोगों का उदाहरण देना सही रहेगा, क्योंकि वहां करीबकरीब सभी लोगों के पास अपना बगीचा है, जिस में खाली समय में वे बागबानी करते हैं. उन्हें मौल्स में घूमने से ज्यादा बेहतर बागबानी करना लगता है. यहां आम लोग ही नहीं वरन सैलिब्रिटीज भी गार्डनिंग का शौक रखते हैं. एक डच पत्रिका में जरमनी के मशहूर शैफ, जौन लफर के अनुसार, यदि वे देश के मशहूर शैफ न बन पाते तो खुशी से गार्डनिंग के पेशे में आते. वैसे शैफ जौन अभी भी अपने पेशे के अलावा गार्डनिंग में खास दिलचस्पी रखते हैं. यही वजह है कि वे अपने पौटेड प्लांट्स कलैक्शन के पैशन को छिपा नहीं पाते.

वैसे जरमनी ही नहीं हमारे देश में भी बहुत से लोग बागबानी का शौक रखते हैं, लेकिन विस्तृत जानकारी के अभाव और इस की उपयोगिता से अनजान होने की वजह से अपने शौक को बढ़ावा नहीं दे पाते. फिर भी कुछ सैलिब्रिटीज की बात करें तो बौलीवुड के अभिनेता और अभिनेत्रियां, जिन का ज्यादा वक्त शूटिंग करते ही बीतता है, खाली वक्त में या तो पार्टी करना पसंद करते हैं या फिर छुट्टियां बिताने विदेश पहुंच जाते हैं. लेकिन कुछ अरसा पहले एक इंटरटेनमैंट वैबसाइट को दिए इंटरव्यू में अभिनेत्री सेलिना ने कहा कि वे अपने प्रोफैशन से वक्त मिलते ही छत पर बनाई अपनी बगिया में पहुंच जाती है।

नैशनल ज्योग्राफिक औथर एवं रिसर्चर डैन बटनर के अध्ययन के अनुसार, बागबानी करने वालों का जीवन आम लोगों से 14 वर्ष अधिक होता है. कैसे, आइए जानें.

- बागबानी दिन में ही की जाती है, इसलिए जाहिर है कि बागबानी के दौरान सूर्य के संपर्क में आना पड़ता है, जिस से शरीर को विटामिन डी मिल जाता है. विटामिन डी शरीर को कैंसर और हृदय से जुड़ी बीमारियों से बचाता है.
- यह भ्रम है कि मिट्टी में हाथ सनने से बैक्टीरिया चिपक जाते हैं, जिस से संक्रमण का खतरा रहता है. दरअसल, मिट्टी प्राकृतिक बैक्टीरिया, मिनरल्स, माइक्रोऔर्गैनिज्म का प्रमुख स्रोत होती है. रोजाना मिट्टी के स्पर्श से शरीर का इम्यून सिस्टम अच्छाहोता है.
- लोगों में भ्रांति है कि नंगे पैर जमीन पर रखने से वे मैले हो जाते हैं. लेकिन यह सोचना गलत है. त्वचा का धरती से सीधा संपर्क शरीर में इलैक्ट्रिकल ऐनर्जी द्वारा पौजिटिव इलैक्ट्रोंस जेनरेट करता है.
- आधुनिक जीवनशैली में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने लोगों को अवसाद के आगोश में धकेल दिया है, जिस से तमाम तरह की बीमारियां जन्म ले रही हैं. बागबानी इन बीमारियों से बचने का एक सरल उपाय है, क्योंकि इस से मिलने वाला सुख शरीर पर प्रत्यक्ष रूप से असर डालता है और दिमाग को तनावमुक्त रखता है.
- बागबानी का अर्थ केवल फूल उगाना नहीं. घरों में किचन गार्डन भी तैयार किया जा सकता है. इस से मिलने वाली सब्जियां आप के शरीर को पोषण देने के साथसाथ ऐंटीऔक्सिडैंट भी देंगी और जहरीले तत्वों से भी शरीर की सुरक्षा करेंगी.
- बागबानी करने वालों को जिम जाने की जरूरत भी नहीं पड़ती, क्योंकि बागवानी में काम करते हुए ही पूरी ऐक्सरसाइज हो जाती है.

कम जगह और पैसों में भी संभव

यह सच है कि बागबानी महंगा शौक है. लेकिन आप चाहें तो कम पैसों में भी यह संभव हो सकती है. जरा सोचिए, फल और सब्जियों के आसमान छूते भाव के चलते अपनी जेब ढीली करने से बेहतर यही है कि घर पर ही इन्हें उगा लिया जाए, जो आप को अच्छा स्वाद, सेहत और संतुष्टि देने के साथसाथ आप के बजट को भी बिगड़ने नहीं देंगी. डाक्टर दीप्ति कहती हैं, ''आजकल बड़े शहरों में ताजा हवा के लिए औक्सीजन जोन बनाए जा रहे हैं. वहां लोग भारी कीमत चुका कर चंद घंटे गुजारने जाते हैं. लेकिन चंद घंटों में मिली ताजा हवा से क्या होता है? ऐसा आप महीने में 1 बार कर सकते हैं।

रेसिपी

एप्पल एंड डेट्स मिल्कशेक

सामग्री

- -150 ग्राम सेब
- - 40 ग्राम खजूर
- - 220 मि.ली दूध
- - 2 टीस्पून दालचीनी पाउडर
- - 1 कप बर्फ

विधि

ब्लेंडर में सेब, खजूर, दूध, दालचीनी पाउडर और बर्फ डालकर अच्छे से ब्लेंड कर लें। फिर मिक्सर को गिलास में निकाल लें। अब इसमें दालचीनी पाउडर मिलाएं और सेब की स्लाइस डालकर गार्निश करके सर्व करें।

ड्राय फूड लड्डू

सामग्री

घी- 1 टेबलस्पून, काजू- 50 ग्राम, बादाम- 50 ग्राम, पिस्ता- 50 ग्राम, अखरोट- 50 ग्राम घी- 1 टेबलस्पून, किशमिश- 70 ग्राम, सूखे अंजीर- 50 ग्राम, खजूर- 70 ग्राम, इलायची पाउडर- 1 टीस्पून, घी- 3 टेबलस्पून

विधि

एक पैन में 1 टेबलस्पून घी गर्म करके उसमें 500 ग्राम काजू, 50 ग्राम बादाम, 50 ग्राम पिस्ता और 50 ग्राम अखरोट डालकर 5-7 मिनट तक हल्का बाउन होने तक रोस्ट करें। इसके बाद एक ब्लैंडर में इस मिश्रण को डालकर अच्छी तरह ब्लैंड करके साइड पर रखें। पैन में घी गर्म करके 70 ग्राम किशमिस, 50 ग्राम सूखी अंजीर और 70 ग्राम खजूर डालकर 3-5 मिनट तक अच्छी तरह रोस्ट करें। अब इस इस मिश्रण को भी ब्लैंडर में डालकर अच्छी तरह ब्लैंड करके साइड पर रख लें। एक बाउल में इन दोनों मिक्चर को डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसमें 1 टीस्पून दालचीनी पाउडर और 3 टेबलस्पून घी डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसमें से थोड़ा मिक्चर लेकर हाथों से इसकी गेंदे बनाकर प्लेट में रखें। आपके ड्राई फरूट्स लड्डू बन कर तैयार है। अब आप इसे सर्व करें।

कई दिनों से हम जंगल सफारी पर नहीं गए न। तो इस बार सोचा क्यों न हम अफ्रीका ही चलें। यहां कुछ ऐसे वन्य प्राणी हमें देखने को मिले, जो थोड़े से हटकर हैं। हमने जब इन्हें गौर से देखा तो कुछ इतराते हुए से कहने लगे...

हम हैं जरा हटकर!!!

हो गई आपकी तैयारी। अरे भई! बैग पैक करने की नहीं हो रही है। थोड़ा रुकिए, हम आपको इन सबके दर्शन घर पर ही करवाते हैं। इनके बारे में कुछ जानकारी जुटा लें, तभी तो इनसे दोस्ती करने में मजा आएगा। आइए चलते हैं अफ्रीका की जंगल सफारी पर...

बंदरों की रंगीन दुनिया

बंदर भी कई तरह के देखने को मिले। कहीं ब्लैक एंड व्हाइट तो कहीं ब्लू मंकी उछल-कूद कर रहे थे। ये बंदर कोलोबस प्रजाति के होते हैं और ये ओल्ड वर्ल्ड मंकी परिवार से संबंध रखते हैं।

1. काला-सफेद कोलोबस-इसके शरीर का कुछ हिस्सा काला होता है और कुछ सफेद। जैसे पूंछ का अगला हिस्सा सफेद और पिछला हिस्सा काला, चेहरे का रंग काला और बाल सफेद। ये परिवार में रहना पसंद करते हैं। इनके परिवार में एक नर के साथ कई मादाएं और बच्चे भी रहती हैं। मादाओं का कार्य बच्चों की देखभाल करना होता है। ये शाहकारी होते हैं, जो पेड़-पौधों की पत्तियों और फलों पर निर्भर रहते हैं।

2. लाल कोलोबस- लाल कोलोबस लाल, सफेद और काले तीन रंगों के होते हैं। इसके शरीर की बनावट और खान-पान ब्लैक एंड व्हाइट कोलोबस की तरह ही होता है। लेकिन ये बहुत संवेदनशील होते हैं और मनुष्यों की बसाहटों से दूर घने जंगलों में रहते हैं। यह बड़े-बड़े झुंडों में एक साथ रहते हैं और झुंड के सभी नर झुंड की सुरक्षा करते हैं। चिम्पैंजी इनके सबसे बड़े शत्रु होते हैं। इसलिए किसी भी चिम्पैंजी के नजर आते ही नर अपने झुंड को सुरक्षित स्थान पर ले जाता है।

3. नीला बंदर- ये अधिकतर कांगो, अंगोला, और जाम्बिया के जंगलों में पाए जाते हैं। इनके चेहरे का रंग नीला होने की वजह से ही, इन्हें नीला बंदर कहा जाता है। बाकी पूरा शरीर तो काले रंग का होता है, फिर भी उसमें कुछ नीलाभ सा दिखाई देता है।

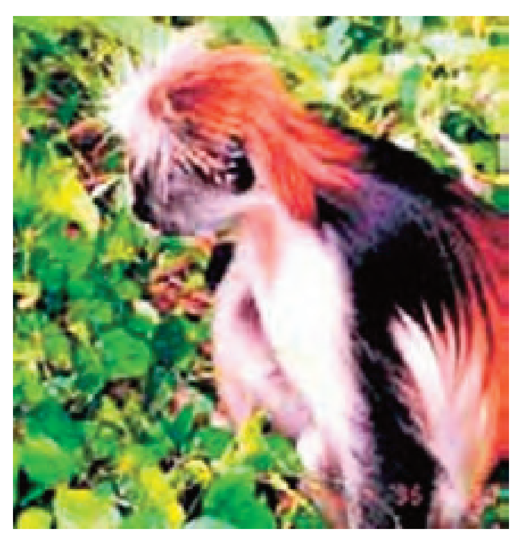

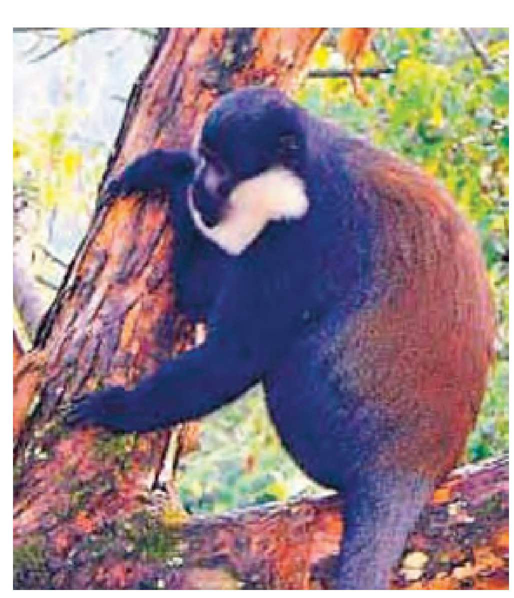

नकलची मिट्ठू

आपने अमूमन तोते हरे रंग के ही देखे होंगे। पर इन महाशय से मिलिए। ये हैं स्लेटी रंग के मिट्ठू महाराज। यह मध्य और पश्चिम अफ्रीकी देशों में पाए जाते हैं। इनकी चोंच काले रंग की, चेहरा और शरीर हल्के स्लेटी रंग का और पूंछ काली होती है। रहवासी इन्हें पालते भी हैं और इनसे बतियाते भी हैं। पक्षी विशेषज्ञों की राय में ये तोते सामान्य तोतों की अपेक्षा ज्यादा बुद्धिमान होते हैं और सीखने की क्षमता भी उत्तम होती है।

कद छोटा और कान लम्बे

देखने में कितनी सुंदर है न यह। फैनेक्स फॉक्स यानी लम्बे कान वाली लोमड़ी। यह उत्तरी अफ्रीका के सहारा रेगिस्तान में पाई जाती है। कद छोटा और कान काफी बड़े हैं इनके। यही बात खास बनाती है इन्हें। यह मांसाहारी प्राणी है, जो उड़ने वाले कीट-पतंगों का शिकार करके अपना पेट भरती है। दो फुट ऊंची छलांग लगाने में सक्षम होती है छोटी लोमड़ी।

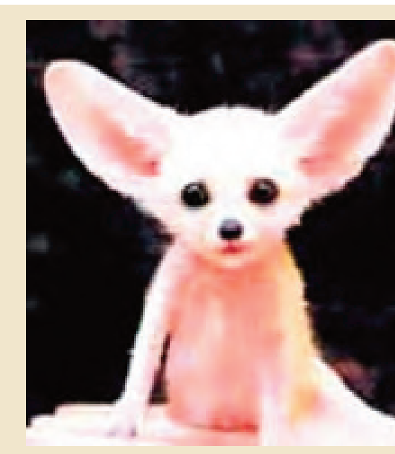

जिराफ या जेब्रा

अच्छा बताइए तो यह कौन-सा जानवर है? घोड़ा भी लग रहा है और जेब्रा भी। सब गलत। यह महाशय हैं ओकापी, जो कांगो के निवासी हैं। इनकी शारीरिक बनावट जिराफ सी है, लेकिन टांगों पर मौजूद धारियों से यह जेब्रा की तरह दिखते हैं। 1900 से पहले इनके बारे में कोई नहीं जानता था। यह 6-8 फुट लम्बा और 5-9 फुट ऊंचा होता है। ये शाकहारी होते हैं।

...मजा आया इस सफारी में न!!!

रंग भरो

बूझो तो जानें!!!

1. भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार कौन-सा है?
2. भारत के द्वितीय नागरिक पुरस्कार का नाम बताइए?
3. सेना के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कार का नाम बताइए?
4. 2006 में गांधी शांति पुरस्कार प्राप्त करने वाले व्यक्ति का नाम बताइए?
5. द्रोणाचार्य पुरस्कार किस क्षेत्र में दिया जाता है?
6. ज्ञानपीठ पुरस्कार किस क्षेत्र में प्रदान किया जाता है?
7. अभी-अभी किशोर कुमार पुरस्कार से किसे सम्मानित किया गया?
8. राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार किस वर्ष से शुरुआत हुई?
9. हिमालय में आंसू के आकार तालाब स्थित है, उसका नाम बताइए?
10. जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी किस शहर में स्थित है?
11. वनरानी टॉय ट्रेन भारत के किस राज्य में चलती है?
12. महाराष्ट्र का बेरार जिला क्यों प्रसिद्ध है?

उत्तर-1.भारत रत्न, 2.- पद्म विभूषण, 3.- परमवीर चक्र, ४.- शबाना आजमी, 5. - सर्वोच्च कोच, 6. - साहित्य के क्षेत्र में, 7. - सलीम खान, 8. १९५४, 9. नैनीताल, 10. नई दिल्ली, 11. मुंबई, 12. कॉटन के लिए

कविता

सब्जीमंडी में मची है धूम

गाजर की जब से हुई है शादी,
सुनकर मूली हो गई है आधी।

टमाटर घूमे गाल फुलाए,
प्याज उसको पसंद न आए।

टिंडे के घर टीवी आया,
आलू को यह न सुहाया।

कद्दू दिन-दिन पसर रहा है,
डायटिंग करने से डर रहा है।

मिर्ची को जब गुस्सा आया,
उसने लौकी को काट खाया।

शकरकंद से भिड़ गई शलजम,
ढोल बजाए गोभी ढम-ढम।

नेपाल में संदिग्ध गतिविधि के आरोप में 4 चीनी नागरिक गिरफ्तार, सभी व्यावसायिक वीज़ा पर आए

काठमांडू, 15 नवंबर (एजेंसियां)। व्यावसायिक वीज़ा पर नेपाल में रहते संदिग्ध गतिविधि संचालित करने के आरोप में चार चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। अध्यागमन विभाग के प्रवक्ता टीकाराम ढकाल के अनुसार, शुक्रवार को एक महिला तथा तीन पुरुषों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें काठमांडू के सोह्लखुट्टे क्षेत्र से नियंत्रण में लिया गया। यह स्थान बड़ी संख्या में चीनी नागरिकों के रहने के कारण 'चाइनीज हाउजिंग' नाम से भी जाना जाता है।

गिरफ्तार चीनी नागरिकों के पास व्यावसायिक वीज़ा होने के बावजूद वे अपने व्यवसाय, कंपनी के नाम और उससे संबंधित किसी भी जानकारी का विवरण प्रस्तुत करने में असमर्थ पाए गए। प्रारंभिक जाँच में यह खुलासा हुआ है कि ये लोग आर्थिक रूप से कमजोर नेपाली युवतियों को नौकरी का प्रलोभन देकर सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म टिकटक पर वीडियो बनाने के लिए प्रेरित करते थे तथा टिकटक के माध्यम से अन्य चीनी नागरिकों से मित्रता कर विवाह करवाने की कोशिश करते थे।

अध्यागमन विभाग ने जानकारी दी कि कुछ युवतियों को चीन ले जाकर विवाह कराने के बहाने चीन भी भेजा गया था। इसके अतिरिक्त, घर किराए पर लेकर नेपाली युवतियों को रखा जाता था और उन्हें विभिन्न देशों में ले जाया जाता था। नियंत्रण में लिए गए दो व्यक्तियों के बारे में यह भी पता चला है कि वे पिछले 10 वर्षों से नेपाल में पर्यटक, छात्र और व्यावसायिक वीज़ा पर रह रहे थे। वीज़ा जाँच के दौरान वे पासपोर्ट और वीज़ा प्रस्तुत करने में विफल रहे तथा अध्यागमन और सुरक्षा अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया।

नेपाल के अध्यागमन कानून के अनुसार, विदेशियों के प्रवेश, उपस्थिति और प्रस्थान से संबंधित कागजातों की जाँच किसी भी समय और स्थान पर की जा सकती है तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें हिरासत में लिया जा सकता है। अध्यागमन नियमावली के तहत विदेशी नागरिक जिस उद्देश्य के लिए वीज़ा प्राप्त करता है, उसके अतिरिक्त किसी अन्य गतिविधि में संलग्न नहीं हो सकता।

न्यूज ब्रीफ

बड़ा खुलासा: कंगाल पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर ने ट्रंप के तलवे चाटने के लिए करोड़ों उड़ाए

न्यूयार्क। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चौपट है। गरीबी और कंगाली से जूझ रहे इस देश के सेना प्रमुख

आसिम मुनीर ने व्हाइट हाउस तक पहुंचने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तलवे चाटने के लिए करोड़ों रुपए उड़ा दिए। इस खुलासा एक अमेरिकी अखबार ने किया है। अखबार ने दावा किया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच जंग और उसमें डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका से लेकर नोबल पुरस्कार के लिए सिफारिश तक, सब कुछ धंधे का खेल है। रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तान ने व्हाइट हाउस तक अपनी पैठ बनाने में उसने करोड़ों डॉलर उड़ा दिए हैं। पाकिस्तान ने अप्रैल से लेकर मई तक यानि 2 महीने के अंदर लाखों-करोड़ों डॉलर उड़ा दिए, ताकि उन्हें व्हाइट हाउस में भारत से ज्यादा एक्सेस मिल सके। बता दें कि ये वही समय था, जब भारत में पहलगाम में पाकिस्तान के पाले आतंकियों ने हमला किया था और जबह भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तो पाकिस्तान के कहने पर डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर कराने में अपनी ताकत झोंक दी। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने जो करोड़ों डॉलर लॉबींग यानि अपनी हवा बनाने में खर्चा किए हैं, उसकी का नतीजा है कि अमेरिका में पॉलिसी शिफ्टिंग दिखाई दे रही है। जो अमेरिका आतंकवादी देश मानकर पाकिस्तान को फंडिंग देना भी बंद कर चुका था, वो उससे बड़ी-बड़ी डील कर रहा है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख की मेजबानी कर रहा है। पाकिस्तान और डोनाल्ड ट्रंप के बीत रिश्ते अगर ठीक हुए हैं, तो ये पाकिस्तान के भारी-भरकम खर्चे और बेपनाह चापलूसी की कीमत पर हुआ है। जिस पाकिस्तान में अपनी अवाम को रोटी खिलाने के पैसे नहीं हैं, जो अपनी अंदरूनी सुरक्षा करने में नाकाम है, उसने कर्जे के पैसे को कूटनीति पर खर्चा कर दिया। रिपोर्ट बताती हैं कि अप्रैल-मई में सबसे ज्यादा पैसे पाकिस्तान ने लॉबी बनाने में उड़ाए हैं। इतना ही नहीं दावा ये भी किया गया है कि भारत इस काम में जितने पैसे खर्च करता है, पाकिस्तान ने उसका तीन गुना खर्चा वॉशिंगटन तक पहुंच बनाने में उड़ाए हैं। इसी का असर है कि डोनाल्ड ट्रंप सीजफायर-सीजफायर का पहाड़ा आज तक रट रहे हैं और पाकिस्तान डोनाल्ड ट्रंप को दुनिया का सबसे महान इंसान बताता है।

बांग्लादेश में पूर्व पीएम शेख हसीना के खिलाफ 17 को तय होगी सजा

ढाका। बांग्लादेश में पूर्व पीएम शेख हसीना के खिलाफ सभी मामलों में सजा सुनाने की तारीख

इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल ने तय कर दी है। आईसीटी शेख हसीना के मामले में 17 नवंबर को सजा सुनाएगी। गौरतलब है कि शेख हसीना की सरकार जुलाई 2024 में गैर-लोकतांत्रिक तरीके से गिरा दी गई थी। इसके बाद शेख हसीना ने अपना देश छोड़ कर भारत आ गई थीं। इस बीच उनके ऊपर हत्या और साजिश के आरोप लगाए गए हैं। हसीना के खिलाफ दर्जनों मुकदमे दर्ज किए गए हैं। जुलाई 2024 में बांग्लादेश में छात्र आंदोलन शुरू हुआ, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। इसी कथित छात्र आंदोलन की आड़ में शेख हसीना की सरकार को गिराया गया। इसके बाद अगस्त 2024 में पूर्व पीएम शेख हसीना बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गईं। इसके बाद ही बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार का गठन हुआ। वहीं यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में हुई हिंसा में करीब 1,400 लोगों की मौत हो गई थी। हसीना की तत्कालीन सरकार पर हत्या, अपराध रोकने में नाकामी और मानवता के खिलाफ अपराध के अलावा छात्रों को गिरफ्तार कर टॉर्चर करने, एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किलिंग, फायरिंग, और लीथल फोर्स का इस्तेमाल करने का आदेश देने समेत तमाम आरोप लगे हैं।

पाकिस्तान में 2.5 करोड़ बच्चे स्कूल से वंचित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान शिक्षा संस्थान (पीआईई) की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में 2.5

करोड़ से ज्यादा बच्चे वर्तमान में स्कूल से वंचित हैं। इनमें से 2 करोड़ बच्चे कभी स्कूल ही नहीं गए। सबसे ज्यादा दर्दनाक बात ये है कि स्कूलों में नामांकित न होने वालों में 1,084 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। प्रांत वार आंकड़े जुटाए गए हैं, जिसमें सबसे ज्यादा बुरा हाल पंजाब का है। यहां 96 लाख बच्चे स्कूल से बाहर हैं, जिनमें 47 लाख लड़के और 48 लाख लड़कियां हैं। वहीं, सिंध में 78 लाख बच्चे शिक्षा से वंचित हैं, जिनमें लड़कों की संख्या 37 लाख और लड़कियों की 40 लाख है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में 49 लाख बच्चे नामांकित नहीं हैं, जिनमें 20 लाख लड़के और 29 लाख लड़कियां शामिल हैं।

सारी बर्फ पिघल जाए तो बढ जाएगा समुद्र का 70 मीटर स्तर

वाशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। यदि धरती पर मौजूद सभी ग्लेशियर, हिमखंड और ध्रुवीय बर्फ की चादरें एक साथ पिघल जाएँ, तो समुद्र का स्तर लगभग 70 मीटर तक बढ़ जाएगा। यह पूरी मानव सभ्यता के लिए एक बड़ा खतरा होगा। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस स्थिति के वास्तविक होने में सैकड़ों साल लग सकते हैं, लेकिन तेजी से बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन ने इसे अब अधिक संभावित बना दिया है। समुद्र का बढ़ता स्तर केवल जमीन को पानी में डुबोने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर पर्यावरण, पारिस्थितिकी तंत्र और मानव जीवन के हर पहलू पर गहरा होगा। भारत में तटीय क्षेत्रों को सबसे पहले खतरा होगा। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल के तटीय इलाके धीरे-धीरे पानी में समा जाएंगे। कोलकाता, चेन्नई, विशाखापट्टनम, कोच्चि और कटक जैसे बड़े शहर पूरी तरह डूब सकते हैं। इसके अलावा, गुजरात के कच्छ क्षेत्र, जो पहले से ही समुद्र के नजदीक है, भी पूरी तरह पानी में डूब सकता है। इस बदलाव से करोड़ों लोगों की आजीविका प्रभावित होगी, हजारों गांव और कस्बे पानी में समा जाएंगे और तटीय कृषि, मछली पकड़ने और व्यापार प्रभावित होंगे। दुनिया भर के बड़े तटीय शहर भी इस स्थिति का शिकार होंगे। न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा, एम्स्टर्डम, सैन फ्रांसिस्को और शंघाई जैसे शहर समुद्र में डूब जाएंगे। इसके साथ ही, छोटे द्वीप जैसे मालदीव, फिजी और श्रीलंका का अस्तित्व पूरी तरह मिट जाएगा। समुद्र का बढ़ता तापमान और खारापन समुद्री जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा। कोरल रीफ, जो समुद्री पारिस्थितिकी का अहम हिस्सा हैं, नष्ट हो जाएंगे। मछलियों और अन्य समुद्री जीवों की संख्या में तेज गिरावट आएगी, जिससे समुद्री भोजन की आपूर्ति और भोजन श्रृंखला प्रभावित होगी। सारी बर्फ पिघलने से जलवायु परिवर्तन की गति और तेज हो जाएगी। तापमान इतना बढ़ जाएगा कि धरती के कुछ हिस्से रहने लायक नहीं रहेंगे। बाढ़, सूखा, तूफान और अत्यधिक गर्मी जैसी प्राकृतिक आपदाएं लगातार बढ़ेंगी। मानव समाज पर इसका असर विनाशकारी होगा। लाखों लोग अपने घर, जमीन और रोजगार खो देंगे और बड़े पैमाने पर क्लाइमेट माइग्रेशन (जलवायु पलायन) शुरू होगा। देशों के बीच सीमाएं बदलेंगी और संसाधनों को लेकर संघर्ष बढ़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह परिदृश्य तुरंत नहीं होगा, लेकिन ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरणीय दबावों के वर्तमान रुझानों को देखकर इसे पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

अमेजन के घने जंगलों के बीच जलवायु परिवर्तन सम्मेलन शुरू..........गर्म हो रही धरती पर होगा चिंतन

बेलेम। अमेजन के घने जंगलों के बीच बसे शहर बेलम में संयुक्त राष्ट्र का जलवायु परिवर्तन सम्मेलन सीओपी 30 गत 10 नवंबर को शुरू हो चुका है। यह गर्म हो रही धरती के बढ़ते तापमान को थामने का एक प्रयास है। इसमें स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने, बाढ़, सूखा, तूफान सहित चरम मौसम घटनाओं से निपटने के लिए सहन क्षमता निर्माण और देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने जैसे समाधानों की पुकार लगाई गई है। जलवायु परिवर्तन से भारत सहित पूरी दुनिया जूझ रही है। इस बार की बैठक में तीन शब्द बार-बार गूंजे....फॉसिल फ्यूल्स, फाइनेंस और फॉरेस्ट। दुनिया को ग्लोबल वार्मिंग से बचाने के लिए फॉसिल फ्यूल यानी लकड़ी, कोयला, पेट्रोल छोड़ने, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों जैसे हीट वेव्स, बाढ़, तूफ़ान, बादल फटने से बेघर हुए लोगों और बर्बाद हुए शहरों को क्लाइमेट रेसिलिएंट फंडिंग बढ़ाने और जंगल बचाने पर दुनिया एकजुट हुई है। सीओपी 30 में पेश की गई नई रिपोर्ट क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 ने फिर याद दिलाया है कि जलवायु संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की कहानी है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 1995 से 2024 के बीच दुनिया भर में 9,700 से अधिक चरम मौसम की घटनाओं में 8,32,000 लोगों की मौत हुई और 4.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (मुद्रास्फीति समायोजित) का आर्थिक नुकसान हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, साल 1995 से 2024 के बीच बार बार भारत पर क्लाइमेट का वार हो रहा है और चरम मौसम की घटनाओं से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की नई रिपोर्ट ने चेताया है कि विकासशील देशों को साल 2035 तक हर साल करीब 310 अरब डॉलर की ज़रूरत होगी ताकि वे जलवायु प्रभावों से खुद को बचा सकें। लेकिन हकीकत यह है कि साल 2023 में यह मदद सिर्फ़ 26 अरब डॉलर रही, यानि जरूरत और मदद के बीच अब 12 से 14 गुना का फासला है। ब्राजील और अजरबैजान ने मिलकर बाकू-टू-बेलेम रोडमैप जारी किया, एक ऐसी योजना जो साल 2035 तक 1.3 ट्रिलियन डॉलर के क्लाइमेट फाइनेंस को जुटाने का खाका पेश करती है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा ने उद्घाटन भाषण में कहा, दुनिया को अब जीवाश्म ईंधन की लत छोड़नी होगी। हमें ऐसी ऊर्जा व्यवस्था बनानी होगी जो टिकाऊ भी हो और सस्ती भी। कॉप 30 के पहले दिन ही ब्राजील ने जंगल बचाने का अब तक का सबसे बड़ा कदम उठाते हुए एक ऐतिहासिक पहल शुरू की।

नेपाल-चीन व्यापारिक नाकों पर कड़ाई : नेपाली व्यापारी परेशान

काठमांडू, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

नेपाल-चीन व्यापारिक नाकों पर चीन की कड़ाई के कारण नेपाली कंटेनर समय पर नेपाल वापस न आ पाने के कारण नेपाली व्यवसायी परेशान हैं। एक नाका बंद होने और चीन से भी आने वाले कंटेनरों की संख्या में कमी आने की वजह से भी व्यापार प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहा है।

नेपाल के व्यवासियों ने यह शिकायत की है। उल्लेखनीय है कि गत जुलाई की बाढ़ के बाद से रसुवागढ़ी नाका पूर्ण रूप से बंद है, जबकि तातोपानी नाका को लंबे समय बाद संचालन में लाया गया है। मुस्तांग स्थित कोरला नाका खुलने के बावजूद, व्यापारी प्रमुख रूप से खाद्यान्न, वस्त्र, फलफूल सहित अन्य सामग्री रसुवागढ़ी व तातोपानी नाकों से ही आयात करते रहे हैं। कोरला नाका खुलने के साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का आयात भी शुरू हुआ है।

व्यवसायियों का कहना है कि वर्तमान स्थिति में तातोपानी नाका से अपेक्षित संख्या में कंटेनर नेपाल नहीं आ पा रहे। उनके अनुसार रसुवागढ़ी नाका बंद होने के चलते तातोपानी नाका पर अत्यधिक भीड़भाड़ हो रही है, जिससे और समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।

एक व्यापारी ने बताया कि पहले दो नाके चालू थे। एक दिन में एक नाके से 25-30 कंटेनर आते थे, यानी दोनों से मिलकर 60-70 कंटेनर आते थे। अब केवल एक नाका चलने के कारण भीड़ बढ़ी है और संभवत: इसी वजह से देरी हो रही है। आयात में देरी से परिवहन लागत और किराया भी बढ़ गया है।

उधर, तातोपानी भंसार कार्यालय के अधिकारी एवं सूचना अधिकारी रमेश बहादुर शाह ने कहा कि हाल ही में चीन की ओर से बहुत कम संख्या में कंटेनर नेपाल में प्रवेश कर रहे हैं। उनके अनुसार वर्तमान में औसतन प्रतिदिन 13 से 15 कंटेनर ही नेपाल पहुँच पा रहे हैं।

एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम को लेकर ट्रंप के सहयोगी ला रहे विधेयक....भारतीय पेशेवरों पर असर

न्यूयार्क। एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम को समाप्त करने के लिए अमेरिका में लाए जा रहे एक प्रस्तावित विधेयक का भारतीय पेशेवरों पर संभावित रूप से बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन यह विधेयक संसद में पेश करने की तैयारी कर रही हैं। इस विधेयक का लक्ष्य एच1बी कार्यक्रम को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करके अमेरिकी कर्मचारियों के बड़े पैमाने पर विस्थापन को खत्म करना है। सांसद ग्रीन का आरोप है कि बड़ी टेक कंपनियां, एआई दिग्गज, अस्पताल और अन्य उद्योग अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने और उनके लाभों को कम करने के लिए एच-1बी सिस्टम का दुरुपयोग कर रहे हैं। यह कदम भारतीय पेशेवरों के लिए अशुभ संकेत है, जो इस अस्थायी वर्क वीज़ा के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। एच-1बी वीज़ा का उपयोग अक्सर ग्रीन कार्ड और अमेरिकी नागरिकता की ओर बढ़ने के मार्ग के रूप में भी किया जाता है।

भारत से खरीदी ब्रह्मोस मिसाइल को फिलीपींस ने चीन के खिलाफ तैनात किया

बीजिंग, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने के बाद फिलीपींस ने उस मिसाइल को चीन की तरफ मुंह मोड़कर तैनात किया है। फिलीपींस की तरफ से वीडियो जारी किया है, जिसमें घातक ब्रह्मोस एंटी-शिप क्रूज मिसाइल का प्रदर्शन किया है। ये पहली बार है जब फिलीपींस ने ब्रह्मोस मिसाइल का सार्वजनिक प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिलीपीन मरीन कॉर्प्स ने कथित तौर पर ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों से लैस एक नई एंटी-शिप मिसाइल यूनिट का अनावरण किया है।

जारी वीडियो में, प्रत्येक लॉन्चर दो ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस दिखाई दे रहा था, जबकि रीलोडिंग कैरियर में चार अतिरिक्त मिसाइलें थीं। फिलीपींस की तटीय रक्षा रेजिमेंट ने बताया है, कि प्रत्येक फिलीपीन मरीन कॉर्प्स ब्रह्मोस बैटरी में दो मोबाइल ऑटोनॉमस लॉन्चर, एक रडार वाहन, एक मिसाइल रीलोडर और एक कमांड और कंट्रोल ट्रक होगा।

फिलीपींस ने वीडियो को तब जारी किया है, जब चीन ने हैनान प्रांत के सान्या में आयोजित कार्यक्रम में फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर को नौसेना में शामिल किया है। चीन में ही बने फ्लैटटॉप एयरक्राफ्ट कैरियर को नौसेना में शामिल करने को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी बलों की क्षमता में एक बड़े एडवांसमेंट के रूप में देखा जा रहा है। फिलीपींस ने ब्रह्मोस मिसाइल के तट-आधारित, जहाज-रोधी वैरिएंट की तीन बैटरियों के लिए भारत के साथ 375 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। भारत के अलावा ब्रह्मोस मिसाइल का इस्तेमाल करने वाला फिलीपींस दूसरा देश है।

बता दें कि ब्रह्मोस मिसाइस की पहली खेप को भारत ने फिलीपींस को सौंपा था, वहीं दूसरी खेप 2025 के अप्रैल में पहुंची है। तीसरी खेप अगले महीने सौंपने की संभावना है। फिलीपींस मरीन कॉर्प्स ने ब्रह्मोस को जाम्बालेस स्थित नौसैनिक ठिकाने पर तैनात किया है, जो स्कारबोरो शोअल से महज 220 किलोमीटर दूर है। ये वही इलाका जहां चीन ने 2012 में कब्जा किया था। यह रणनीतिक दूरी मिसाइल की 290 किमी की रेंज के भीतर है, यानी जरूरत पड़ने पर चीन की कोस्ट गार्ड या मिलिशिया नौकाओं को सीधे निशाने पर लिया जा सकता है।

ब्रह्मोस की सबसे बड़ी ताकत उसकी गति है। इसके अलावा इसमें 200-300 किलो वॉरहेड क्षमता है, जो दुश्मन को पलटवार का मौका ही नहीं देती। इसकी टर्मिनल फ्लाइट प्रोफाइल बेहद कम ऊंचाई (सिर्फ 10 मीटर) पर होती है, जिससे रडार पर पकड़ना लगभग असंभव हो जाता है। इसी वजह से इसे गेम-चेंजर कहा जा रहा है। चीन के पास ऐसा कोई एयर डिफेंस सिस्टम नहीं है, जो ब्रह्मोस को इंटरसेप्ट कर सके।

कई स्किन लाइटनिंग क्रीम्स में मरकरी की मात्रा खतरनाक स्तर तक

वाशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कई स्किन लाइटनिंग क्रीम्स में मरकरी की मात्रा कानूनी सीमा से हजार गुना अधिक पाई गई है। यह वही जहरीला तत्व है जो किडनी, लिवर और नर्वस सिस्टम को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। यह खुलासा जीरो मरकरी वर्किंग ग्रुप (झेडएमडब्ल्यूजी) की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के कई देशों में ऑनलाइन बिकने वाली क्रीम्स में अवैध रूप से मरकरी मिलाया जा रहा है। जांच में शामिल 31 क्रीम्स में से 25 में मरकरी का स्तर 1 पार्ट पर मिलियन (पीपीएम) की तय सीमा से हजारों गुना ज्यादा पाया गया। भारत की संस्था टॉक्सिक्स लिंक ने भारत, पाकिस्तान और थाईलैंड में बनी 8 क्रीम्स की जांच की, जिनमें से 7 में मरकरी का स्तर 7331 पीपीएम से लेकर 27431 पीपीएम तक पाया गया। यह मात्रा इतनी अधिक है कि किसी व्यक्ति की जान भी जा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में ऐसे उत्पाद बहुत कम हैं, क्योंकि वहां कानून बेहद सख्त हैं। जबकि भारत जैसे देशों में अनियंत्रित ऑनलाइन मार्केटप्लेस पर ये क्रीम्स धड़ल्ले से बिक रही हैं। 2023 से अब तक मरकरी वाली क्रीम्स के इस्तेमाल से कई लोगों में किडनी फेल्योर के मामले सामने आ चुके हैं। महाराष्ट्र के अकोला जिले में एक ही परिवार की तीन महिलाओं की किडनी खराब होने का कारण भी ऐसी ही क्रीम्स बताई गई थीं। विशेषज्ञों का कहना है कि मरकरी एक हैवी मेटल है, जो त्वचा, लिवर और किडनी के लिए बेहद खतरनाक है। इसे क्रीम्स में इसलिए मिलाया जाता है क्योंकि यह मेलेनिन बनने की प्रक्रिया को रोक देता है। मेलेनिन त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाता है और उसका रंग निर्धारित करता है। मरकरी अस्थायी रूप से स्किन को गोरा दिखाता है, लेकिन धीरे-धीरे यह त्वचा की सुरक्षा परत को कमजोर कर देता है। इससे लालपन, खुजली, दाग-धब्बे, झुनझुनी और बाल झड़ने जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। लंबे समय तक मरकरी वाली क्रीम्स का इस्तेमाल नेफ्रोटिक सिंड्रोम जैसी बीमारियों को जन्म दे सकता है, जिससे किडनी फेल्योर, सिरदर्द, कंपन और नसों में सूजन हो सकती है। मरकरी त्वचा के जरिए शरीर में प्रवेश कर खून के माध्यम से अंगों तक पहुंच जाता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार, अगर किसी क्रीम के लेबल पर कोलोमेल, सिन्नाबारिस, हाइड्रागायरी आक्सीडम रुबरुम क्वीकसिल्वर, मरक्यूरीक लिखा है, तो उसमें मरकरी मौजूद होता है। ऐसी क्रीम्स से दूरी बनाना ही सुरक्षित है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि किसी भी स्किन प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से पहले डर्मेटोलॉजिस्ट से परामर्श लें और केवल प्रमाणित ब्रांड्स के उत्पादों का ही उपयोग करें। मालूम हो कि सुंदर और गोरी त्वचा पाने की चाहत में लोग तरह-तरह की स्किन लाइटनिंग क्रीम्स का इस्तेमाल करते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया पर बिकने वाली इन क्रीम्स के दावे भले ही आकर्षक हों।

पहला एशेज टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया को लगा बड़ा झटका, जोश हेज़लवुड पहले टेस्ट से बाहर

मेलबर्न, 15 नवंबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया की एशेज तैयारी को एक और बड़ा झटका लगा है। नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी के बाद अब अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड भी पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। सप्ताह की शुरुआत में मामूली समस्या मानी जा रही उनकी चोट अब गंभीर साबित हुई है।

शुक्रवार को कराई गई दोबारा स्कैन रिपोर्ट में हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन की पुष्टि हुई। बुधवार को हुए शुरुआती स्कैन में मांसपेशियों में क्षति नहीं दिखी थी, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार शुरुआती स्कैन अक्सर लो-ग्रेड चोटों को कम करके आंक सकते हैं। इसी कारण हेज़लवुड पर्थ नहीं जा पाएंगे।

उनकी अनुपस्थिति में माइकल नेसर को पहले टेस्ट की टीम में शामिल किया गया है। क्वींसलैंड के इस सीमर को न सिर्फ हेजलवुड बल्कि शॉन एबॉट के कवरेज के रूप में बुलाया गया है, जो न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया के बीच शील्ड मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से जूझ रहे हैं।

नेसर, जिन्होंने 2021 एशेज़ में एडिलेड में अपना टेस्ट डेब्यू किया था और अब तक दो टेस्ट खेले हैं, अचानक तेज़ गेंदबाज़ी विभाग में आई कमी को पूरा करने के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया की तेज़ गेंदबाज़ी इकाई इस समय गंभीर रूप से चोटों से प्रभावित है। शॉन एबॉट, लांस मॉरिस, झाय रिचर्डसन, स्पेंसर जॉनसन और कमिंस-हेज़लवुड सभी किसी न किसी चोट के कारण बाहर हैं। ऐसे में 31 वर्षीय ब्रेंडन डॉगेट के डेब्यू की संभावना बेहद मजबूत हो गई है। डॉगेट ने हाल ही में हैमस्ट्रिंग की हल्की चोट से उबरते हुए इस सीज़न में 13 शील्ड विकेट 14.69 की औसत से लेकर चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है।

उधर कप्तान पैट कमिंस एससीजी में पुनर्वास जारी रखे हुए हैं और उनका लक्ष्य 4 दिसंबर से गाबा में शुरू होने वाले दूसरे एशेज़ टेस्ट के लिए फिट होना है।

न्यूज़ ब्रीफ

श्री हनुमान कप 2025 स्टेट लेवल प्राइजमनी मेंस हॉकी टूर्नामेंट लखनऊ में 17 नवंबर से

लखनऊ। वीर शिवाजी हॉकी अकादमी लखनऊ की ओर से श्री हनुमान कप 2025 स्टेट लेवल प्राइजमनी मेंस हॉकी टूर्नामेंट (नाक आउट आधार पर) का आयोजन 17 नवंबर से 21 नवंबर तक पद्मश्री मोहम्मद शाहिद एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम विजयंत खंड गोमतीनगर लखनऊ में किया जा रहा है। इसका उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर करेंगे। उत्तर प्रदेश खेल निदेशक डॉक्टर आरपी सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। उप्र राज्य सेवा अधिकरण के सदस्य अनिल कुमार पाठक विशिष्ट अतिथि होंगे। उद्घाटन अपराह्न दो बजे होगा। अकादमी के अध्यक्ष गौरव अवस्थी ने बताया कि इस टूर्नामेंट में आठ टीमें प्रतिभाग करेंगी। इनमें स्टेट हास्टल बनारस, स्टेट हास्टल झांसी, स्टेट हास्टल लखनऊ , स्टेट हास्टल रामपुर, स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई, गुरु गोविंद सिंह स्पोर्टर्स कॉलेज लखनऊ, भारतीय खेल प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश पुलिस की टीमें शामिल हैं।

मेसी-लौतारो की बदौलत अर्जेंटीना ने अंगोला को 2-0 से हराया

पेरिस। लियोनल मेसी ने एक गोल दागा और एक गोल में अहम योगदान दिया, जिसकी बदौलत विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने शुक्रवार को खेले गए अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मैच में अंगोला को 2-0 से मात दी। मेसी ने 44वें मिनट में लौतारो मार्टिनेज को पास देकर टीम को बढ़त दिलाई। 82वें मिनट में भूमिकाएं बदलीं—इस बार मार्टिनेज ने शानदार असिस्ट दिया और मेसी ने गेंद को दूर कोने में शॉट लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया। दोनों खिलाड़ियों को दूसरे हाफ के अंतिम चरण में बदल दिया गया। विश्व रैंकिंग में स्पेन के बाद दूसरे स्थान पर मौजूद अर्जेंटीना और उससे 87 स्थान नीचे खड़ी अंगोला के बीच यह परिणाम अपेक्षित था। मुकाबला राजधानी लुआंडा के '11 नवंबर स्टेडियम' में अंगोला की स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। अर्जेंटीना ने 2026 विश्व कप क्वालिफिकेशन में 12 मैच जीते, दो ड्रॉ खेले और चार में हार का सामना किया, कुल 38 अंकों के साथ शीर्ष पर रहते हुए क्वालिफाई किया। दूसरी ओर, अंगोला जिसने आखिरी बार 2006 जर्मनी विश्व कप खेला था, 2026 क्वालिफायर में केवल दो मैच जीत सकी और ग्रुप विजेता केप वर्डे से 11 अंक पीछे रहकर बाहर हो गई।

क्रोएशिया ने विश्व कप में बनाई जगह

रिजेका। क्रोएशिया ने विश्व कप क्वालीफायर के नौवें दौर में फरो आइलैंड्स को 3-1 से हराकर जीत दर्ज की। इस जीत के साथ क्रोएशिया ने 2026 विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। मैच के 16वें मिनट फरो आइलैंड्स ने मुकाबले में बढ़त हासिल कर ली थी। गेजा डेविड तुरी ने मिडफील्ड में ब्रेक का फायदा उठाते हुए एक तेज शॉट लगाया, जो क्रोएशिया के गोलकीपर के पास से निकल गया। हालांकि, क्रोएशिया ने परिपक्वता और सटीकता के साथ कुछ ही देर में इस गोल का जवाब दिया। सात मिनट बाद, डिफेंडर जोस्को ग्वार्डिओल ने कोने में शॉट मारकर मैच 1-1 की बराबरी पर ला दिया। 23वें मिनट तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर था। यहां से क्रोएशिया ने मिडफील्ड में खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। मुकाबले के 57वें मिनट जोसिप स्टैनिसिक ने दाईं ओर से आगे बढ़कर पेटार मूसा को एक शानदार पास दिया। मूसा ने चतुराई से गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और गोलकीपर के ऊपर से शॉट लगाया। इसी के साथ क्रोएशिया ने 2-1 से बढ़त हासिल कर ली। यह साल 2023 के बाद उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल था। मैच के दूसरे हाफ के बीच में ही उस वक्त मैच का निर्णायक मोड़ आ गया, जब इवान पेरिसिक ने बाईं ओर से एक कर्लिंग क्रॉस दिया, जिसे निकोला व्लासिक ने एक नियंत्रित साइड-फुट फिनिश के साथ गोलपोस्ट के अंदर पहुंचाया और 3-1 से जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ क्रोएशिया ग्रुप एल में शीर्ष पर पहुंच गया है। टीम के पास एक मैच शेष है। फरो आइलैंड्स अपने सभी 8 मैच खेल चुका है।

कोलकाता टेस्ट: दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा का कहर दक्षिण अफ्रीका ने 93 रन पर 7 विकेट गंवाए

कोलकाता, 15 नवंबर (एजेंसियां) । कोलकाता के ईडन गार्डन में दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच खेला जा रहा टेस्ट मैच दूसरे दिन की समाप्ति तक भारत के पक्ष में झुका हुआ नजर आ रहा है। दूसरे दिन की समाप्ति के समय दक्षिण अफ्रीका ने 93 रन पर अपने 7 विकेट खो दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका की कुल बढ़त फिलहाल 63 रन है। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में अपने 7 विकेट खो दिए हैं। कप्तान टेंबा बवुमा 78 गेंद पर 3 चौके की मदद से 29 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। टेंबा का विकेट गिर गया होता, तो दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी भी समाप्त हो चुकी होती। बवुमा के साथ कॉर्बिन बोश 1 रन बनाकर खेल रहे हैं। रेयान रिकल्टन 11, मार्करम 4, वियान मुल्डर 11, मार्को यानसेन 13 रन बनाकर आउट हुए।ईडन गार्डन की पिच पूरी तरह स्पिनरों को मदद दे रही है। दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी के 7 में से 4 विकेट रवींद्र जडेजा, 2 विकेट कुलदीप यादव और 1 विकेट अक्षर पटेल को मिला है।

पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह दूसरी पारी में एक भी विकेट नहीं ले सके हैं।इससे पहले भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 189 रन पर सिमट गई। कप्तान शुभमन गिल चोट की वजह से रिटायर हर्ट हुए। केएल राहुल ने 39, वाशिंगटन सुंदर ने 29, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने 27-27 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 14 और अक्षर पटेल ने 16 रन बनाए। पहली पारी के आधार परदक्षिण अफ्रीका के लिए सिमोन हार्मर ने 4, केशव महाराज और कॉर्बिन बोश ने 1-1 विकेट लिए। मार्को यानसेन ने 3 विकेट लिए।दक्षिण अफ्रीका अपनी पहली पारी में 159 रन पर सिमट गई थी। जसप्रीत बुमराह ने 5, सिराज और कुलदीप यादव ने 2-2 और अक्षर पटेल को 1 विकेट मिला था।

शतक के बाद विराट स्टाइल का जश्न, फैंस ने किया बाबर को ट्रोल

नई दिल्ली। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में 807 दिनों के लंबे शतक के सूखे को खत्म करते हुए 102 रनों की नाबाद पारी खेली। शतक के बाद बाबर ने जो सेलिब्रेशन किया, उसने सुर्खियां बटोर लीं। उन्होंने मैदान पर वही अंदाज अपनाया जो टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 2022 में अफगानिस्तान के खिलाफ अपने 71वें शतक के दौरान दिखाया था। बाबर आजम लंबे समय से विराट कोहली के बड़े फैन रहे हैं और अक्सर उनके खेल और अंदाज की नकल करते नजर आते हैं। इस बार भी शतक के जश्न में उन्होंने कोहली के स्टाइल को दोहराया, जिसमें सेलिब्रेशन के दौरान लॉकेट चूमना और स्वर्ग की ओर इशारा करना शामिल था। बाबर का यह अंदाज सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया और कुछ फैंस ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, 'बाबर आजम ने अब विराट कोहली के 71वें शतक का जश्न भी कॉपी कर लिया। इस जोकर के पास अपना कुछ नहीं है, पूरा करियर विराट की नकल करते हुए ही बीता।' वहीं एक अन्य ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'लेकिन वह विराट के 82 अंतरराष्ट्रीय शतकों का रिकॉर्ड कैसे कॉपी कर सकते हैं' कुछ फैंस ने बाबर के युवा टीम साथियों के भी अन्य खिलाड़ियों के जश्न की नकल करने की आदत की ओर इशारा किया। हालांकि, बाबर आजम के फैंस का कहना है कि उनका सेलिब्रेशन सिर्फ कोहली के प्रति सम्मान और आदर जताने का तरीका था। कई लोगों ने इसे प्रेरक और भावनात्मक कदम बताया, क्योंकि 807 दिन के लंबे अंतराल के बाद शतक बनाना किसी भी बल्लेबाज के लिए बड़ी उपलब्धि होती है। बाबर आजम की यह पारी उनके करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक मानी जा रही है। उन्होंने इस शतकीय पारी के दौरान 8 चौके जड़े और अपनी टीम को 8 विकेट से जीत दिलाई। प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी उन्हें इसी प्रदर्शन के लिए मिला।

ऋषभ पंत बने भारत के नए सिक्सर किंग, टेस्ट में तोड़ा वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां) ।

टीम इंडिया के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कोलकाता टेस्ट में एक नया इतिहास रच दिया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए पंत ने केशव महाराज की गेंद पर लंबा छक्का लगाते हुए भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड वीरेंद्र सहवाग के पास था, जिन्होंने अपने करियर में कुल 90 छक्के जड़े थे। ऋषभ पंत ने इंग्लैंड दौरे पर सहवाग की बराबरी कर ली थी, लेकिन अब उन्होंने यह रिकॉर्ड पार कर दिया। इस तरह 91 छक्कों के साथ पंत टेस्ट क्रिकेट में भारत के नए 'सिक्सर किंग' बन गए हैं। इस उपलब्धि के साथ पंत ने रोहित शर्मा और एमएस धोनी जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को भी पीछे छोड़ दिया है।

भारत के लिए टेस्ट मैचों में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों की सूची इस प्रकार है:

- 91 – ऋषभ पंत
- 90 – वीरेंद्र सहवाग
- 88 – रोहित शर्मा
- 80 – रवींद्र जडेजा
- 78 – एमएस धोनी

पंत ने यह रिकॉर्ड मैच के 38वें ओवर में हासिल किया। केशव महाराज की तीसरी गेंद पर चौका लगाने के बाद उन्होंने अगली गेंद पर मिड ऑफ की दिशा में शानदार छक्का लगाया। उनके इस बेखौफ और आक्रामक अंदाज ने दर्शकों और क्रिकेट फैंस को रोमांचित कर दिया। ऋषभ पंत की बल्लेबाजी का यह अंदाज उन्हें टेस्ट क्रिकेट में अलग पहचान दिलाता है। वे न केवल तेज रन बनाने में माहिर हैं, बल्कि टीम के लिए जरूरी मौके पर बड़े शॉट खेलने से भी नहीं हिचकिचाते। उनका यह रिकॉर्ड भारतीय क्रिकेट में नया अध्याय जोड़ता है और आने वाले समय में युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। इस प्रदर्शन के साथ पंत ने अपने करियर को और ऊँचाई दी है और साबित कर दिया है कि वे केवल विकेटकीपर नहीं, बल्कि टेस्ट क्रिकेट में भी आक्रामक बल्लेबाज के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं।

चीन के 15वें राष्ट्रीय खेलों में महिलाओं की 4×200 मीटर फ़्रीस्टाइल रिले तैराकी स्पर्धा

दक्षिण चीन के ग्वांगडोंग प्रांत के शेनझेन में आयोजित चीन के 15वें राष्ट्रीय खेलों में महिलाओं की 4×200 मीटर फ़्रीस्टाइल रिले तैराकी स्पर्धा के फ़ाइनल के बाद जश्न मनाती टीम हेबेई।

संजू सैमसन सीएसके में ट्रेड, राजस्थान रॉयल्स में रवींद्र जडेजा की वापसी

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां) ।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने कोर ग्रुप में बड़ा बदलाव करते हुए इंडियन प्रीमियर लीग इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण ट्रेड्स में से एक को अंजाम दिया है। संजू सैमसन को 18 करोड़ रुपये में सीएसके ने ट्रेड किया, जबकि रवींद्र जडेजा 14 करोड़ रुपये में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) में वापस लौट आए। दो कमजोर सीज़न के बाद यह कदम उठाया गया है, जिसमें पांच बार की चैंपियन सीएसके प्लेऑफ़ तक नहीं पहुंच सकी और उसे उम्रदराज़ मिडिल ऑर्डर, सीमित हिटिंग पावर और सिकुड़ते स्पिन विभाग जैसी समस्याओं से जूझना पड़ा।

संजू सैमसन का आगमन सीएसके की बैटिंग से जुड़ी कई चिंताओं को दूर करता है, हालांकि यह सवाल बना हुआ है कि क्या एक खिलाड़ी दो साल से चल रही संरचनात्मक समस्या को पूरी तरह हल कर सकता है। राजस्थान के लिए 11 सीज़न में 4027 रन, 2022 में टीम को फाइनल तक ले जाना और 2024 में करियर-बेस्ट 531 रन—ये आंकड़े उनकी प्रभावशीलता साबित करते हैं। आईपीएल 2025 के बाद रिलीज़ की उनकी मांग ने यह ट्रेड लगभग तय कर दिया था, और धोनी-युग के बाद सही संतुलन तलाश रही सीएसके उनके लिए स्वाभाविक ठिकाना बनी।

दूसरी ओर, जडेजा को छोड़ना सीएसके के लिए बड़ी चुनौती पैदा करता है। एक दशक से सीएसके की सफलता उसकी स्पिन रणनीति पर आधारित रही है और जडेजा उसके केंद्र में थे—143 विकेट, तीन खिताब और 2023 फाइनल में उनकी यादगार जीत। बावजूद इसके कि टीम के पास नूर अहमद और श्रेयस गोपाल जैसे विकल्प मौजूद हैं, जडेजा की जगह भरना आसान नहीं होगा। अब सीएसके को मिनी ऑक्शन में एक ऐसे भारतीय स्पिन-ऑलराउंडर की ज़रूरत होगी, जो बल्लेबाजी भी कर सके—जो बाजार में बेहद कम उपलब्ध है।

राजस्थान के लिए जडेजा की घर वापसी भावनात्मक होने के साथ रणनीतिक भी है। आईपीएल 2025 के दूसरे चरण में टीम के पतन और सैमसन की चोट ने अनुभव व संतुलन की कमी को उजागर किया था। जडेजा दोनों लाते हैं—अनुभव और नेतृत्व गहराई, साथ ही डेथ ओवर्स में नियंत्रण। यह ट्रेड आईपीएल 2026 से पहले की सबसे बड़ी हलचल साबित हुआ है, जिसने दोनों टीमों की दिशा बदल दी है।

वैभव सूर्यवंशी ने 32 गेंदों में शतक जड़कर टी20 क्रिकेट में भारतीय रिकॉर्ड बनाया

दोहा, 15 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारत ए के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स के पहले ही मैच में अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी से क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। यूएई के खिलाफ खेलते हुए सूर्यवंशी ने महज 32 गेंदों में शतक जमाकर इतिहास रच दिया। उनकी पारी 10 चौकों और 9 छक्कों से सजी रही और यह भारत की ओर से संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ टी20 शतक बन गया। वैभव सूर्यवंशी का यह 32 गेंदों का शतक भारतीय बल्लेबाजों में दूसरा सबसे तेज़ माना जाता है। सबसे तेज़ टी20 शतक का रिकॉर्ड उर्विल पटेल और अभिषेक शर्मा के नाम 28 गेंदों में है। 14 वर्षीय बिहार के इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज ने इससे पहले आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 35 गेंदों में शतक जमाया था।

भारतीय बल्लेबाजों द्वारा सबसे तेज़ टी20 शतक की सूची इस प्रकार है:

- उर्विल पटेल – 28 गेंदें, गुजरात बनाम त्रिपुरा, 2024
- अभिषेक शर्मा – 28 गेंदें, पंजाब बनाम मेघालय, 2024
- ऋषभ पंत – 32 गेंदें, दिल्ली बनाम हिमाचल प्रदेश, 2018
- वैभव सूर्यवंशी – 32 गेंदें, भारत ए बनाम यूएई, 2025

भारत ए की टीम इस टूर्नामेंट में युवा सितारों और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण लेकर उतरी है। इसमें कई उभरते आईपीएल खिलाड़ी शामिल हैं, और टीम चयनकर्ताओं ने अंडर-23 टूर्नामेंट होने के बावजूद जितेश शर्मा जैसे कुछ अनुभवी नामों को भी जगह दी है। वैभव सूर्यवंशी की यह धमाकेदार पारी न केवल टीम के लिए बड़ी मदद साबित हुई, बल्कि उनकी प्रतिभा और आक्रामक खेल ने भारतीय क्रिकेट के युवा सितारों की क्षमता को भी दर्शाया। इस प्रदर्शन के बाद सूर्यवंशी को भविष्य का बड़ा खिलाड़ी माना जा रहा है ।

पिच देख बोले साउथ अफ्रीका कोच हमें अब इस खिलाड़ी की कमी खलेगी, ईडन गार्डंस की पिच ने बल्लेबाजों की मुश्किलें बढ़ाईं, बुमराह की गेंदबाजी ने साउथ अफ्रीका को रोका

कोलकाता। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए पहले टेस्ट के पहले दिन का खेल देखने के बाद साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच एशवैल प्रिंस ने कहा कि ईडन गार्डंस की पिच से मिलने वाला असमान उछाल भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी का मुख्य कारण रहा। प्रिंस ने कहा, ''शुरू में ही संकेत मिल गए थे कि पिच से उछाल असमान रहेगा। बल्लेबाजों को उम्मीद होती है कि 20-30 रन बनाकर उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा, लेकिन यहां पिच की असमानता ने यह संभव नहीं होने दिया।'' उन्होंने आगे बताया कि क्रीज पर एक घंटा बिताने के बाद भी बल्लेबाज वह भरोसा नहीं जुटा पाए जो जरूरी था। प्रिंस ने भारत के गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि बुमराह और उनके साथी बल्लेबाजों को सांस लेने का मौका नहीं देने में सफल रहे। उन्होंने बताया, ''बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण के सामने यही होता है। भारतीय गेंदबाजों ने सटीक लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी की और बल्लेबाजों को लगातार दबाव में रखा।''साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा पहले दिन की पारी से बाहर थे, क्योंकि वे पसली की चोट के कारण खेल नहीं सके। प्रिंस ने स्वीकार किया कि रबाडा की कमी पहले दिन और महसूस हुई। उन्होंने कहा, ''रबाडा विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं और दुनिया के शीर्ष दो-तीन तेज गेंदबाजों में शामिल हैं।

कनाडा के साथ एफटीए वार्ता फिर से शुरू करने की संभवानाओं पर विचार : गोयल

विशाखापत्तनम, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि कनाडा के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता फिर से शुरू करने के संबंध में सभी संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। गोयल ने यहां आयोजित 30वें सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि भारत और कनाडा ने मुक्त व्यापार समझौते की पुन: शुरुआत के लिए दो दौर की वार्ता की है। दो दिवसीय इस सम्मेलन का आयोजन आंध्र प्रदेश सरकार और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने संयुक्त रूप से किया है। गोयल ने कहा कि उन्होंने कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ दो दौर की चर्चा की है।

गोयल ने कहा, 'सभी संभावनाएं विचाराधीन हैं। हमने अब तक दो दौर की चर्चा की है। हम उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए नई दिल्ली में मिले थे। हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए आगे के रास्ते पर चर्चा करने के लिए कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू से संक्षिप्त मुलाकात की।' केंद्रीय मंत्री ने शिखर सम्मेलन में कहा, 'मैं दुनियाभर के मंत्रियों का आभारी हूं, जो हमारे साथ शामिल हुए।'

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में लगभग हर महाद्वीप के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। उत्तरी अमेरिका और लैटिन अमेरिका के मंत्री, यूरोप और अफ्रीका के मंत्री और दक्षिण पूर्व एशिया से भी एक मंत्री शामिल हुए। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी शिखर सम्मेलन में पूरे विश्व का प्रतिनिधित्व था, जिसने भारत को मानवता के मित्र के रूप में प्रदर्शित किया।

विश्व एक परिवार है, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंत्र है, जो हमें पीढ़ियों और सदियों से विरासत में मिला है और जिस पर हमें गर्व है और हम इसे अपने अंतराष्ट्रीय संबंधों में आगे बढ़ा रहे हैं...।' उल्लेखनीय है कि एक कनाडाई सिख कार्यकर्ता की हत्या से जुड़े वर्षों के राजनयिक विवाद के बाद दोनों देश व्यापार पुन: शुरू करने पर विचार कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

एसबीआई बंद कर रहा एमकेश सेवा डिजिटल विकल्पों पर जोर

मुंबई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) अपनी एमकेश सेवा बंद कर रहा है। एमकेश फीचर ग्राहकों को मोबाइल नंबर या ईमेल से तुरंत पैसे भेजने की सुविधा देता था। इसके तहत प्राप्तकर्ता को एक सुरक्षित लिंक और आठ अंकों का पासकोड मिलता था, जिससे राशि किसी भी बैंक खाते में ट्रांसफर की जा सकती थी। यह सुविधा छोटे और त्वरित लेनदेन के लिए बेहद उपयोगी मानी जाती थी। एसबीआई ने घोषणा की है कि 30 नवंबर के बाद एमकेश सेवा बंद हो जाएगी। बैंक का कहना है कि यह पुरानी तकनीक पर आधारित थी, जबकि आज के डिजिटल विकल्प जैसे यूपीआई, आईएमपीएस, एनईएफटी और आरटीजीएस ज्यादा तेज़, सुरक्षित और भरोसेमंद हैं।

मारुति ने ग्रेंड विटारा एसयूवी की 39,000 से ज्यादा गाड़ियां वापस बुलाई

मुंबई। देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी लोकप्रिय मिड-साइज एसयूवी ग्रेंड विटारा की लगभग 39,506 यूनिट्स को रिकॉल करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने बताया कि ये वाहन 9 दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच बनाए हुए थे। रिकॉल का मुख्य कारण स्पीडोमीटर असेंबली में संभावित तकनीकी दोष है, जिसके चलते फ्यूल लेवल इंडिकेटर और चेतावनी लाइट सही ढंग से काम नहीं कर पा रही हैं। मारुति सुजुकी का कहना है कि प्रभावित ग्राहकों से कंपनी सीधे संपर्क करेगी और उन्हें अपने अधिकृत सर्विस सेंटर पर वाहन लाने के लिए निर्देश दिया जाएगा। जांच के दौरान यदि समस्या पाई जाती है, तो स्पीडोमीटर पार्ट को मुफ्त में बदल दिया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। ग्रेंड विटारा ने बिक्री के मामले में शानदार प्रदर्शन किया है। लॉन्च के सिर्फ 32 महीनों में इसने 3 लाख यूनिट्स की बिक्री को पार कर लिया, जो इसे मारुति की सबसे तेजी से बिकने वाली मिड-साइज एसयूवी बनाता है।

आंध्र प्रदेश का दशकभर में 1 लाख करोड़ डॉलर निवेश जुटाने का लक्ष्य

विशाखापत्तनम। विशाखापत्तनम में आयोजित 30वें सीआईआई साझेदारी सम्मेलन में आंध्र प्रदेश सरकार ने अगले दस वर्षों में एक लाख करोड़ डॉलर का निवेश आकर्षित करने का बड़ा लक्ष्य पेश किया। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य निवेशकों के लिए प्रक्रियाओं को सरल करने के लिए एस्क्रो अकाउंट आधारित प्रणाली लागू करने जा रहा है, जिससे उद्योगों को मिलने वाली राशि तुरंत जारी हो सकेगी और लालफीताशाही समाप्त होगी। नायडू के अनुसार जैसे ही कोई निवेश समझौता होता है, एस्क्रो खाता स्वत: बन जाएगा और बैंक के माध्यम से उसी समय फंड जारी हो जाएगा। इसके लिए किसी अफसर या अन्य मध्यस्थ से संपर्क करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। जरूरत पड़ने पर राज्य सरकार सॉवरिन गारंटी देने पर भी विचार करेगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आंध्र प्रदेश अगले दो वर्षों में देश की पहली ड्रोन टैक्सी सेवा पेश करने जा रहा है। हालांकि परियोजना की विस्तृत जानकारी अभी साझा नहीं की गई है, लेकिन इसे राज्य के नवाचार प्रयासों का अहम हिस्सा बताया गया है। नायडू ने कहा कि बीते 18 महीनों में राज्य को 20 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धताएं मिली हैं, जिनसे लगभग 20 लाख रोजगार की संभावना है। सरकार अब अगले तीन वर्षों में 500 अरब डॉलर निवेश और 50 लाख नए रोजगार पैदा करने के लक्ष्य पर काम कर रही है। दीर्घकालिक दृष्टि के रूप में एक दशक में 1 लाख करोड़ डॉलर निवेश जुटाने की योजना है। उन्होंने बताया कि राज्य में डेटा सेंटरों का बड़ा विस्तार होने वाला है। गूगल पहले ही विशाखापत्तनम में एआई केंद्र के लिए 15 अरब डॉलर की घोषणा कर चुका है। आने वाले दिनों में 4-5 गीगावॉट क्षमता के और डेटा सेंटर स्थापित होने की उम्मीद है।

सेंसेक्स व निफ्टी ने उतार-चढ़ावों के बावजूद मजबूती बनाए रखी

वैश्विक संकेत और विदेशी पूंजी प्रवाह ने शेयर बाजार पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार उतार-चढ़ाव देखा गया। सप्ताह की शुरुआत कुछ नकारात्मक सत्रों के बाद तेजी के साथ हुई, लेकिन वैश्विक और घरेलू घटनाओं ने बाजार की चाल को लगातार प्रभावित किया। टैरिफ युद्ध, जियोपॉलिटिकल तनाव और सुस्त अर्निंग ग्रोथ जैसी चिंताओं के बावजूद, एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख और ब्लू-चिप शेयरों में लिवाली ने बाजार को मजबूती दी। सोमवार को सेंसेक्स 267.74 अंक बढ़कर 83,484.02 पर खुला और अंत में 83,535.35 पर बंद हुआ। निफ्टी ने भी 84.90 अंक की बढ़त के साथ 25,577.20 पर खुलकर 25,574.35 पर बंद किया। विशेषज्ञों ने कहा कि ताजा विदेशी पूंजी प्रवाह ने निवेशकों के मनोबल को मजबूती दी। मंगलवार को शुरुआत में सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ खुले, लेकिन अंत में तेजी लौट आई। सेंसेक्स ने 335.97 अंक की तेजी के साथ 83,871.32 पर और निफ्टी ने 120.60 अंक की बढ़त के साथ 25,694.95 पर सप्ताह का मध्यवर्ती कारोबार समाप्त किया।

इस दिन बड़ी कंपनियों के शेयरों में खरीदारी ने बाजार को समर्थन दिया। बुधवार को मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच बाजार ने शानदार प्रदर्शन किया। सेंसेक्स 595.19 अंक की बढ़त के साथ 84,466.51 पर और निफ्टी 180.85 अंक की उछाल के साथ 25,875.80 पर बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और भारती एयरटेल जैसी प्रमुख कंपनियों में लिवाली ने इस तेजी में अहम भूमिका निभाई। गुरुवार और शुक्रवार को बाजार में अस्थिरता दिखी। गुरुवार को सेंसेक्स 12.16 अंक और निफ्टी 3.35 अंक की मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। शुक्रवार को कमजोर वैश्विक संकेतों और बिहार चुनाव से पहले की आशंकाओं के चलते बाजार में शुरुआती गिरावट देखने को मिली, लेकिन अंत में सेंसेक्स 84,562.78 और निफ्टी 25,910.05 पर स्थिर हुआ। सप्ताह के समग्र रुझान को देखें तो बाजार ने कई उतार-चढ़ावों के बावजूद मजबूती बनाए रखी।

आईसीएल फिनकॉर्प का नया एनसीडी इश्यू 17 नवंबर से खुलेगा

नई दिल्ली। आईसीएल फिनकॉर्प ने अपने नए सुरक्षित रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) का सार्वजनिक इश्यू 17 नवंबर को खुलेगा और 28 नवंबर तक खोला जाएगा है। कंपनी के अनुसार यह निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और आकर्षक विकल्प है। कंपनी ने बताया कि इस इश्यू से जुटाई गई राशि का उपयोग विकास पहलों और सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने में किया जाएगा। आईसीएल फिनकॉर्प पिछले 34 वर्षों से वित्तीय सेवाओं में सक्रिय है और 10 राज्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कर चुकी है। कंपनी गोल्ड लोन, हायर परचेज लोन और बिजनेस लोन जैसी सेवाएं प्रदान करती है। हाल ही में उसने बीएसई-सूचीबद्ध एनबीएफसी सलेम इरोड इन्वेस्टमेंट्स का अधिग्रहण किया। समूह यात्रा, फैशन, डायग्नोस्टिक्स और धर्मार्थ कार्यों में भी सक्रिय है और भारतीय रिजर्व बैंक के मानकों का पालन करता है।

ICL
Join ICL, Grow with us
ICL Fincorp

पूर्वोत्तर को बुनियादी ढांचे, निवेश, कौशल विकास में मिल रही प्राथमिकता: सीतारमण

कोहिमा, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोहिमा स्थित राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) में छात्रों और युवा पेशेवरों से बातचीत के दौरान कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र को बुनियादी ढांचा, निवेश, कौशल विकास और डिजिटल विस्तार के मामले में सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि 'एक्ट ईस्ट' नीति के तहत इस क्षेत्र को विकास, निवेश और कौशल में केंद्र में रखा गया है। मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में राजमार्गों, हवाई अड्डों, डिजिटल नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स में तेजी से सुधार हो रहा है।

पूर्वोत्तर में राजमार्गों, हवाई अड्डों, डिजिटल नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स में हो रहा है तेजी से सुधार

उन्होंने डिजिटल क्षमताओं में वृद्धि को भी रेखांकित किया और छात्रों की एआई व रोबोटिक्स जैसी उभरती तकनीकों में रुचि की सराहना की। उन्होंने क्षेत्र की दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ बेहतर जुड़ाव में अहम भूमिका पर भी प्रकाश डाला। महिलाओं के वित्तीय सशक्तिकरण पर सवाल के जवाब में सीतारमण ने कहा कि भारतीय महिलाएं पारंपरिक रूप से घरेलू वित्त का प्रबंधन करती रही हैं, और अब आधुनिक अवसर उन्हें मजबूत आर्थिक स्वतंत्रता देते हैं। उन्होंने युवाओं को पैसे का नियंत्रण और प्रबंधन करने की सलाह दी।

इसके अलावा, महिला उद्यमियों के लिए जमानत मुक्त ऋण, उच्च ब्याज दर वाले बचत खाते और पीएम वात्सल्य जैसी योजनाओं का परिचय दिया। मंत्री ने युवाओं को नकारात्मक प्रभावों, विशेषकर नशीली दवाओं के दुरुपयोग से सावधान रहने की चेतावनी दी। उन्होंने छात्रों की राष्ट्रीय विकास में योगदान देने की आकांक्षा की सराहना करते हुए उन्हें सकारात्मक दिशा में सक्रिय रहने की प्रेरणा दी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जम्मू-कश्मीर...

दो राजस्व अधिकारी और तीन नागरिक घायल हुए हैं।

उन्होंने बताया कि पुलिस स्टेशन को गंभीर क्षति हुई है, जबकि कुछ अन्य इमारतें भी प्रभावित हुई हैं। संयुक्त सचिव ने अंत में जोर देकर कहा, दुर्घटना के कारणों की जाँच की जा रही है। हालांकि, इस घटना के कारणों को लेकर कोई भी अन्य अटकलें लगाना अनावश्यक है।

श्रीनगर के नौगाम थाने...

के आधार पर एक आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था। इस संबंध में दायर प्राथमिकी 162/2025 की जांच के दौरान विस्फोटक पदार्थों और रसायनों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया था। बरामद किये गए विस्फोटकों को लाकर पुलिस स्टेशन नौगाम के खुले क्षेत्र में सुरक्षित रूप से रखा गया था ।श्री लोहखंडे ने बताया कि जांच में शामिल सभी एजेंसियां समन्वित और वैज्ञानिक तरीके से एक साथ काम कर रही थी और निर्धारित प्रक्रिया के तहत, बरामद रासायनिक और विस्फोटक नमूनों को आगे फोरेंसिक और रासायनिक परीक्षण के लिए भेजा जा रहा था ख भारी मात्रा में विस्फोटकों की बरामदी के बाद यह प्रक्रिया पिछले दो दिनों से मानक प्रक्रिया के तहत लगातार जारी थी । उन्होंने कहा कि विस्फोटक की अस्थिर और संवेदनशील प्रकृति के कारण इसे विशेषज्ञों की निगरानी के तहत सावधानीपूर्वक संभाला जा रहा था हालांकि उसी दौरान कल रात अचानक दुर्घटनावश विस्फोट हुआ ख इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में नौ लोगों की मृत्यु हो गई और 27 पुलिस कर्मी, दो राजस्व अधिकारी और तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को चिकित्सा उपचार के लिए तुरंत चिकित्सालय भेजा गया है । श्री लोहखंडे ने कहा कि विस्फोट के कारण पुलिस स्टेशन की इमारत को गंभीर क्षति पहुंची है और इसके आसपास की इमारतें भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस घटना के कारणों की कोई अन्य अटकलें अनावश्यक हैं।उन्होंने कहा कि सरकार दुःख की इस घड़ी में मृतकों के परिवार के साथ एकजुटता से खड़ी है। इस बीच श्रीनगर में जम्मू कश्मीर पुलिस के महानिदेशक नलिन प्रभात ने भी इसके आकस्मिक घटना बताते हुए इसके आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े होने की अटकलों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि नौगाम थाने की पुलिस ने पिछले महीने जैश-ए-मोहम्मद के धमकी भरे पोस्टरों से संबंधित मामला दर्ज किया था और इस जांच के दौरान दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट मामले से जुड़े एक बड़े अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश हुआ। जांच के दौरान बरामद विस्फोटकों को थाने में रखा गया था। जैश के पोस्टरों के मामले की जांच अब जम्मू-कश्मीर पुलिस की विशेष जांच एजेंसी (एसआईए) कर रही है।

मोदी ने देवमोगरा...

काल से स्वयं कणी-कंसरी के रूप में विराजमान हैं। यहां गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान के आदिवासी समुदाय के लोग याहामोगी पांडोरी की कुलदेवी के रूप में अपार श्रद्धा-आस्था तथा भक्ति के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। इस पवित्र हेला दाब (एक शक्तिशाली और पूजनीय देवी हैं, जिन्हें याहामोगी पांडोरी के नाम से भी जाना जाता है और देश के आदिवासी समुदाय द्वारा पूजी जाती हैं।) की आदि-अनादि काल से बहुत अनूठी महिमा रही है।

हजारों वर्ष पूर्व जब इस प्रदेश में भीषण अकाल पड़ा था, तब पांडोरी माताजी ने देवमोगरा धाम पर स्वयं वास किया था। भीषण अकाल के कारण अन्न-जल की किल्लत पैदा हुई और पशु-पक्षी तथा मानव; सभी दुःखी हो गये। ऐसे संकट की घड़ी में इस क्षेत्र के प्रजापालक गोर्या कोठार ने आवश्यक अन्न का वितरण करना शुरू किया, लेकिन आगे चलकर गोर्या कोठार के अन्न भंडार भी खाली होने लगे। तब उनकी पालक पुत्री याहा पांडोरी ने कणी-कंसरी का रूप धारण कर अन्न वितरण का कार्य संभाला। तब से आज तक अनाज के भंडार कभी खाली नहीं हुए हैं। अर्थात आदि-अनादि काल से लेकर आज तक माताजी के अन्न भंडार समग्र मानव जाति के लिए सदैव भरे रहे हैं।सागबारा तहसील के देवमोगरा गांव में स्थित इस मंदिर में अनेक पीढ़ियों से लाखों भक्त माताजी के चरणों में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ अपनी समस्याओं तथा दुःखों का निवारण प्राप्त करने के लिए आते हैं। मंदिर के पुजारी द्वारा माताजी का आह्वान किया जाता है और आशीर्वाद देकर हर व्यक्ति के कल्याण की मंगलकामना की जाती है। मान्यता है कि माताजी के चरणों में जो भी दुःखी व्यक्ति रोता हुआ आता है, वह हंसता हुआ वापस लौटता है।देवमोगरा में जहां राजा पांठा-विनादेव का स्थानक है, वहां हर वर्ष महाशिवरात्रि पर एक भव्य गढ़ यात्रा आयोजित की जाती है। इस यात्रा में परंपरागत वाद्ययंत्रों तथा नृत्य के साथ माताजी को गढ़ में जंगलों-पर्वतों के बीच स्थित प्राकृतिक झरने में स्नान कराया जाता है। इतना ही नहीं, माताजी की पूजा करके आगामी वर्ष के लिए खेतीबाड़ी और बरसाती मौसम का (होलको ठोक कर) अनुमान लगाया जाता है। हजारों श्रद्धालु इस अनुमान के अनुसार खेतीबाड़ी का पूर्व आयोजन करते हैं। मेले के दौरान माता के प्रांगण में स्थित काकड़ के पेड़ पर एक ही रात में फूल आ जाते हैं। सुबह श्रद्धालु उसके दर्शन करते हैं और मानते हैं कि जिस दिशा में सबसे ज्यादा फूल हों, उस दिशा में वर्ष के दौरान खेतीबाड़ी का काम अच्छा होगा।प्रतिवर्ष माघ महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तथा महाशिवरात्रि के एक दिन पूर्व से लगातार पांच दिनों तक लगने वाला यह मेला आदिवासी लोक संस्कृति का अनूठा दर्शन कराता है। इस मेले में लाखों भक्त माताजी के दर्शन के लिए जुटते हैं, जो वास्तव में आह्लादक दृश्य होता है। इस मंदिर में बाईं ओर श्यामवर्णी महाकाली माता की मूर्ति के भी लोग दर्शन करते हैं। इस प्रकार, एक ही मंदिर में दो माताजी विराजमान हैं।आदिवासी समुदाय हजारों वर्षों से अपनी अनूठी परंपरा का पालन करता है, जिसमें वे संपूर्ण श्रद्धा के साथ नयी फसल को बांस की टोकरी में रखते हैं और सब्जी- भाजी, पूजा सामग्री की हिजारी (हिंगारी) बांधकर उसे सिर पर रखकर एवं रंगबिरंगी वस्त्र पहनकर तथा महिलाएं सोने-चांदी के आभषणों से सज्ज होकर गाजे- बाजे के साथ होब यात्रा पर निकलते हैं। आदिवासी लोग सवा महीने का व्रत-उपवास कर याहा पांडोरी देवमोगरा के चरणों में धान-अन्न श्रद्धापूर्वक समर्पित करते हैं और इसके बाद नये धान का सेवन किया जाता है।

देवमोगरा धाम केवल एक स्थानक ही नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज की आस्था, परंपरा एवं संस्कृतिक का जीवंत प्रतीक है और स्थानीय प्रदेश के घेरिया (महिला पोशाक में पुरुषों की टोली) होली-धुलंडी के त्योहार के दौरान सवा महीने घर से बाहर निकल कर घर-घर घूमते हैं और घेरिया बनते हैं और नौ रस के श्रृंगार के साथ मुक्त मन से नाच-गान करते हैं। धुलंडी से पूर्व के दिन होली चौक में होलिका प्रज्ज्वलित की जाती है और महिलाएं भी परंपरागत वेशभूषा में सज्ज होकर कर वाद्ययंत्रों के साथ नाच-गान करते हुए होली के लोले (लोक गीत) गाकर आनंद-उत्सव मनाती हैं।

स्वतंत्रता आंदोलन में ...

आप सभी को विशेषकर के गुजरात और देश के जनजातीय परिवारों को बधाई देता हूं।पीएम मोदी ने कहा कि 2014 के पहले भगवान बिरसा मुंडा को कोई याद करने वाला नहीं था। सिर्फ उनके अगल-बगल के गांव तक ही पूछा जाता था। आज देशभर में कई ट्राइबल म्यूजियम बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्री गोविंद गुरु चेयर जनजातीय भाषा संवर्धन केंद्र की स्थापना भी हुई है। यहां भील, गामित, वसावा, गरासिया, कोकणी, संथाल, राठवा, नायक, डबला, चौधरी, कोकना, कुंभी, वर्ली, डोडिया ऐसी सभी जनजातियों की बोलियों पर अध्ययन होगा। उनसे जुड़ी कहानियों और गीतों को संरक्षित किया जाएगा।इससे पहले, जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नर्मदा में भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की। डेडियापाडा में मजनजातीय गौरव दिवसफ कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत किया गया।

आतंकी धमकी देने ...

बता दे करीब 2 करोड़ की लागत से जीपीयू लैब बनाया जाएगा। इसके लिए 5 एक्सपर्ट भी तैनात किए जाएंगे जो साइबर के स्पेशलिस्ट होंगे। इसके लिए बीएचयू से भी सपोर्ट लिया जाएगा, क्योंकि ट्रिपल आईटी की टीम कुछ टेस्टिंग वहां पर भी करेंगी।

मैं अपने परिवार से...

दूसरे समर्थक ने लिखा कि अपनी किडनी अपने पिता को देकर आपने उन्हें जीवनदान दिया। रोहिणी ने पोस्ट के बाद राजद के सांसद, तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव ने रोहिणी आचार्य के आरोपों पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने साफ कहा कि रोहिणी दीदी ने जो कहा, उसका संदर्भ हम सब भली-भांति समझते हैं। पार्टी पूरी तरह से एकजुट है, और किसी प्रकार का कोई भ्रम या मतभेद नहीं है। राजद में किसी तरह की गलतफहमी नहीं है।

साथ उड़े सुखोई...

विमानन सुरक्षा और आधुनिक युद्ध तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। दोनों देशों के सैन्य विशेषज्ञ अपने-अपने अनुभव साझा करेंगे और यह मूल्यांकन करेंगे कि भविष्य के संयुक्त अभियानों को और अधिक प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है। यह अभ्यास भारत की वैश्विक सैन्य साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। भारतीय वायुसेना ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय अभ्यास दोस्ती और रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देते हैं। मगरुड़-25फ भारत की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह मित्र देशों के साथ मिलकर आधुनिक हवाई संचालन की क्षमता को विकसित और परिष्कृत करता रहेगा। यह अभ्यास दोनों देशों के बीच दशकों से चले आ रहे मजबूत रक्षा संबंधों को और प्रतिष्ठित करता है और आने वाले समय में संयुक्त अभियानों की क्षमता को बढ़ाने का भी आधार बनेगा।

आज सूर्य करेंगे वृश्चिक राशि में गोचर

सूर्य 16 नवंबर को यानी आज राशि परिवर्तन करेंगे। इस दिन वह दोपहर 1:44 मिनट पर तुला से निकलकर वृश्चिक में अपना स्थान लेंगे। इसके बाद सूर्य 15 दिसंबर तक यही बने रहेंगे। उसके बाद सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य की राशि सिंह होती है। अगर जातक की कुंडली में सूर्य मजबूत स्थिति में होता है तो उसे मान-सम्मान और समृद्धि की प्राप्ति होती है। जातक की कुंडली में सूर्य के अशुभ होने पर पेट, आंख और ह्रदय संबंधी रोग हो सकते हैं। माना जाता है सूर्य के अशुभ प्रभाव से जातक के सरकारी काम में भी बाधा आती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ग्रहों के राजा सूर्य 16 नवंबर 2025 को दोपहर 1:44 मिनट पर तुला से निकलकर वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे और 15 दिसंबर 2025 तक यहीं रहेंगे। वृश्चिक एक जल तत्व की राशि है और राशि चक्र में इसका आठवां स्थान है। इस राशि का स्वामित्व मंगल ग्रह को प्राप्त है। जो कि सूर्य की मित्र राशी है। वृश्चिक राशि को सभी राशियों में सबसे संवेदनशील और सकारात्मक राशि माना जाता है। यह हमारे जीवन में तामसिक ऊर्जा, गहराई, रहस्य और परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए जब सूर्य इस राशि में प्रवेश करते हैं, तो यह समय व्यक्ति के जीवन में आंतरिक रूपांतरण, आत्मचिंतन और शक्ति के पुनर्जागरण का संकेत देता है।

ज्योतिष में सूर्य ग्रह का विशेष रूप से महत्व है। सूर्य ग्रह किसी भी राशि में लगभग 30 दिनों तक विराजमान रहेंगे। जिस दिन सूर्य देव राशि परिवर्तन करते हैं, उस दिन संक्रांति मनाई जाती है।। धार्मिक

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

मान्यताओं के अनुसार, जो लोग संक्रांति तिथि पर सूर्य देव की पूजा करते हैं, उन्हें समाज में अच्छी प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। आपकी किस्मत भी अच्छी रहेगी और आप किसी भी काम में सफलता प्राप्त करेंगे। सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में जाता है तो उसे संक्रांति कहा जाता हैं और जब सूर्य तुला राशि से वृश्चिक राशि में प्रवेश करते हैं तो उसे वृश्चिक संक्रांति कहा जाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष में कुल 12 संक्रांति आती है और हर राशि में सूर्य 1 महीने तक रहते है। सूर्य के इसी भ्रमण की स्थिति को संक्रांति कहा जाता है। संक्रांति को बहुत ही पवित्र दिनों में से एक माना जाता है। इसलिए इसे हिन्दू धर्म में पर्व भी कहा गया है।

प्रभाव

सूर्य के वृश्चिक राशि में आने से गलत काम बढ़ सकते हैं यानी चोर और भ्रष्टाचारी लोग बढ़ने की संभावना है। वस्तुओं की लागत बढ़ सकती है। मंगल की राशि में सूर्य के आ जाने से कई लोगों के लिए कष्टपूर्ण समय हो सकता है। कई लोग खांसी और ठण्ड से पीड़ित हो सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सूर्य का अशुभ असर देखने को मिलेगा। राष्ट्रों के बीच संघर्ष बढ़ सकता है। आसपास के देशों से भारत के संबंध तनावपूर्ण हो सकते हैं। शेयर बाजार में गिरावट के साथ बिजनेस की गति कुछ थमेगी। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रणाली में सुधार के भी योग बनेंगे। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। रेल दुर्घटना होने की संभावना। महिलाओं के लिए समय शुभ नहीं है। कोई बड़ी फिल्म अभिनेत्री से दुखद समाचार। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। मनोरंजन फिल्म नाटक फैशन डांसर कॉमेडी चर्चा में रहेंगे।

उपाय

सबसे पहले अपने घर की पूर्व दिशा को साफ सूथरा करें। भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुढ़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें । जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें । भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य ह्रदय स्तोत्र का पाठ करें ।

" सूर्य के वृश्चिक राशि में जाने पर सभी राशियों पर क्या होगा प्रभाव।

मेष राशि – भ्रमित होने के कारण किसी भी कार्य में मन नहीं लगेगा। बीमारी की आशंका रहेगी। विवाद से बचें।

वृषभ राशि – बीमारी होने की आशंका से तनाव। साझेदार या शासन सत्ता से तनाव रहेगा। व्यर्थ की यात्रा होगी।

मिथुन राशि– रोग ठीक होगा। रुका हुआ धन मिलेगा। आदर-सम्मान में वृद्धि। उपहार मिल सकता है। पदोन्नति की संभावना है।

कर्क राशि – कार्यालय या घर में तनाव संभव। किसी बीमारी से परेशान हो सकते हैं। बच्चों की सेहत की चिंता रहेगी।

सिंह राशि– मेहनत ज्यादा करनी होगी। सुख में कमी होगी। कार्यों में बाधा से तनाव रहेगा। बुजुर्गों को लेकर चिंता रहेगी।

कन्या राशि – धन का संग्रह करने में सफल रहेंगे। रुके हुए पुराने कार्यों में सफलता मिलेगी। उच्च अधिकारी से मदद संभव।

तुला राशि – फिजूल के खर्च बढेंग़े। अनावश्यक जिद से हानि होगी। ठगे जाने की आशंका बनी रहेगी। परिजनों से विवाद न करें।

वृश्चिक राशि– अनावश्यक मेहनत होगी। गुस्सा बढ़ जाएगा। यात्रा में हानि। नकारात्मक विचारों से बचें।

धनु राशि– हर काम में बाधा से तनाव। बीमारी आदि से परेशान हो सकते हैं। दोस्तों के व्यवहार से चिंता। धन हानि से तनाव रहेगा।

मकर राशि– रुकी हुई पदोन्नति मिलेगी। सम्मान में वृद्धि होगी। धन मिल सकता है। नया कार्य शुरू कर सकते हैं।

कुंभ राशि– रुके हुए बडेक़ार्य में सफलता। कार्यक्षेत्र में अनुकूल वातावरण। धन लाभ होगा। पदोन्नति संभव।:

मीन राशि– धर्म में अरुचि। कामकाज में असफलता से तनाव। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझ कर लें। यात्रा हो सकती है।

मोक्षदा एकादशी व्रत 1 दिसंबर को

जानें शुभ मुहूर्त, पारण का समय और धार्मिक महत्व

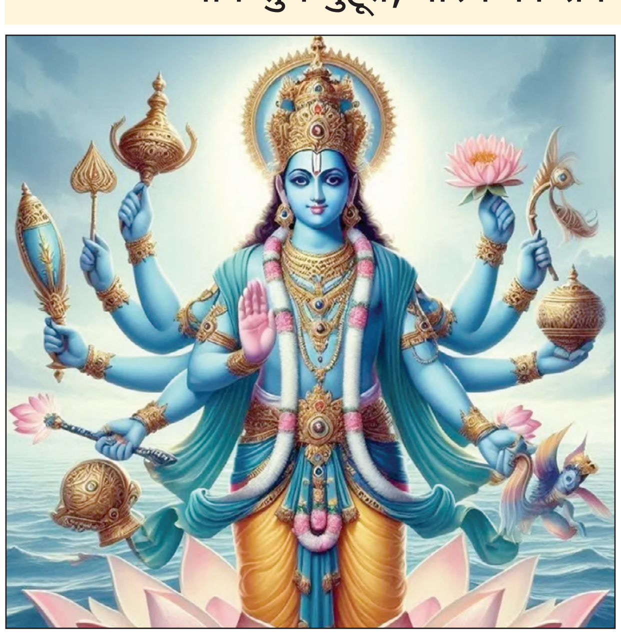

हिंदू धर्म में हर एक एकादशी का अपना-अपना महत्व है। हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष में एक-एक एकादशी पड़ती है। मार्गशीर्ष माह की बात करें, तो कृष्ण पक्ष में उत्पन्ना एकादशी तो वहीं शुक्ल पक्ष में मोक्षदा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के पड़ने वाली मोक्षदा एकादशी का व्रत रखने के साथ विष्णु जी की पूजा करने से जातक को हर पाप से मुक्ति मिल जाती है। इसके साथ ही मरने के बाग मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही इस दिन कथा सुनने से वाजपेयी यज्ञ के बराबर फल की प्राप्ति होती है। इस साल एकादशी तिथि दो दिन होने के कारण कंफ्यूजन बना हुआ है कि मोक्षदा एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा।

मोक्षदा एकादशी की सही तिथि, मुहूर्त, पारण का समय और धार्मिक महत्व

मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 20 नवंबर रात 09 बजकर 29 मिनट से आरंभ हो रही है, जो 1 दिसंबर सुबह 07 बजकर 1 मिनट पर समाप्त हो रही है। द्रिक पंचांग के अनुसार, इस साल मोक्षदा एकादशी व्रत 1 दिसंबर को रखा जाएगा।

मोक्षदा एकादशी पारण का समय

मोक्षदा एकादशी का व्रत 1 दिसबंर को रखा जाएगा। ऐसे में 2 दिसंबर को व्रत का पारण किया जाएगा। इस दिन सुबह 6 बजकर 17 मिनट से 8 बजकर 25 मिनट के बीच व्रत का पारण कर सकते हैं।

मोक्षदा एकादशी 2025 महत्व

शास्त्रों के अनुसार, मोक्षदा एकादशी के दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से न केवल साधक को अपने पापों से मुक्ति मिलती है, बल्कि उसके पूर्वजों को भी मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी कारण इस एकादशी को मोक्ष प्रदान करने वाली एकादशी कहा गया है। विष्णु पुराण के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को बताया था कि जो व्यक्ति श्रद्धा भाव से मोक्षदा एकादशी का व्रत रखता है, उसे वैष्णव लोक की प्राप्ति होती है और उसके पितरों को भी स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

उत्पन्ना एकादशी पर पढ़ें ये मंत्र

विष्णु बीज मंत्र

ॐ वं विष्णवे नमः ।।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।।

विष्णु गायत्री मंत्र

ॐ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णुः प्रचोदयात् ।।

विष्णु सहस्त्रनाम का छोटा जप मंत्र

श्री विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्रम् नमः ।।

भैरव बाबा के अलग-अलग रूप, पूजन से मिलती है बाधाओं से मुक्ति

भैरव जी की उपासना को नकारात्मक शक्तियों से रक्षा का अत्यंत प्रभावशाली उपाय माना गया है। भैरव जी, भगवान शिव के उग्र रूप हैं, जिनकी आराधना से भय, संकट और विपत्तियाँ दूर होती हैं तथा भूत- प्रेत और ग्रहदोषों के कष्ट समाप्त होते हैं। विशेष रूप से जो व्यक्ति शनि, राहु या केतु से उत्पन्न दोषों से पीड़ित हों, उन्हें भैरव साधना अवश्य करनी चाहिए।

पुराणों के अनुसार, जब भगवान शिव सती का देह लेकर ब्रह्माण्ड में विचरण कर रहे थे, तब भगवान विष्णु ने सती के अंग पृथ्वी पर गिराए, जिनसे 108 शक्ति पीठों की स्थापना हुई। इन पीठों की रक्षा के लिए भगवान शिव ने प्रत्येक स्थान पर एक भैरव को नियुक्त किया। इसी कारण भैरव जी को देवी का द्वारपाल और रक्षक कहा जाता है। उनके प्रमुख स्वरूपों में बटुक भैरव, काल भैरव, चण्ड भैरव और कपाल भैरव सम्मिलित हैं। इनमें से काल भैरव को समय और मृत्यु का स्वामी माना गया है। एक अन्य कथा के अनुसार, जब भगवान शिव ने अंधकासुर से युद्ध किया, तब उनके शरीर से बहते रक्त से अनेक भैरव उत्पन्न हुए। पूर्व दिशा में गिरे रक्त से प्रकट हुए काल भैरव कहलाए। वहीं बटुक भैरव का स्वरूप सौम्य और बालकवत है। जब आपाद नामक राक्षस ने पाँच वर्षीय बालक से मरने का वरदान माँगा, तब देवी महाकाली की कृपा से बटुक भैरव का जन्म हुआ, जिन्होंने उस राक्षस का संहार किया। इसी

प्रकार भैरव जी से संबंधित अनेक कथाओं का विवरण विभिन्न ग्रंथों में प्राप्त होता है।

भैरव अष्टमी, जिसे काल भैरव जयंती भी कहा जाता है, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। यह वही पावन दिन है जब भगवान शिव ने काल भैरव रूप धारण किया था। इस दिन विशेष रूप से काल भैरव की पूजा, रात्रि-जागरण, दीपदान और कथा-पाठ का आयोजन किया जाता है। भक्त प्रातः स्नान कर, काले तिल, सरसों के तेल का दीपक जलाकर, कुत्तों को भोजन कराते हैं और भैरव जी का ध्यान करते हैं। भैरव अष्टमी के दिन बाबा भैरव की उपासना से जीवन के सभी भय, बाधाएं और ग्रहदोष दूर होते हैं।

वाशी योग इन पांच राशियों को बनाएगा धनवान, करियर में आएगा उछाल

आज यानी 16 नवंबर, रविवार के दिन सूर्य से द्वादश भाव में शुक्र के होने से बेहद ही शुभ वाशी योग का निर्माण हो रहा है। इस दौरान तुला राशि में शुक्र और वृश्चिक राशि में सूर्य की स्थिति कई राशियों के लिए अकस्मात धन लाभ के योग बना रही है। इस योग के प्रभाव से कुछ लोगों को भागीदारी के कार्यों में सफलता मिलेगी, तो कुछ का दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

मेष राशि : कार्यक्षेत्र में दिन अच्छा गुजरेगा

मेष राशि के जातकों का आज का दिन कार्यक्षेत्र में अच्छा गुजरने वाला है। भाग्य का आज के दिन साथ मिलेगा। दिन का ज्यादातर समय परोपकार के कार्यों में व्यतीत होगा। दिन में कुछ छोटी-छोटी परेशानियां देखने को मिलेंगी। हालांकि आप अपने व्यवहार से माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। रात के समय में जीवनसाथी का स्वास्थ्य खराब होने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष राशि : भाग्य का साथ मिलेगा

वृष राशि के जातकों का आज का दिन परिवार के साथ सुखद बीतेगा। दोपहर तक भाग्य का साथ मिलेगा और इस दौरान कोई शुभ समाचार भी मिलता हुआ दिख रहा है। हालांकि आपको स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। शाम के समय किसी अतिथि के घर आने से आपको प्रसन्नता होगी। रात के समय में किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित होने से आपका सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन राशि : व्यर्थ के खर्चों से बचना होगा

आज के दिन मिथुन राशि के जातकों को पिता का आशीर्वाद और उच्चाधिकारियों की कृपा मिलेगी। इससे किसी बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति की प्राप्ति की आपकी इच्छा पूरी हो सकती है। इस दौरान दौड़भाग का स्थिति बनी रहेगी। व्यर्थ के खर्चों से आपको बचना होगा। शाम से लेकर रात तक आपको तेज चलने वाले वाहनों का प्रयोग करते समय सावधानी बरतनी होगी। पत्नी की ओर से भी आपको सहयोग मिलता हुआ दिख रहा है।

कर्क राशि : आर्थिक स्थिति में सुधार होगा

राशि स्वामी की उत्तम स्थिति आपके लिए शुभ साबित होगी। राशि पर बृहस्पति का द्वादश होकर परिभ्रमण अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति कराएगा। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आपकी व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी। राज्य में मान-सम्मान बढ़ेगा। हालांकि, इस दौरान शीघ्रता व भावुकता में लिया गया निर्णय आगे चलकर पश्चाताप का कारण बन सकता है।

सिंह राशि : रुका हुआ कार्य भी पूरा होगा

सिंह राशि के जातकों को आज के दिन राजनीतिक क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व भी आज के दिन पूरे होंगे। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में दूसरों से आगे निकल जाएगें। आज के दिन रुका हुआ कार्य भी पूरा होगा। इस दौरान स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सतर्क रहना होगा। पाचन और आंखों से संबंधित कोई विकार हो सकता है। शाम से लेकर से लेकर रात तक का समय प्रियजनों के दर्शन में व्यतीत होगा। खान-पान का विशेष ध्यान रखें।

कन्या राशि : विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होगी

आज के दिन कन्या राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में लाभ होगा। परिवार में किसी मंगल कार्य के होने से खुशी मिलेगी। आज के दिन रचनात्मक कार्यों में आपका मन लगेगा। कुछ विपरीत परिस्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि अपने क्रोध पर काबू रखें। घर गृहस्थ की समस्या आज के दिन सुलझ जायेगी। राजकीय कार्यों में मदद मिलेगी। सूर्यास्त के समय अचानक लाभ होने के योग बन रहे हैं।

तुला राशि : आय के नए स्रोत बनेंगे

आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में आपको विशेष उपलब्धि मिलेगी। इस दौरान आय के नए स्रोत बनने से आर्थिक लाभ होगा। आपका संवाद करने का तरीका आपके लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। भागदौड़ के कारण मौसम का असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। ऐसे में सेहत को लेकर कोई लापरवाही न करें। आज के दिन जीवन साथी का पर्याप्त मात्रा में सहयोग मिलेगा। यात्रा के भी संयोग बन रहे हैं, जो भविष्य में लाभ दिलाएंगे।

वृश्चिक राशि : यश और कीर्ति में वृद्धि होगी

आज वृश्चिक राशि वालों का आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। इससे धन, सम्मान, यश और कीर्ति में वृद्धि होगी। आज के दिन रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा और प्रियजनों से मुलाकात होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। शाम के समय प्रियजनों से भेंट और रात में सैर सपाटे का अवसर प्राप्त होगा।

धनु राशि : सुख के साधनों में वृद्धि होगी

आज घर के लिए जरूरी सामानों पर धन खर्च होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या किसी सगे-संबंधी के कारण तनाव हो सकता है। ऐसे में रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें। आज के दिन धन फंसने की संभावना दिख रही है। दिन में कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। हालांकि इसमें आपकी ही विजय होगी। विरोधियों द्वारा आपके विरूद्ध किए जा रहे षड़यंत्र विफल हो जाएंगे।

मकर राशि : वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें

आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन मुताबिक लाभ होगा। इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में परिवर्तन की योजना बन सकती है। इस दौरान प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी और पारिवारिक उत्तरदायित्व भी पूरे होंगे। शाम के समय धार्मिक स्थानों की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित हो सकता है। रात के समय वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें। वाहन में खराबी से खर्च बढ़ सकता है।

कुंभ राशि : शरीर कष्ट होने के संकेत

कुंभ राशि वालों को आज के दिन कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। राशि स्वामी शनि की द्वितीय स्थिति के कारण पत्नी को अकस्मात शरीर कष्ट होने के संकेत दिख रहे हैं। ऐसे में भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति के लेन देन के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे वैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। शाम के समय पत्नी के स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा।

मीन राशि : माता-पिता की सलाह काम आएगी

वैवाहिक जीवन आनन्द दायक बीतेगा। आज पास व दूर की यात्रा पर जाना पड़ सकता है। बिजनेस में बढ़ती प्रोग्रेस से आपको काफी खुशी होगी। इस दौरान विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। शाम के समय घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आपका दिमाग भी रिलेक्स होगा। माता-पिता की सलाह-आशीर्वाद आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

फिल्म सैयारा ने येलोस्टोन फिल्म फेस्टिवल में जीता अवॉर्ड

मशहूर फिल्ममेकर मोहित सूरी के लिए साल 2025 किसी सपने के सच होने जैसा बन गया है। उनकी फिल्म 'सैयारा' देश-विदेश में अपनी सफलता का परचम लहरा रही है। इस बीच फिल्म ने येलोस्टोन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 (वाईआईएफएफ) में पॉपुलर चॉइस अवॉर्ड जीता। इस मौके पर निर्देशक मोहित सूरी ने कहा कि इस फिल्म की सफलता के पीछे की ताकत यश राज फिल्म्स की ओर से दी जाने वाली आजादी रही है। शुक्रवार को मुंबई में आयोजित वाईआईएफएफ के इवेंट में यश राज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी और निर्देशक मोहित सूरी ने फिल्म 'सैयारा' के लिए अवॉर्ड ग्रहण किया। अवॉर्ड मिलने के बाद मोहित सूरी ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए बेहद भावुक करने वाला है। वे पिछले बीस सालों से इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, लेकिन यह उनकी पहली ट्रॉफी है। उन्होंने कहा, ''इस फिल्म में सब कुछ जैसे पहली बार हुआ, जैसे फिल्म में एक्टर्स पहली बार बड़े पर्दे पर उतरे, वे पहली बार यश राज फिल्म्स के साथ काम कर रहे थे, और अक्षय पहली बार किसी फिल्म का निर्माण कर रहे थे। ये सब 'पहली बार' के अनुभव मेरे लिए यादगार बन गए।'' मोहित सूरी ने अपने बचपन की उन यादों को भी साझा किया, जब वह थिएटर में 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' देखने गए थे। उन्होंने बताया, ''उसी पल मैंने सोच लिया था कि मुझे फिल्मों से जुड़ना है। यही सपना धीरे-धीरे बढ़ा और आज मेरी फिल्म को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान मिला।''

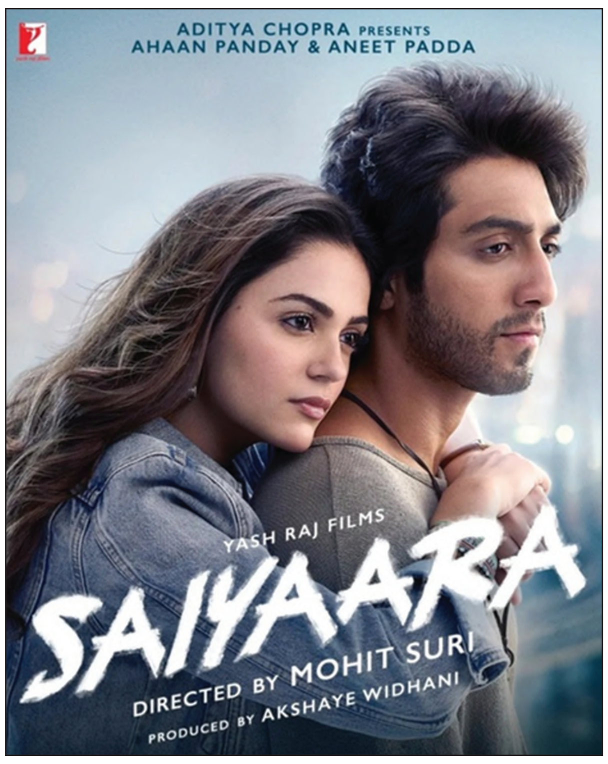

फिल्म के निर्माता आदित्य चोपड़ा का धन्यवाद करते हुए मोहित ने बताया कि आज के समय में जब बहुत लोग मानते हैं कि रोमांटिक फिल्मों का दौर खत्म हो चुका है, तब आदित्य चोपड़ा ने कहानी पर भरोसा किया। उन्होंने कहा, जहां बाकी इंडस्ट्री एक्शन और बड़े-बड़े स्टंट्स में बिजी है, वहीं आदित्य ने मुझे एक सरल प्रेम कहानी बनाने की पूरी आजादी दी। यह भरोसा किसी भी निर्देशक के लिए सबसे कीमती चीज है। यह अवॉर्ड जितना मेरा है, उतना यशराज फिल्म्स का भी है। पहली फिल्म में सुरक्षित रास्ता चुनना आसान होता है, खासकर तब जब आपके पास बड़े नामों को लेने का अवसर हो, लेकिन अक्षय विधानी ने दो नए कलाकारों, अहान पांडे और अनीत पड्डा, पर भरोसा किया, जिसने फिल्म को नया रूप दिया।

मोहित ने आगे बताया, ''जब मैंने फिल्म की स्क्रिप्ट आदित्य चोपड़ा और अक्षय विधानी को दी, तो दोनों ने तुरंत दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने उस वक्त मुझे सिर्फ एक ही बात कही, कि वे चाहते हैं कि मैं अपनी जिंदगी की सबसे अच्छी फिल्म बनाऊं। उन्होंने कभी भी मुझसे ये नहीं कहा कि फिल्म को हिट होना चाहिए या बॉक्स ऑफिस पर धमाका करना चाहिए।

उन्होंने सिर्फ फिल्म की आत्मा और संगीत पर ध्यान देने को कहा। इस भरोसे की वजह से मुझे रचनात्मक आजादी मिली, जिसकी हर फिल्ममेकर चाहत रखता है। यही आजादी ही 'सैयारा' की सबसे बड़ी ताकत रही।'' 18 जुलाई को 'सैयारा' फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म को दर्शकों से लेकर आलोचकों तक, हर किसी ने बेहद प्यार दिया। थिएटर्स में इसकी कमाई शानदार रही और सोशल मीडिया पर अभी भी इसके गाने छाए हैं।

रागेश्वरी लूंबा: एक बीमारी ने अभिनेत्री का करियर किया बर्बाद, अब लोगों को कर रही हैं जागरूक

बॉलीवुड में कई ऐसे चेहरे आए जिन्होंने बॉलीवुड पर राज किया और अपने समय में अपनी खूबसूरती और अदाकारी से फैंस का दिल जीता। ऐसी ही एक एक्ट्रेस और सिंगर हैं रागेश्वरी लूंबा, जो आज सोशल मीडिया पर ट्रामा और बीमारियों से बचने के लिए लोगों को थेरेपी के बारे में बताती हैं। 'लाल दुपट्टे वाली तेरा नाम तो बता' गाने में चंकी पांडे के साथ क्यूट दिखने वाली एक्ट्रेस रागेश्वरी लूंबा का जन्म एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता, भारतीय संगीतकार और गायक त्रिलोक सिंह लूंबा थे, जो नेशनल अवॉर्ड विनर रहे हैं। मधुर आवाज एक्ट्रेस को विरासत में मिली थी। बचपन से ही वे स्टेज पर गाना गाती थीं और पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की, वे कई विज्ञापनों में भी दिखीं। रागेश्वरी लूंबा को पहला ब्रेक साल 1993 में रिलीज फिल्म 'आंखें' से मिला। पहली ही फिल्म में वे अक्षय कुमार और चंकी पांडे के साथ नजर आईं। फिर रागेश्वरी साल 1994 में 'मैं अनाड़ी तू खिलाड़ी' और 'दिल कितना नादान' में नजर आईं। साल 2002 में वे 'तुम जियो हजारों साल' में दिखीं। उन्होंने सिर्फ अपनी एक्टिंग से फैंस के दिलों पर जादू नहीं किया, बल्कि उन्होंने अपनी मधुर आवाज से भी दर्शकों को दीवाना बनाया।

22 साल की उम्र में उन्होंने पॉप एल्बम 'दुनिया' रिलीज किया, जो रातों-रात छा गया। इसके बाद वे 1997 में अपने एल्बम 'वाई टू के' में नजर आईं। एक्ट्रेस ने बहुत सारे पॉप सॉन्ग रिलीज किए जो हिट भी रहे। इस लिस्ट में प्यार का रंग, रफ्तार, चाहत और कुड़ी ए पंजाब दी शामिल है।

रागेश्वरी लूंबा के साथ घटी एक घटना ने उनका पूरा जीवन बदल दिया। साल 1993 में उन्हें दुर्लभ बीमारी 'बेल्स पाल्सी' पता चला, जिससे उनका मुंह और गला दोनों बुरी तरीके से प्रभावित हुआ। डॉक्टर्स ने ये तक कह दिया था कि वे कभी गाना नहीं गा पाएंगी लेकिन एक्ट्रेस ने हार नहीं और खुद को बीमारी से पूरी तरह आजाद किया। आज एक्ट्रेस फिल्मों से दूर अपने परिवार के साथ समय बिता रही हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया के जरिए दुर्लभ बीमारियों के बारे में लोगों को जागरूक करती हैं।

दिल्ली क्राइम सीजन-3 में बड़ी दीदी का किरदार निभाना चैलेंजिंग: हुमा कुरैशी

दिल्ली क्राइम सीजन-3 और महारानी-4 से ओटीटी पर तहलका मचाने वाली हुमा कुरैशी हर तरफ छाई हुई हैं। दोनों ही सीरीज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है और अब एक्ट्रेस ने दिल्ली क्राइम सीजन-3 को लेकर खुलकर बात की है और साथ ही इस बात पर भी जोर दिया है कि सिनेमा में हर तरह की फिल्में बननी चाहिए, चाहे वे छोटी हो या बड़ी। हुमा कुरैशी ने आईएएनएस से बातचीत में बड़ी और छोटी दोनों तरह की फिल्में बनाने पर जोर दिया। हुमा ने कहा, हिंदी सिनेमा के लिए

हमेशा बड़ी फिल्में ही जरूरी नहीं हैं, इतनी ही जरूरत छोटी और कम बजट वाली फिल्मों की भी है, और ऐसे कार्यक्रम उन सभी स्टार्स, निर्देशकों, और एक्टर्स को प्लेटफॉर्म देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमें अच्छी फिल्में बनानी होंगी। हमें ऑडियंस को देखकर अलग-अलग तरह की फिल्में बनानी होंगी। बार-बार एक तरह की फिल्म बनाने से नहीं होगा। बड़ी फिल्में और छोटी फिल्में दोनों को बराबर अहमियत देने की जरूरत है।

दिल्ली क्राइम सीजन-3 में अपने निगेटिव रोल पर बात करते हुए हुमा ने कहा, मैंने पहली बार जिंदगी में इतना निगेटिव रोल प्ले किया है। जब पहली बार मुझे कॉल आया, तो मुझे लगा कि कॉप के किरदार के लिए फोन किया होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं, आपको निगेटिव रोल करना होगा। ये रोल मेरे लिए प्ले करना मुश्किल था, लेकिन मजा भी आया। उस वक्त में महारानी-4 की शूटिंग भी कर रही थी। मेरे लिए एक ही समय पर दो तरह के अलग रोल प्ले करना आसान नहीं था।

बता दें कि दिल्ली क्राइम सीजन 3 में हुमा कुरैशी ने एक दीदी का रोल प्ले किया है, जो छोटी बच्चियों की तस्करी करती है। सीरीज इस बार बस दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार विदेश तक फैले हैं।दिल्ली क्राइम सीजन-3 14 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, जबकि महारानी का नया सीजन 7 नवंबर को रिलीज हो गई थी। सीरीज को ऐसे मौके पर रिलीज किया गया, जब बिहार में जनता नई सरकार चुनने की तैयारी में थी। महारानी-4 बिहार की राजनीति पर बनी सीरीज है, जिसके शुरुआती तीन सीजन जबरदस्त रहे हैं। चौथे सीजन में कहानी को आगे बढ़ाते हुए इस बार पीएम पद की लड़ाई देखने को मिली है।

10 साल बाद साथ लौटे हनी सिंह और पारुल गुलाटी, एक्ट्रेस बोलीं

उनमें पहले जैसी एनर्जी

फिल्मी दुनिया में जब दो कलाकार लंबे समय बाद दोबारा साथ आते हैं, तो वह पल फैंस के लिए भावनात्मक बन जाता है। खासकर तब, जब उन कलाकारों की पुरानी साझेदारी ने लोगों पर गहरी छाप छोड़ी हो। इस कड़ी में अभिनेत्री पारुल गुलाटी और मशहूर रैपर व सिंगर यो यो हनी सिंह लगभग एक दशक बाद फिर से एक साथ नजर आएंगे। दोनों कपिल शर्मा की नई फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' के खास गाने 'फुर्र' में साथ दिखाई देंगे। पारुल गुलाटी ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि इतने साल बाद हनी सिंह से मिलना उन्हें भावुक कर गया। उन्होंने कहा, जब मैं इतने सालों बाद हनी सिंह से मिली, तो सचमुच ऐसा लगा जैसे समय थम गया हो। हम दोनों तुरंत पुराने प्रोजेक्ट 'जोरावर' के दिनों में वापस चले गए। हमें रिहर्सल, हंसी-मजाक, और सेट पर मस्ती भरे पल याद आने लगे। पारुल ने कहा, हनी सिंह के साथ दस साल बाद दोबारा काम करने पर मुझे एक अपनापन महसूस हुआ। उनमें पहले जैसी एनर्जी है, लेकिन एक कलाकार के तौर पर उनमें काफी निखार आया है। उनका म्यूजिक के प्रति जुनून, काम के प्रति समर्पण, और उनकी खास शैली आज भी उतनी ही मजबूत है।

पारुल ने कहा कि हनी सिंह के साथ गाने की शूटिंग करते हुए ऐसा लगा कि उनकी एक लंबी यात्रा, फिर से शुरुआती पड़ाव पर वापस आ गई है। ऐसा एहसास हुआ कि जिंदगी एक पूरा चक्कर लगाकर फिर उसी खुशी भरे मोड़ पर पहुंच गई हो, जहां से हमने शुरुआत की थी।पारुल और हनी सिंह की जोड़ी इससे पहले 2016 की पंजाबी एक्शन फिल्म 'जोरावर' में देखने को मिली थी। यह फिल्म हनी सिंह की एक्टिंग डेब्यू थी और उस समय दर्शकों ने इस नई जोड़ी को खूब पसंद किया था। यही वजह है कि उनका दोबारा साथ आना दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर रहा है।

'किस किसको प्यार करूं 2' का नया गाना 'फुर्र' रिलीज हो गया है। इस गाने में हनी सिंह और पारुल गुलाटी के अलावा, कपिल शर्मा, आयशा खान और त्रिधा चौधरी नजर आ रही हैं। गाने को लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

अनुकल्प गोस्वामी के निर्देशन में बनी 'किस किसको प्यार करूं 2' 12 दिसंबर को रिलीज होगी। ये फिल्म 2015 में आई 'किस किसको प्यार करूं' का सीक्वल है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेगी। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें और परेशानियों का सामना होठों पर मुस्कुराहट के साथ करें। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपको आज महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे, जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है। जो लोग टैक्स चोरी करते हैं आज वो बड़ी मुसीबत में फंस सकते हैं। घर का कुछ समय से टलता आ रहा काम–काज आपका थोड़ा वक़्त ले सकता है। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। घर मे हवन का आयोजन नयी लेकर आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। प्रेम के नज़रिए से आज का दिन आपके लिए ख़ुशियों से भरा रहेगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। वक्त पर चलने के साथ–साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपनी सेहत का खयाल करें। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जीवन–साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। किसी बुज़ुर्ग रिश्तेदार की निजी समस्याओं में मदद करके आप उनका आशीर्वाद पा सकते हैं। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मु–श्किल में फँस सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

किसी भी तरह के द्वन्द्व या विरोध से बचें, क्योंकि आपकी सेहत पर इसका बुरा असर होगा। आज आपको भूमि, रिअल–एस्टेट परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी ज़िम्मेदारी समझाने की ज़रूरत है। आपका प्रिय आपसे वादे की मांग करेगा, लेकिन ऐसा वादा न करें जिसे आप पूरा न कर सकें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने हमदम के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी। घर में पड़ी कोई पुरानी वस्तु आज आपको मिल सकती है जिससे आपको अपने बचपन के दिनों की याद सता सकती है और आप उदासी के साथ अपने दिन का काफी समय अकेले बिता सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों– और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की ख़ुशक़िस्मती को शिद्दत से महसूस कर पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। बोलते समय और वित्तीय लेन–देन करते समय सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है

आज का पंचांग

दिनांक : 16 नवंबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 04:49 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 02:11 तक
योग : विष्कुभ प्रात: 06:45 तक
करण : कौलव सायं 03:41 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वृश्चिक संक्रांति दोपहर 01:37 से , संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से दोपहर 01:37 तक , रविहस्त सिद्धि योग रात्रि 02:11 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आदिवासी समाज के गौरव भगवान बिरसा मुंडा हमारे प्रेरणास्रोत : भजनलाल

डूंगरपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजाति समुदाय ने सदियों से प्रकृति, संस्कृति, साहस और सत्य के मार्ग को जीवंत रखा है। राजस्थान के हृदय में सबसे जीवंत और प्रखर धारा के रूप में हमारे आदिवासी भाई–बहन हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों का इतिहास संघर्ष से भरा है, लेकिन उससे भी अधिक गौरवपूर्ण है। इन्होंने जल, जंगल और जमीन के साथ संतुलन बनाकर विश्व को जीना सिखाया है। त्योहार, गीतों और परम्पराओं से राजस्थान की पहचान को समृद्ध बनाया है। उन्होंने कहा कि जनजातियों के नृत्य में ताल ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों की कहानियां समाहित हैं। इसी प्रकार, त्योहारों में रंग ही नहीं, आदिवासी गौरव की चमक भी बसती है। राज्य सरकार इन परम्पराओं को संजोने के साथ ही दुनिया के सामने गर्व से पेश करेगी। राज्य सरकार जनजाति कल्याण के लिए

कृत–संकल्पित है। शर्मा शनिवार को डूंगरपुर के श्री भोगीलाल राजकीय महाविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब हम भगवान बिरसा मुंडा को याद करते हैं, तब हमें प्रदेश के उन अमर जननायकों का भी स्मरण करना चाहिए, जिन्होंने इस धरती को वीरता और बलिदान से पवित्र किया। गोविंद गुरु ने मानगढ़ की पहाड़ियों पर भील समाज को संगठित कर भगत आंदोलन का नेतृत्व किया। इसी प्रकार, वीर बालिका कालीबाई ने महज 12 वर्ष की आयु में अपने गुरु की रक्षा के लिए बलिदान दिया। ये सभी केवल नाम नहीं हैं बल्कि हमारी धरोहर और पहचान हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'विकास को सर्वांगीण, सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी बनाने के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज के उत्थान के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं, जो नए भारत की आधारशिला बन रहे हैं। देश भगवान बिरसा मुंडा के निःस्वार्थ त्याग और राष्ट्रसेवा के लिए सदा ऋणी रहेगा, प्रधानमंत्री का यह वाक्य केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प है कि हम धरती आबा के आदर्शों के मार्ग पर निरंतर चलते रहेंगे। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। छात्रावासों मैस भत्ता ढाई हजार से बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रतिमाह, खेल अकादमियों में मैस भत्ता 2 हजार 600 से बढ़ाकर 4 हजार रुपये प्रति माह किया गया है। साथ ही, 232 नए मा–बाड़ी केंद्रों की स्थापना कर स्टाफ के मानदेय में दो वर्षों में लगातार 10–10 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि की गई है। 8 लाख 39 हजार जनजाति किसानों को मुफ्त संकर मक्का बीज वितरण किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में जनजाति कृषकों को 2 लाख 36 हजार मिनिकिट वितरित किए गए हैं। प्रदेश के 9 जिलों में 530 वन धन विकास केंद्रों का गठन कर डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है।

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत लगभग 5 हजार जनजातीय युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि तृतीय राष्ट्रीय लेक्रोस चैंपियनशिप में राज्य के जनजातीय प्रतिभा के 55 खिलाड़ियों ने 6 वर्गों में 5 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक जीता है और लेक्रोस खेल में जनजातीय बालिकाओं ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एशियन चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व कर रजत पदक जीता है।

आज पत्रकारिता में अच्छे लोगों की बहुत जरूरत है : गुलाब बत्रा

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। आज पत्रकारिता मिशन को बजाय एक व्यवसाय बन गया है। ऐसे में पत्रकारिता में आज अच्छे लोगों की बहुत ज़रूरत है। भावी पत्रकारों को लेखन शैली, भाषा और तकनीकी दक्षता में निपुण होना होगा, तभी वे आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सफल हो सकेंगे। वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा ने हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान श्रृंखला के दौरान उक्त विचार व्यक्त किए। गुलाब बत्रा ने अपने 55 वर्षों के पत्रकारिता के करियर और अनुभवों के बारे में विस्तार से बातचीत करते हुए कहा कि पत्रकारों को विभिन्न तरह की किताबें पढ़ने की आदत को बनाये रखना चाहिए। साथ ही, वरिष्ठ पत्रकारों को भी नए पत्रकारों के लेखन को देखना–परखना चाहिए तभी वे आज की पीढ़ी के संघर्षों से परिचित हो सकेंगे। पत्रकारिता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान श्रृंखला की कड़ी में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में गुलाब बत्रा ने मुख्य वक्ता के बतौर विद्यार्थियों के सवालों के भी जवाब दिए। उन्होंने आपातकाल में पत्रकारों के ऊपर थोपी गई पाबंदियों का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की कलम में सरस्वती का साक्षात निवास होता है, इसलिए पत्रकारों की अपनी कलम का प्रयोग काफ़ी सोच समझकर करना चाहिए।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नंदकिशोर पांडेय ने की। उन्होंने मुख्य वक्ता गुलाब बत्रा का शॉल ओढ़ाकर और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। स्वागत उद्बोधन करते हुए कुलगुरु प्रो. पांडेय ने कहा कि गुलाब बत्रा का जीवन पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणा है, जिससे वे पत्रकारिता के पेशे की खूबियाँ सीख सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता संकाय के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार मिश्र ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. सत्येंद्र बसवाल ने किया।

अन्ता पुलिस ने 24 घंटे में सुलझाया धाकड़खेड़ी हत्याकांड

मामूली कहासुनी में कलयुगी नाबालिग बेटे ने की खूनी वारदात

बारां, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बारां जिले के अन्ता थाना क्षेत्र के ग्राम धाकड़खेड़ी में शुक्रवार को एक सनसनीखेज हत्या की वारदात सामने आई। बारां पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि माताजी की पुलिया के पास एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक के भाई की रिपोर्ट के आधार पर थाना अन्ता पर मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। एसपी अंदासु ने बताया कि घटना की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी व वृताधिकारी सोजी लाल मीणा के निर्देशन और थानाधिकारी भूपेश शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने तेजी से जांच करते हुए महज 24 घंटे के भीतर ही इस ब्लाइंड मर्डर का खुलासा कर दिया। पुलिस अनुसंधान में पता चला कि हत्या की इस जघन्य वारदात को मृतक के नाबालिग बेटे ने ही अंजाम दिया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मामूली कहासुनी होने पर नाबालिग ने अपने पिता पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।गठित विशेष टीम ने अथक प्रयास करते हुए शनिवार 15 नवम्बर को हत्या के बाल अपचारी को निरुद्ध कर लिया है। निरुद्ध किए गए बालक को अब किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा और मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है। पुलिस टीम में थानाधिकारी भूपेश शर्मा के साथ एएसआई रामावतार, कांस्टेबल हरवीर और विशेष भूमिका निभाने वाले थाना अन्ता के कांस्टेबल वीरेन्द्र तथा थाना सांगोद के कांस्टेबल सोनू शामिल थे।

16 जिलों के राशन डीलर्स का बड़ा निर्णय

अब नहीं देंगे अनलोडिंग राशि, सभी जिलों में समान व्यवस्था लागू करने की मांग तेज

लालसोट, 15 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के 16 जिलों के राशन डीलर्स ने अनलोडिंग राशि के मुद्दे पर बड़ा फैसला लेते हुए घोषणा की है कि अब वे गेहूं की अनलोडिंग राशि नहीं देंगे। डीलर्स का कहना है कि राज्य सरकार के स्पष्ट आदेशों के बावजूद इन 16 जिलों में उनसे 8 रुपये प्रति क्विंटल अनलोडिंग राशि वसूली जा रही है, जबकि प्रदेश के अन्य 25 जिलों में यह राशि परिवहनकर्ता स्वयं वहन कर रहे हैं।

राशन डीलर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमराज मीणा ने बताया कि राजस्थान में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न की डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था 15 अप्रैल 1992 से लागू है। इस योजना के अनुसार भारतीय खाद्य निगम से खाद्यान्न उठाकर उसे उचित मूल्य दुकान तक पहुँचाने की पूरी ज़िम्मेदारी परिवहनकर्ता (थोक विक्रेता) की होती है। परिपत्र 17-03-1992, 09-04-1992 तथा बाद में 1994 व 1996 में जारी निर्देशों में भी स्पष्ट किया गया कि लोडिंग–अनलोडिंग का खर्च परिवहनकर्ता ही वहन करेगा, डीलर नहीं। इसके बावजूद 16 जिलों में डीलर्स से ही अनलोडिंग राशि वसूली जा रही थी, जिस पर खाद्य विभाग के उपायुक्त द्वारा निर्देश जारी कर जिला रसद अधिकारियों को इसे बंद करने के आदेश भी दिए गए थे।

राशन डीलर्स के अनुसार राज्य सरकार ने परिवहनकर्ता से 6 रुपये प्रति क्विंटल काटकर यह राशि डीलर्स को लौटाने का आदेश दिया था, लेकिन 2023 से आज तक यह राशि डीलर्स के खातों में वापस नहीं आई। उलटे 2 रुपये प्रति क्विंटल राशि अभी भी डीलर्स को अपनी जेब से देनी पड़ रही है।

प्रदेशाध्यक्ष हेमराज मीना ने बताया कि 25 जिलों में डोर स्टेप डिलीवरी के प्रावधानों का सही पालन हो रहा है और अनलोडिंग राशि परिवहनकर्ता ही वहन कर रहा है, जबकि 16 जिलों में नियमों की अवहेलना कर डीलर्स से यह राशि वसूली जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कैथल में रन फॉर यूनिटी के प्रतिभागियों का बढ़ाया हौसला

कैथल, 15 नवंबर (एजेंसियां)। शनिवार सुबह एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी से कैथल तक निकाली जा रही रन फॉर यूनिटी में अचानक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का काफिला रुका। दरअसल मुख्यमंत्री शनिवार को हिसार के गांव खरक में पूनिया खाप द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में जा रहे थे। गांव कयोडक़ के निकट सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जा रही रन फॉर यूनिटी को देखकर मुख्यमंत्री ने अपना काफिला रुकवाया। वे अपनी गाड़ी से उतरे और पूर्व विधायक लीला राम सहित अन्य कार्यकर्ताओं से रन फॉर यूनिटी के रूट बारे जानकारी हासिल की। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं का हाल–चाल जाना। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का हौसला भी बढ़ाया।

प्रधानमंत्री मोदी के भव्य और दिव्य स्वागत के लिए हरियाणा तैयार: मोहन लालबड़ौली

पंचकुला, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर भरोसा किया है। बिहार के लोगों ने लोकतंत्र पर्व में शामिल होकर अपने मत का प्रयोग किया और पीएम मोदी के विकास के मॉडल पर मुहर लगाकर अपनी सरकार चुनी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनता के मुद्दों से कोई लेना–देना नहीं, कांग्रेस जनता पर अपनी बातें थोपती है, यही कारण है कांग्रेस अपना जनाधार खो चुकी है। ये बातें शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने बिहार में एनडीए की प्रचंड विजय पर बिहार के मतदाताओं का आभार भी व्यक्त किया है। इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि विरोधी पार्टियों ने एनडीए के खिलाफ अभियान चलाकर लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास किया, लेकिन बिहार की जनता ने विपक्ष के मंसूबों पर पानी फेर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की और नीतीश कुमार की नीतियों की जीत हुई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि बिहार की जनता ने वोट संशोधन कार्यक्रम पर भरोसा जताया। निर्वाचन आयोग ने पूरी तैयारियों के साथ निष्पक्ष तरीके से चुनाव की प्रक्रिया को पूरा किया। बिहार की जनता ने चुनाव आयोग पर भरोसा जताया और इसी का परिणाम है कि बिहार विधानसभा चुनाव में वोट प्रतिशत भी बढ़ा है।

एक सवाल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि बिहार की जनता ने अब वोट चोरी की जगह कांग्रेस को ही चोरी कर दिया है। बिहार में कांग्रेस ही चोरी हो गई और मात्र छह सीटों पर सिमट कर रह गई। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में कई पार्टियों के तो खाते ही नहीं खुले जीरो पर आउट हो गई। वोट चोरी का जो मुद्दा इंडी गठबंधन ने उठाने का प्रयास किया उसका जवाब जनता ने दे दिया। बड़ौली ने कहा कि जनता ने जो जनादेश दिया है उसका कांग्रेस को सम्मान करना चाहिए।

कुरुक्षेत्र में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हरियाणा की नायब सैनी सरकार श्री गुरु तेग बहादुर का 350वां शहीदी दिवस राज्य स्तर मना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में आ रहे हैं। बड़ौली ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर चार यात्राएं पूरे प्रदेश में चल रही है और ये 24 नवंबर को कुरूक्षेत्र पहुंच जाएंगी। पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर 25 नवंबर को बड़ा आयोजन रहेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि पहली बार गीता महोत्सव भी 21 दिन तक चलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दो बड़े आयोजन है और दोनों में प्रधानमंत्री जी का आगमन रहेगा।

प्रदेश सरकार दादा बाढ़देव जी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर निरंतर अग्रसर : सैनी

चंडीगढ़, 15 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दादा बाढ़देव पूनिया के जन्मोत्सव व मुख्यमंत्री सम्मान समारोह पर आयोजित कार्यक्रम में घोषणा करते हुए कहा कि खरक पुनिया गांव के वर्तमान स्कूल को 'संस्कृति मॉडल स्कूल' के रूप में अपग्रेड किया जायेगा ताकि गांव के ही स्कूल में बच्चों को उच्च कोटि की शिक्षा उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने खरक पुनिया में एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण करवाने के साथ–साथ यहां पर एक पुस्तकालय खोलने की भी घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने दो पुस्तकों का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री हिसार ज़िले के खरक पूनिया गांव में अखिल हरियाणा सर्वजातीय पूनिया समाज द्वारा दादा बाढ़देव जी पूनिया के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दादा बाढ़देव जी को नमन करते हुए कहा कि दादा बाढ़देव जी का जीवन हमें यह संदेश देता है कि जब समाज संगठित और अनुशासित होता है तो हर समस्या का समाधान आसान हो जाता है। उन्होंने समाज को सदैव सत्य, अनुशासन और भाईचारे को जीवन का मूल मंत्र बनाने की प्रेरणा दी। दादा बाढ़देव जी ने यह भी विश्वास दिलाया कि समाज की भलाई के लिए खड़ी खाप कभी कमजोर नहीं पड़ती। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूनिया खाप ने सदैव देश, समाज और जनहित को सर्वोपरि स्थान दिया है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार दादा बाढ़देव जी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर निरंतर अग्रसर है। उन्होंने पूनिया खाप से आग्रह किया कि वह युवा पीढ़ी को सही दिशा में प्रेरित करे, जिससे युवा नशे से दूर रहें और आने वाली पीढ़ियां सशक्त एवं सक्षम बन सकें। मुख्यमंत्री ने यह भी अपील की कि सभी लोग युवाओं को शिक्षा, खेल और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें।

गत दिवस सोनीपत के बढ़खालसा में दादा कुशाल सिंह दहिया के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दादा कुशाल सिंह दहिया ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के साथ धर्म की रक्षा हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गुरुओं के इतिहास, शिक्षाओं और बलिदान को जन–जन तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर

जी के 350वें शहीदी वर्ष को भव्य रूप से मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले 25 नवंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी इस संबंध में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने हेतु हरियाणा आ रहे हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में वर्तमान सरकार तीव्र गति से कल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नई–नई परियोजनाओं की स्थापना के साथ पिछले 11 वर्षों में सड़कों का व्यापक जाल बिछाया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में युवाओं को बिना पर्ची–बिना खर्ची, पूर्णतः मेरिट के आधार पर रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में 10 नए आईएमटी स्थापित करने की प्रक्रिया प्रगतिशील है। उन्होंने कहा कि दो से तीन आईएमटी के लिए भूमि जल्द उपलब्ध हो जाएगी और इस दिशा में कार्य तेजी से जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने चुनाव के दौरान किए गए 217 वादों में से 50 वादों को पहले ही वर्ष में पूरा कर उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जहाँ सभी 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर की जा रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य गठन से पूर्व के पट्टेदारों को भूमि का मालिकाना हक प्रदान किया गया है। इसके साथ ही, पंचायत एवं पालिका की भूमि पर 20 वर्षों से अधिक समय से निवासरत परिवारों को भी मालिकाना अधिकार देने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अंग्रेज़ों के समय से लागू टैक्स (आबियाना) को पूर्णतः समाप्त कर किसानों को बड़ी राहत प्रदान की गई है।

केंद्र अनुकूल फैसलों के बावजूद मंजूरी न देकर कर्नाटक की सिंचाई परियोजनाओं को रोक रहा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कृष्णा, महादयी और अन्य सिंचाई परियोजनाओं को आवश्यक मंजूरी न देने पर निराशा व्यक्त की है, जबकि अदालती आदेश कर्नाटक के पक्ष में थे, जिससे ये परियोजनाएं अटकी हुई हैं।

अपनी पुस्तक नीरा हेज्जे, जो कर्नाटक के जल संसाधनों और संबंधित मुद्दों के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित है, के विमोचन के अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा केंद्र ने कृष्णा जल बंटवारे पर राजपत्र अधिसूचना जारी नहीं की है। महाराष्ट्र, जो उस फैसले से सहमत था, आज उसका विरोध कर रहा है। महादयी परियोजना को सर्वोच्च न्यायालय की मंजूरी के बावजूद वन विभाग की आपत्तियों का सामना करना पड़ रहा है। शिवकुमार ने कहा कि 10 अंतर-राज्यीय नदी जल विवादों में से पांच कर्नाटक से जुड़े हैं, और केंद्रीय जल संसाधन मंत्री से पांच बार मिलने के बावजूद कोई मदद नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक पेयजल और सिंचाई परियोजनाओं का अध्ययन करने के लिए राज्य में एक अलग जल आयोग स्थापित करने की योजना बना रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक के भाजपा सांसद संसद में इस मुद्दे को उठाने में विफल रहे हैं। इस अवसर पर इसी तरह के लहजे में बोलते हुए, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने एनडीए के सहयोगी दलों, भाजपा और जद (एस) पर कर्नाटक से संबंधित जल या वित्तीय मामलों को केंद्र के समक्ष नहीं उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक को यकीन नहीं है कि कावेरी नदी प्रबंधन प्राधिकरण (सीआरएमए) मेकेदातु संतुलन जलाशय की अनुमति के संबंध में आगे क्या करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा मेकेदातु परियोजना अनुमति मिलने के बाद ही लागू की जा सकती है। तमिलनाडु इस परियोजना का विरोध राजनीतिक कारणों से कर रहा है, न कि तथ्यों के आधार पर। वास्तव में, वर्षा की कमी वाले वर्षों में, इस परियोजना से तमिलनाडु को ही लाभ होता है। उन्होंने कहा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा परियोजना के खिलाफ याचिका खारिज करने के बाद, हमें यकीन नहीं है कि सीआरएमए क्या करेगा। सभी अंतर-राज्यीय जल विवादों में, कर्नाटक को पूरी तरह से लाभ नहीं हुआ है। सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि राजस्थान के बाद कर्नाटक में दूसरा सबसे बड़ा शुष्क भूमि क्षेत्र है। कर्नाटक में नदियों से प्राप्त होने वाले पानी की कुल मात्रा लगभग 3,440 टीएमसीएफटी है, जबकि उपयोग के लिए आवंटित हिस्सा 1,272 टीएमसीएफटी है। हमें अपने आवंटित हिस्से का उपयोग करना ही होगा। लेकिन जब हम इसका उपयोग करने की कोशिश करते हैं, तो विवाद हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और जद(एस) कर्नाटक के लिए बिल्कुल नहीं बोलते। उन्होंने कहा हम पर आरोप लगाने वाली भाजपा ने क्या किया है? भाजपा के सांसद संसद में पानी के मुद्दे नहीं उठाते। नदियों की बात करने वाली जद(एस) ने नदी और वित्तीय मुद्दों को भी नहीं उठाया है। लोगों को यह जानने की जरूरत है। उन्होंने कहा महादयी नदी के लिए वन और पर्यावरण मंजूरी किसे देनी है? आप (भाजपा) हमसे गोवा और तमिलनाडु के मुख्यमंत्रियों से बात करने के लिए कहते हैं। क्या केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कभी जल संसाधन मंत्री से बात की है? क्या उन्होंने विवाद सुलझाने के बारे में बात की है?

एडीजीपी हितेंद्र के नेतृत्व वाली समिति ने परप्पना अग्रहारा जेल का दौरा कर निरीक्षण किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेलों की व्यवस्था और खामियों का अध्ययन करने के लिए गठित एडीजीपी आर. हितेंद्र की एक उच्चस्तरीय समिति ने शनिवार को बेंगलूरु के परप्पना अग्रहारा का दौरा किया और उसका निरीक्षण किया। इस बात के व्यापक आरोप थे कि विचाराधीन और दोषी कैदियों को जेलों में शाही आतिथ्य दिया जा रहा है। इसके अलावा, हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल हुए थे। बैरक नंबर 7 के आठवें कमरे में कुछ विचाराधीन कैदी शराब पीते और समूह में नाचते हुए दिखाई दिए, और उमेश रेड्डी नामक एक बदमाश व्यक्ति मोबाइल फोन पर बात करता हुआ दिखाई दिया, और आतंकवाद के आरोप में गिरफ्तार एक व्यक्ति के हाथ में भी मोबाइल फोन देखा गया। इससे न केवल व्यापक बहस छिड़ गई, बल्कि गंभीर सुरक्षा खामियों को भी उजागर किया गया। इस संदर्भ में, गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने पिछले सोमवार को कारागार एवं सुधार सेवा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक अलग बैठक की। उस अवसर पर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) आर. हितेंद्र ने चार आईपीएस अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया। समिति में पुलिस महानिरीक्षक संदीप पाटिल, पुलिस अधीक्षक अमरनाथ रेड्डी और ऋषिनाथ शामिल हैं। इस समिति ने परप्पना अग्रहारा जेल का दौरा किया और सबसे पहले वहां के अधिकारियों से चर्चा की। इसके बाद जेल के अंदर और बैरकों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक सिटी के डीसीपी नारायण भी मौजूद थे। जेल में कैदियों से आम जनता की मुलाकात की व्यवस्था, सीसीटीवी, जैमर और अन्य उपकरणों का संचालन, अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी समेत कई मुद्दों की जांच की गई।

समिति को परप्पना अग्रहारा समेत राज्य की जेलों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के लिए एक महीने का समय दिया गया है। इसी सिलसिले में समिति के अधिकारियों ने जेलों का दौरा शुरू कर दिया है।

सीएम के करीबी विश्वासपात्र का रात्रिभोज स्थगित, नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा स्थगित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद, कर्नाटक मंत्रिमंडल विस्तार और राज्य में नेतृत्व परिवर्तन पर दिल्ली में होने वाली चर्चाएं फीकी पड़ गई हैं। खबर है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के शक्ति प्रदर्शन के लिए दिल्ली में आयोजित भोज भी स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का शनिवार से तीन दिनों के लिए दिल्ली आने का पूर्व-निर्धारित कार्यक्रम था। हालांकि, बिहार चुनाव परिणामों के मद्देनजर यह यात्रा संक्षिप्त कर दी गई है। सिद्धरामैया, जो शनिवार सुबह दिल्ली गए, रविवार सुबह लौटेंगे। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार भी सिद्धरामैया के साथ दिल्ली जा रहे हैं, लेकिन उनके लौटने का कार्यक्रम अभी तय नहीं है। सिद्धरामैया दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों के साथ-साथ कांग्रेस आलाकमान के नेताओं से मिलने की कोशिश कर रहे हैं। सिद्धरामैया, डी.के. शिवकुमार राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल की पुस्तक विमोचन में शामिल होंगे। सिद्धरामैया ने खुद संकेत दिए थे कि अगर राहुल गांधी बैठक के लिए समय देते हैं, तो वह मंत्रिमंडल फेरबदल पर चर्चा करेंगे। हालांकि, बिहार में हार के कारण कांग्रेस में तनावपूर्ण माहौल है। ऐसा लगता है कि नेताओं ने तय कर लिया है कि इस समय डिनर पार्टी आयोजित करना और मंत्रिमंडल फेरबदल समेत राजनीति पर चर्चा करना ठीक नहीं है। सूत्रों ने बताया कि शाम को दिल्ली में सांसद राजशेखर हितनाल के घर होने वाली डिनर पार्टी स्थगित कर दी गई है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम अंतिम समय में बदल दिए गए हैं। डी.के. शिवकुमार गुट के कई नेताओं ने बयान दिया है कि सिद्धरामैया का नेतृत्व बदलना चाहिए, और इसके समर्थन में पर्दे के पीछे गतिविधियां भी चल रही हैं। लेकिन अब सब कुछ बिगड़ गया है। जिन विधायकों ने मंत्रिमंडल में जगह पाने के लिए नेताओं की पैरवी की थी, वे निराश हैं।

कर्नाटक में भी बिहार के नतीजे दोहराए जाएंगे: एच.डी. कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि बिहार में एनडीए की ऐतिहासिक जीत का आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनावों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जेडीएस-बीजेपी गठबंधन अगले चुनावों में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। राज्य की कांग्रेस सरकार पहले से ही सत्ता विरोधी लहर से जूझ रही है। कांग्रेस पिछले ढाई साल से नेतृत्व परिवर्तन में समय बर्बाद कर रही है। लोग इस बात से निराश और हताश हैं कि उन्हें बड़ी उम्मीदों के साथ 136 सीटें

दी गईं। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता चुनाव आने का इंतजार कर रही है। वे कांग्रेस को सबक सिखाने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। राज्य में एनडीए गठबंधन मजबूत है। सभी बीजेपी-जेडीएस नेता एक ही मंच पर हैं। बिहार की तरह, हम कर्नाटक में भी रिकॉर्ड परिणाम हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि वह बिहार के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए इस तरह काम करेंगे। बिहार के मतदाताओं ने वोट चोरी का झूठा ढिंढोरा पीटने वाली कांग्रेस पार्टी को सबक सिखा दिया है। कांग्रेस ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास खो दिया है और झूठी कहानियां गढ़कर गलत सूचना फैलाई है। उन्होंने कहा कि बिहार के प्रबुद्ध मतदाताओं ने इसका करारा जवाब दिया है और पार्टी के मुंह पर तमाचा मारा है। बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासोन्मुखी शासन और 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण के उनके दृढ़ संकल्प को अभूतपूर्व समर्थन दिया है। इसके लिए, उन्होंने कहा, मैं बिहार की जनता को बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत एनडीए गठबंधन ने आजादी के बाद के भारत में पहले कभी नहीं देखी गई रिकॉर्ड जीत हासिल की है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और जितिन राम मांझी को बधाई। बिहार की जनता ने कांग्रेस को वोट चोरी का राग अलापना बंद करने को कहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने कहा था कि वे 136 सीटें जीतेंगे। क्या वे तीन बार के साधु हैं जो इतना सटीक कह रहे हैं? क्या वे चुनाव आयोग की मदद से जीते हैं? केपीसीसी अध्यक्ष ने नतीजे आने से पहले ही यह बात कह दी थी, इसका क्या मतलब है? कुमारस्वामी ने कहा कि बेहतर होगा कि कांग्रेस नेता अपनी अहंकारी बातें बंद करें।

एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।
जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र में देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। मोतीपुर बाजार के वार्ड संख्या-13 में आग लगने से एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

घायलों को इलाज के लिए श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डघचउक) में भर्ती कराया गया है, जहां एक की हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है। घटना रात में तब हुई जब सभी लोग गहरी नींद में थे। अचानक लगी आग के कारण घर में मौजूद लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिल सका। आग की लपटें इतनी भयानक थीं कि स्थानीय लोग सहायता के लिए पहुंचे, लेकिन आग पर काबू पाना बेहद मुश्किल हो गया। पूरा मोहल्ला घटना के बाद से दहशत और शोक में डूबा है। हादसे में ललन शाह का परिवार पूरी तरह प्रभावित हुआ। आग में पति-पत्नी सहित दो मासूम बच्चों समेत कुल पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, घायल होने वालों में लालबाबू प्रसाद कुमार (55), साक्षी कुमारी (14), पुष्पा कुमारी (48) और माला देवी (42) शामिल हैं। सभी का इलाज मेडिकल कॉलेज के बर्न वार्ड में चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस और प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर राहत एवं जांच में जुट गए। एसडीपीओ वेस्ट टू सुचित्रा कुमारी ने बताया कि आग में पांच लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि चार लोग गंभीर रूप से झुलसे हैं। प्रारंभिक जांच में बिजली के शॉर्ट सर्किट को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। मामले की विस्तृत जांच जारी है। यह दर्दनाक हादसा पूरे इलाके में गहरी सनसनी और शोक का माहौल पैदा कर गया है।

भीषण दुर्घटना में तीन लोगों की मौत, छह घायल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेंगलूरु-बेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीसी रोड स्थित ब्रह्मश्री नारायण गुरु सर्किल पर एक भीषण दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान रवि (64), नंजम्मा (75) और राम्या (23) के रूप में हुई है, जो सभी बेंगलूरु निवासी हैं। घायलों की पहचान

सुशीला, कीर्ति कुमार, किरण, बिंदु, प्रशांत और चालक सुब्रह्मण्य के रूप में हुई है। सभी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह दुर्घटना सुबह करीब 5 बजे हुई जब बेंगलूरु से उडुपी की ओर जा रही एक इनोवा कार नियंत्रण खो बैठी और नारायण गुरु सर्किल से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के समय कार में कुल नौ रिश्तेदार सवार थे। बंटवाल यातायात पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

आलंद निर्वाचन क्षेत्र में वोट चोरी मामले में पश्चिम बंगाल से आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान अलंद निर्वाचन क्षेत्र में वोटों में धांधली के आरोपों की जांच कर रही सीआईडी पुलिस ने पश्चिम बंगाल के नादिया जिले से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर बेंगलूरु लाया गया है। सीआईडी ने उसे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सूत्रों ने बताया कि उसने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में कई वोटों को हटाने के लिए आवेदन दायर किया था। अलंद से कांग्रेस विधायक बी.आर. पाटिल के अनुसार, अल्पसंख्यकों और पिछड़ी जातियों के वोट हटाने के लिए और भी अनुरोध किए गए हैं। मंत्री प्रियांक खड़गे और पाटिल द्वारा दर्ज की गई शिकायत के बाद मतदाताओं के नाम हटाने के अवैध अनुरोधों के बारे में पता चलने के बाद, कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। पाटिल ने लगभग 10,000 मतों के अंतर से चुनाव जीता। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 18 सितंबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें वोटों में धांधली के आरोपों को उजागर किया और मामले की जांच किए बिना आरोपियों को बचाने के लिए चुनाव आयोग की आलोचना की। सीआईडी सूत्रों के अनुसार, आरोपी को नादिया से उसके बैंक खाते से जुड़े धन के आधार पर गिरफ्तार किया गया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में बिरसा मुंडा की जयंती मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में क्रांतिकारी आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महासचिव पी. राजीव, प्रदेश सचिव शरणु तारिकेरी, प्रदेश कार्यालय सचिव लोकेश अम्बेकल्लू, प्रदेश मीडिया समन्वयक करुणाकर खासले, प्रदेश मीडिया सह-समन्वयक प्रशांत केदानजी, कोप्पल जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष नवीन गुलागन्नावर और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रिक्त पदों को भरने के बजाय, सरकार शिक्षा व्यवस्था को दंडित करने का कुकृत्य कर रही: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार विलय और पब्लिक स्कूलों की स्थापना के बहाने राज्य के 7,000 सरकारी स्कूलों को बंद करने जा रही है। विडंबना यह है कि सरकार 700 पब्लिक स्कूलों और 7,000 सरकारी स्कूलों के लिए अंतिम गीत गाने जा रही है। इस संबंध में एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि राज्य में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने आलोचना की कि बच्चों को सुसज्जित भवन, शौचालय, स्टेडियम, पुस्तकालय, यूनिफॉर्म और किताबें उपलब्ध कराने में असमर्थ सरकार ने अब जिम्मेदारी से बचने का एक आसान तरीका ढूंढ लिया है। उन्होंने कहा कि

चौंकाने वाली बात यह है कि सरकार 10 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले 5,000 स्कूलों और 50 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले 25,000 स्कूलों को स्थायी रूप से बंद करने जा रही है। बच्चे सरकारी स्कूलों में क्यों नहीं आ रहे हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि कारण जानने और समाधान खोजने के बजाय, कांग्रेस सरकार की नापाक मंशा सरकारी स्कूलों को, जहां ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब बच्चे पढ़ते हैं, व्यवस्थित रूप से बंद करने, पूरे राज्य की प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था को तहस-नहस करने और निजी शिक्षा की बाढ़ लाकर शिक्षा के व्यवसायीकरण को और बढ़ावा देने की है। राज्य में 60,000 शिक्षकों की कमी है। कुछ ही दिनों में 6,000 शिक्षक सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि रिक्त पदों को भरने के बजाय, सरकार शिक्षा व्यवस्था को दंडित करने का कुकृत्य कर रही है।

एक कार में शव ले जा रहे तीन आरोपी गिरफ्तार

कोडागु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के मालदारे लिंगापुर चेकपोस्ट पर पुलिस ने एक कार में शव ले जा रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि कोडागु जिले के मालदारे लिंगापुर चेकपोस्ट पर वन विभाग के कर्मचारियों को नियमित वाहन निरीक्षण के दौरान एक कार पर शक हुआ और उन्होंने उसकी जांच की। इस दौरान कार में एक महिला का शव मिला। जानकारी के अनुसार, मृतक महिला की पहचान नानकी देवी (45) के रूप में हुई है, जो हरियाणा की मूल निवासी थीं और अपने पति के साथ मैसूरु में रहती थीं। सूचना मिलते ही सिद्धपुर पुलिस थाने के निरीक्षक मंजूनाथ ने घटनास्थल का दौरा किया और कार में सवार तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। सिद्धपुर पुलिस ने मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com